शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 122 | गुवाहाटी | मंगलवार, 28 नवंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

स्वयंसेवी संगठनों को 1.10 लाख रुपए देगी सरकार : मंत्री पीयूष पेज 3

तेलंगाना में भाजपा सत्ता में आई तो सीएम ओबीसी समुदाय का : मोदी पेज 4

योगी सरकार ने साढ़े छह साल में 5 हजार किमी सड़क का बिछाया जाल पेज 5

राजस्थान की 88 विधानसभा सीटों पर पुरुषों से ज्यादा रहा महिलाओं ... पेज 8

पिछली शताब्दी के महापुरुष थे गांधी, इस शताब्दी के युगपुरुष नरेंद्र मोदी : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कहा महात्मा गांधी पिछली शताब्दी के महापुरुष थे और नरेंद्र मोदी इस शताब्दी के युगपुरुष हैं। महात्मा गांधी ने सत्याग्रह और अहिंसा के मंत्र से देश को अंग्रेजों की गुलामी से छुटकारा दिलाया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को उस रास्ते पर लाए हैं, जिस रास्ते पर हम सदियों से देश को देखना चाहते थे। आज मुंबई में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने श्रीमद राजचंद्र जयंती–*आत्मकल्याण दिवस* पर आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और श्रीमद राजचंद्र की प्रतिमा का अनावरण किया। समारोह को सम्बोधित करते हुए धनखड़ ने कहा यहां आकर मैं धन्य हो गया। गुरुदेव राकेश का आशीर्वाद सदैव मेरी स्मृति में रहेगा। उन्होंने कहा कि श्रीमद राजचंद्र मिशन लाखों लोगों के जीवन को बेहतर बना रहे हैं, लोगों का जीवन बदल रहा है इसमें कोई संदेह नहीं है यह मिशन मानव कल्याण के लिए सराहनीय कार्य कर रहा है। भारत सदियों से महापुरुषों की जननी रहा है। भारत विश्व संस्कृति का केंद्र है। भारत की सभ्यता 5000 –शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में कुकी समुदाय ने आर्थिक नाकेंबदी को किया निलंबित

इंफाल। मणिपुर में जातीय हिंसा के बाद हालत अब भी पूरी तरह से सुधरे नहीं है। मणिपुर की राजधानी इंफाल को जोड़ने वाले नेशनल हाईवे को कुकी समुदाय ने बंद कर दिया था जिस कारण राज्य में जरूरी सामान की सप्लाई पर रोक लग गई थी। आर्थिक नाकेबंदी के कारण जरूरी सामान सप्लाई नहीं हो पा रहा था। हाईवे बंद होने के कारण वहां बीच में ही फंस रहे थे। अब कुकी समुदाय ने सोमवार को आर्थिक नाकेबंदी के फैसले को निलंबित कर दिया है। आर्थिक नाकेबंदी शुरू होने के कारण इंफाल तक वाहन नहीं पहुंच पा रहे थे। इस कारण इलाके में जरूरी सामान की आपूर्ति भी नहीं हो पा रही थी। नेशनल हाईवे 2 पर सेवा के ट्रैकों को आगे भी नहीं बढ़ने दिया जा रहा था। बता दे कि मणिपुर के कांगपोकमी में कुकी बहुल जिला है। यहां लॉ एंड ऑर्डर की हालत दुरुस्त करने में प्रशासन का रवैया बेहद उदासीन था। प्रशासन की दवाई को देखते हुए आदिवासी एकता समिति ने यहां आर्थिक नाकेबंदी लगा –शेष पृष्ठ दो पर

यदि पेट्रोल की कीमतें नीचे लाना है तो भाजपा को वोट दें : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने आज कहा है कि तेलंगाना को देश का एक नंबर राज्य बनाने के लिए भाजपा को वोट दें। उन्होंने कहा कि यदि पेट्रोल की कीमतें एक सौ रुपए लीटर से नीचे लाना है तो भाजपा को वोट दें। यदि बेटियों के जन्म होते ही दो लाख रुपए उसके नाम पर फिक्स डिपाजिट करवाना है तो भाजपा को वोट दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना में भाजपा की सरकार बनेगी तो महिलाओं को रोजगार करने के लिए बगैर ब्याज का लोन दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और बीआरएस की मिलीभगत को तोड़ने के लिए भाजपा को वोट दें, तभी जाकर राज्य के विकास का मार्ग प्रशस्त हो सकेगा। उन्होंने एक अन्य चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि वह मां कामाख्या की धरती कामरूप से माता वनदुर्गा की धरती मेडक में आए हैं। उन्होंने सभी से अपील की कि आपको जब भी समय मिले एक बार आकर मां कामाख्या –शेष पृष्ठ दो पर

त्रिपुरा : बाजार की 150 से अधिक दुकानें जलकर राख

अगरतला (हि.स.)। त्रिपुरा के दूसरे सबसे व्यस्त बाजार में लगी भीषण आग में 150 से अधिक दुकानें जलकर राख हो गयी। त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में बट्टला बाजार में सोमवार तड़के यह आग लगी, जिसमें 155 दुकानें जलकर राख हो गईं। त्रिपुरा के दूसरे सबसे व्यस्त और सबसे बड़े बाजार बट्टला बाजार के व्यापारियों को इस घटना के कारण काफी नुकसान का सामना करना पड़ा। मार्केट एसोसिएशन के सचिव सुभाष दास ने कहा कि आग संभवत: बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। अग्निशमन और आपातकालीन सेवाओं को सूचित करने के बाद तत्काल कार्रवाई की गई और आग को और फैलने से रोकने के लिए नौ दमकल गाड़ियां तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गईं। दास ने नुकसान का विवरण देते हुए कहा –शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

सीएए को लेकर भाजपा गंभीर नहीं : गृह राज्यमंत्री

कोलकाता। भारत सरकार में गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा के सीएए यानी नागरिकता संशोधन कानून पर दिए बयान पर राजनीति शुरू हो गई है। मिश्रा कल पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में एक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। जिले के ठाकुरनगर में दलित मतुआ उत्सव में मिश्रा ने एलान कर दिया कि भारत सरकार 30 मार्च, 2024 तक सीएए को लेकर फाइनल ड्राफ्ट तैयार कर लेगी। मिश्रा के बयान पर तृणमूल कांग्रेस के माजिद मेमन ने प्रतिक्रिया दी है। मेमन ने कहा है कि इस बात को हम ना भूलें की साल 2019 में ही सीएए सदन में पास हो गया था, पिछले पांच वर्ष तक सरकार क्या कर रही थी जो अब वह –शेष पृष्ठ दो पर

विपक्षी दल कार्यान्वयन का विरोध करेंगे

गुवाहाटी। असम के विपक्षी दलों ने सोमवार को कहा कि वे नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) को लागू करने के केंद्र सरकार के किसी भी कदम का विरोध करेंगे, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के इस दावे के एक दिन बाद कि इसका अंतिम मसौदा तैयार हो गया है। अगले मार्च तक कानून तैयार होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि राज्य के लोग *असंवैधानिक* कानून लागू करने के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं करेंगे, जो 1985 के असम समझौते के प्रावधानों के खिलाफ है। मिश्रा ने –शेष पृष्ठ दो पर

पुलिस एनकाउंटर में भू-माफिया घायल

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी की वशिष्ठ पुलिस और साइबर शाखा की टीम द्वारा भू माफिया के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान भू माफिया रमेन मोदाही पुलिस एनकाउंटर में गंभीर रूप से घायल हो गया। इसकी जानकारी गुवाहाटी के पुलिस कमिश्नर दिगंत बोरा ने सोमवार को दिया। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि साइबर पीएस केस नंबर 12/23 (नकली भूमि दस्तावेज) के मद्देनजर एक अभियान चलाया जा रहा है। ऐसे में इस रैकेट के सरगनाओं में से एक, लालुंग गांव, लोखरा के रमेन –शेष पृष्ठ दो पर

door graphy
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
गरीब वह है, जिसका खर्च आमदनी से ज्यादा है।
– बुएयर

होलसेल मार्केट को फैंसी बाजार से स्थानांतरित करने पर विचार : सिंघल

गुवाहाटी (हि.स.)। राज्य के शहरी विकास आदि मामलों के मंत्री अशोक सिंघल ने कहा है कि होलसेल मार्केट को फैंसी बाजार से स्थानांतरित करने पर सरकार विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि इसे उत्तर गुवाहाटी या चांगसारी में से कहीं एक जगह ले जाने की योजना है। उन्होंने कहा कि सरकार गुवाहाटी में होने वाले ट्रैफिक जाम की समस्या को दूर करने के लिए अनेक प्रकार से प्रयास कर रही है। इसी सिलसिले में मालीगांव –शेष पृष्ठ दो पर

डॉक्टर के लालच से गई गर्भ में पल रहे 900 बच्चे की जान

बेंगलुरु। कर्नाटक के बेंगलुरु के मैसूरु जिला मुख्यालय शहर के एक अस्पताल से अवैध गर्भपात का खुलासा हुआ है। इस अवैध गर्भपात के स्वरूप अबतक 900 गर्भपात किए गए। बेंगलुरु पुलिस ने एक डॉक्टर और उसके लैब तकनीशियन को इस मामले में गिरफ्तार किया है, जिन्होंने कथित तौर पर पिछले तीन वर्षों में लगभग 900 अवैध गर्भपात किए हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। डॉ. चंदन बल्लाल और उनके लैब तकनीशियन निसार ने मैसूरु जिला मुख्यालय शहर के एक अस्पताल में प्रत्येक गर्भपात के लिए कथित तौर पर लगभग 30,000 रुपए लिए। उन्होंने बताया कि इन दोनों को पिछले सप्ताह हिरासत में लिया गया था। पुलिस ने बताया कि अस्पताल की मैनेजर –शेष पृष्ठ दो पर

दुनिया का 8वां अजूबा बना अंकोरवाट मंदिर

नई दिल्ली। कंबोडिया के अंग्कोरवाट मंदिर इटली के पोम्पेई को पछाड़कर दुनिया का आठवां अजूबा बन गया है। 800 वर्ष पुराने इस मंदिर का निर्माण राजा सूर्यवर्मन द्वितीय ने करवाया था। अंकोर वाट मूल रूप से हिंदू धर्म के भगवान विष्णु को समर्पित था, लेकिन बाद में यह बदल कर एक बौद्ध मंदिर बन गया। यह दुनिया का सबसे बड़ा मंदिर है। यह करीब 500 एकड़ के क्षेत्र में फैला है। अंकोरवाट यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज साइट लिस्ट में शामिल दुनिया का सबसे विशाल हिंदू मंदिर है। यह मंदिर –शेष पृष्ठ दो पर

आकाशीय बिजली गिरने से 20 की मौत

गांधीनगर। गुजरात में रविवार को गांधीनगर, अहमदाबाद, सूरत और राजकोट सहित अधिकांश स्थानों पर बेमौसम की बारिश और ओलावृष्टि हुई। इस दौरान आकाशीय बिजली गिरने से कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई। यही नहीं, फसलें भी प्रभावित हुई हैं। आकाशीय बिजली गिरने से दाहोद जिले में तीन और भरूच जिले में दो मौतें हुईं। इसके अलावा अमरेली, सुरेंद्रनगर, मेहसाणा, बोटाद, पंचमहल, खेड़ा, साबरकांठा, सूरत, तापी और अहमदाबाद आदि जिलों में एक-एक व्यक्ति की जान गई। राज्य में रविवार –शेष पृष्ठ दो पर

भारत हिंदू राष्ट्र है, बस इसे पहचानने की जरूरत है : भागवत

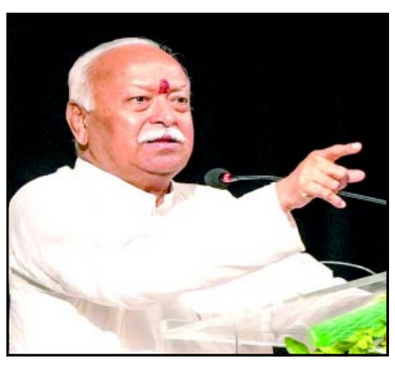

गौतम बुद्ध नगर। गौतम बुद्ध नगर के प्रबुद्ध वर्ग के कार्यक्रम में संघ प्रमुख डॉ मोहन भागवत ने कहा कि भारत आज से नहीं बल्कि कई हजार साल पहले से हिंदू राष्ट्र है। हमें हिंदू राष्ट्र की कोई नई परिकल्पना नहीं करनी है बस इसे और सिर्फ पहचानने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत एक हिन्दू और सनातनी राष्ट्र है। मोहन भागवत ने कहा कि भारत मित्रता चाहता है और मिडिल ईस्ट में जो परेशानी है उसमें दो देश हैं। दोनों देशों के साथ भारत के अच्छे संबंध हैं। ऐसे में भारत सिर्फ और सिर्फ शांति कायम करने की बात करता है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में अशांति कायम है। अशांति के मूल में सिर्फ और सिर्फ स्वार्थ है। यदि दुनिया के कई सारे देश स्वार्थ को त्याग दें तो संभव है दुनिया शांति प्रिय बन जाए। मिडिल ईस्ट में कुछ परेशानी चल रही है। हम सबसे शांति की बात करते हैं क्योंकि दोनों देश हमारे मित्र हैं। कटते और पीटते नहीं रहना है। इन सब पर पूर्ण विराम देकर आगे बढ़ाना है। मोहन भागवत ने कहा कि विश्व में ज्यादा से ज्यादा लोगों को अपने साथ जोड़ने की जरूरत है। विश्व में अपनी मित्रता बढ़ाने की जरूरत है। हम किसी के पक्ष में नहीं, बल्कि –शेष पृष्ठ दो पर

बीस लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने सरयू में लगाई आस्था की डुबकी

अयोध्या (हि.स.)। कार्तिक पूर्णिमा पर पवित्र सलिला सरयू नदी में 15 लाख श्रद्धालुओं ने सोमवार को आस्था की डुबकी लगाई। सरयू की धारा में डुबकी लगाने के बाद लोगों ने सूर्य को अर्घ्य देकर भगवान कार्तिकेय की पूजा-अर्चना करते हुए परिवार के निरोग रहने की कामना की। ग्रह नक्षत्रों के दुर्लभ संयोग के कारण इस बार कार्तिक पूर्णिमा के स्नान का विशेष महत्व रहा। यही कारण है कि सूर्य की पहली किरण निकलने से पहले ही हजारों श्रद्धालु इकट्ठे हो गए। कई घाटों पर तो पैर रखने की भी जगह नहीं बची। वैसे तो कार्तिक पूर्णिमा रविवार को दोपहर से ही प्रारंभ हो गई थी। ऐसे में रविवार को भी श्रद्धालुओं ने सरयू नदी में डुबकी लगाई। रविवार को लगभग 10 लाख लोगों ने सरयू स्नान किया था। दो दिन –शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

हिंगलाज माता मंदिर व यूनेस्को धरोहर शारदा पीठ को पाकिस्तान ने तोड़ा

पेशावर। पाकिस्तान में मानवाधिकारों का उल्लंघन जारी है और इसी श्रृंखला में अधिकारियों द्वारा लगातार हिंदू पूजा स्थलों को निशाना बनाया जा रहा है। सिंध प्रांत में हिंगलाज माता मंदिर (मंदिर) धार्मिक अल्पसंख्यकों पर इस कार्रवाई का शिकार हो गया। कोर्ट के आदेश के बाद हिंदू मंदिर तोड़े जाने की कार्रवाई की गई। थारपारकर जिले के अधिकारियों ने मीठी शहर में विध्वंस को उचित ठहराने के लिए अदालत के आदेश का हवाला दिया। इस दौरान वहां मौजूद हिंदू समुदाय ने नारे लगाए और मंदिर तोड़े जाने का तीव्र विरोध किया। मीठी शहर पाकिस्तान का हिंदू बहुल इलाका है। यहां बड़ी संख्या में हिंदू समुदाय के लोग रहते हैं। हिंदू बहुल मीठी शहर को देखने के लिए पूरे पाकिस्तान से लोग आते हैं। इसके अलावा नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास यूनेस्को धरोहर में शामिल एक और हिंदू स्थल शारदा पीठ मंदिर (मंदिर) के विध्वंस का पता चलता है। यह कार्रवाई मंदिर की सुरक्षा के उद्देश्य से सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद हुई। रिपोर्ट में मंदिर के पास एक कॉफी हाउस के निर्माण का भी संकेत दिया गया है, जिसका उद्घाटन इस साल नवंबर में होना है। पाकिस्तान में हिंदुओं के खिलाफ इस तरह के अत्याचार कोई

हिंदुओं ने किया विरोध

अलग घटनाएं नहीं हैं। समुदाय को लगातार चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, जिसमें लक्षित हिंसा, हत्याएं और उनकी भूमि पर अतिक्रमण शामिल हैं। ध्वंस अंतर्राष्ट्रीय संरक्षण प्रयासों का खंडन करता है और क्षेत्र में सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत की रक्षा के बारे में सवाल उठाता है। ये घटनाएं देश में हिंदुओं पर चल रहे उत्पीड़न को रेखांकित करती हैं। पाकिस्तान में गैर मुस्लिमों के साथ ऐसे अभियान पहले भी होते रहे हैं। वहीं हिंदू और सिख समुदाय के धार्मिक स्थलों पर हमलों की घटनाओं पर पाकिस्तान की सरकार द्वारा कोई ठोस निर्णय नहीं लिए जाते। सरकार मूकदर्शक बनी रहती है। इससे हिंदुओं के साथ ही सिख धर्म के लोगों की भावनाएं भी आहत होती हैं।

26/11 : पीएम मोदी होते तो चीजें अलग होतीं...

गुवाहाटी। मुंबई आतंकी हमले की 15वीं बरसी पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि अगर हमले के समय मनमोहन सिंह की जगह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पद पर होते तो चीजें अलग होतीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बहुत दुखद दिन है। मुझे लगता है कि अगर उस वक्त मनमोहन सिंह की जगह नरेंद्र मोदी पीएम होते तो वे काम नहीं होते जो कांग्रेस ने किया और हमें दुःख है कि हम वह नहीं कर पा रहे जो करना चाहिए था। उल्लेखनीय है कि 26 नवंबर, 2008 को लश्कर के भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने मुंबई की सड़कों पर कई प्रमुख सार्वजनिक प्रतिष्ठानों पर हमला कर उत्पात मचाया था और निहत्थे नागरिकों पर अंधाधुंध गोलीबारी की थी। आतंकवादी हमलों में विदेशियों सहित 166 से अधिक लोगों की मौत हो गई और 300 से अधिक लोग घायल हो गए। 26/11 मुंबई आतंकवादी हमला भारत के इतिहास में एक काला दिन है, जहां कई सुरक्षाकर्मियों और नागरिकों ने भारी हथियारों से लैस पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आतंकवादियों के हाथों अपनी जान दे दी।

वाराणसी एयरपोर्ट पर 70 देशों के राजदूतों का हुआ भव्य स्वागत

वाराणसी (हि.स.)। भारत की आध्यात्मिक राजधानी काशी में गंगा के अर्धचंद्राकार घाटों पर होने वाले भव्य देव दीपावली को देखने के लिए सोमवार अपराह्न काशी पहुंचे 70 देशों के राजदूतों और उनके साथ आए 150 प्रतिनिधि मंडल का भव्य स्वागत किया गया। बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर परंपरागत तरीके से टीका लगाकर व अंगवस्त्र भेंट कर उनका स्वागत हुआ, वहीं नमो घाट पर भी उनका स्वागत सांस्कृतिक कार्यक्रम के द्वारा किया गया। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, जिले के प्रभारी मंत्री जयवीर सिंह, महापौर अशोक तिवारी, पूर्व मंत्री एवं विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी, मुख्य सचिव डॉ. दुर्गा शंकर मिश्र, मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा, जिलाधिकारी एस राजलिंगम आदि के साथ खुद मेहमानों की अगवानी की। इस दौरान विदेशी मेहमानों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का खूब लुत्फ उठाए। मेहमानों को विवेकानंद क्रूज से देव दीपावली और गंगा पार होने वाली आतिशबाजी का नजारा दिखाया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सभी मेहमान देव दीपावली के अविस्मरणीय पलों के साक्षी बने। मेहमानों के स्वागत के लिए शहर के सभी रास्तों और चौराहों को सजाया गया है।

ओबीसी आरक्षण कोटे को प्रभावित नहीं किया जाएगा : सीएम शिंदे

मुंबई (हि.स.)। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार राज्य में किसी भी कीमत पर ओबीसी आरक्षण कोटे को प्रभावित नहीं करेगी। कैबिनेट मंत्री और ओबीसी नेता छगन भुजबल के साथ इस मुद्दे पर चर्चा हो चुकी है। सीएम शिंदे ने कहा कि मराठा समाज को अलग से आरक्षण देने का काम राज्य सरकार कर रही है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार को पत्रकारों को बताया कि मराठा समाज को आरक्षण देने की दिशा में सरकार जोर-शोर से काम कर रही है, लेकिन ओबीसी नेताओं को शक है कि कहीं उनके कोटे को कम न कर दिया जाए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि ओबीसी आरक्षण का कोटा किसी भी कीमत पर कम नहीं किया जाएगा। उन्होंने पुराने शासनादेश पर सिर्फ अमल करने का आदेश दिया है। इस पर पूर्व न्यायाधीश शिंदे की समिति काम कर रही है।

बर्बरता : इजराइल के लिए जासूसी के शक में गोलियों से भून डाले दो शरणार्थी

गाजा सिटी। इजराइल- फिलीस्तीन युद्धविराम समझौते के बीच हमास की बर्बरता का एक मामला सामने आया है। हमास आतंकियों ने शनिवार को इजराइल के लिए जासूसी करने के आरोप में शरणार्थी शिविर में रह रहे दो लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद भीड़ ने खून से लथपथ उनके शवों को लात मारी और उन्हें घसीटते हुए बिजली के खंभे पर लटकाने की कोशिश की। टाइम्स ऑफ इजराइल के अनुसार, तुलकेरेम शरणार्थी शिविर में मारे गए लोगों की पहचान हम्जा मुबारक (31) व आजम जुआना (29) के रूप में हुई। उन पर इजराइल को सूचनाएं उपलब्ध कराने का आरोप था। इस बीच हमास ने रविवार को बयान जारी कर कहा कि वह संघर्ष विराम को सोमवार से भी आगे जारी रखना चाहता है और इसके लिए बंधकों की रिहाई के बारे में गंभीर प्रयास करेगा। लोगों ने क्षत-विक्षत शवों को बिजली के खंभे से लटकाने का प्रयास किया। ऐसा नहीं कर पाने पर दोनों के शवों को यूएन के स्कूल की दीवारों पर फेंक दिया। रविवार को इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू गाजा में सैनिकों के बीच पहुंचे और उनका हालचाल जाना। नेतन्याहू ने अपने सैनिकों की खूब हौसलाफजाई की। संघर्ष विराम समझौते के तहत हमास बंधकों के तीसरे जत्थे को रविवार को रिहा कर दिया। मुक्त किए गए बंधकों में 14 इजराइलियों सहित 17 लोग शामिल हैं। कुछ बंधकों को इजराइल को सौंप दिया गया, जबकि अन्य मित्र के रास्ते भेजे गए। समझौते के अंतिम दिन सोमवार को चौथे जत्थे को मुक्त करने की उम्मीद है।

दुमदुमा में जंगली हाथी के हमले में बच्ची की मौत

तिनसुकिया (हिंस)। दुमदुमा में जंगली हाथी के हमले में एक बच्ची की मौत हो गई। पुलिस ने आज बताया कि यह घटना बरडूबी की चार नंबर लाइन में हुई। मृतक बच्ची की पहचान लखीप्रिया पातर (12) के रूप में की गई है। जंगली हाथियों का हमला उस समय हुआ जब, बच्ची हरिनाम संकीर्तन से घर जा रही थी। घटनास्थल पर ही बच्ची की मौत हो गई। मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

धर्मनिरपेक्षता शब्द को अब तुष्टीकरण कहा जा रहा है : पी चिदंबरम

कोलकाता। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने शनिवार को कहा कि धर्मनिरपेक्षता शब्द को अब तुष्टीकरण कहा जा रहा है। चिदंबरम ने यहां सेंट जेवियर्स विश्वविद्यालय में *लोकतंत्र का भविष्य* विषय पर एक व्याख्यान में कहा कि धर्मनिरपेक्षता शब्द की गलत व्याख्या की जा रही है। उन्होंने कहा कि तुष्टीकरण शब्द (धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा) को बदनाम करने का एक प्रयास है। उन्होंने कहा कि यदि आप हिंदू नहीं हैं, तो आप आधे नागरिक हैं। यदि आप मुसलमान हैं, तो आप नागरिक नहीं हैं। चुनाव में धर्म का जिक्र नहीं होना चाहिए। लेकिन आज चुनाव में यह काफी हद तक हो रहा है। धर्म आस्था पर आधारित होना चाहिए। चिदंबरम ने कहा कि एक राजनीतिक दल लगातार हिंदुओं के अलावा किसी अन्य को उम्मीदवार बनाने से इन्कार करता आ रहा है और इसकी मूल संरचना अखंड भारत, हिंदू राष्ट्र लगती है। धर्म ही निर्णायक कारक नजर आता है। उन्होंने कहा कि देश केंद्रीकरण की ओर बढ़ रहा है जो लोकतंत्र के विपरीत है। हम लोकतंत्र को बढ़ावा देने वाले संस्थानों को कमजोर कर रहे हैं। चिदंबरम ने कहा कि किसी भी आरक्षण के लाभ के संदर्भ में कोई निर्णय लेने से पहले जातिवार सर्वेक्षण जरूरी है और इसे केंद्र सरकार को जनगणना के साथ कराना चाहिए। भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने जनगणना नहीं कराई है जो 2021 में होनी चाहिए थी, वह 2024 के आम चुनाव के बाद तक इसे टाल सकती है। उनका यह बयान बिहार सरकार द्वारा जातिवार सर्वेक्षण कराने और वंचित वर्गों के लिए 65 प्रतिशत आरक्षण की सिफारिश करने के कुछ दिनों बाद आया है।

पृष्ठ एक का शेष

पिछली शताब्दी के ...

वर्षों से भी प्राचीन है दुनिया में ऐसा कोई देश नहीं है जिसकी सभ्यता इतनी प्राचीन और समृद्ध हो जितना कि हमारे देश की। उन्होंने कहा कि आज के दिन की खासियत देखिए श्रीमद् राजचंद्र जी की जयंती, कार्तिक पूर्णिमा और प्रकाश पर्व इन तीनों का एक दिन पर मिलन हमारी सांस्कृतिक गहराई को इंगित करता है। उपराष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए गए स्वच्छता अभियान और महिलाओं को प्रदान किए गए आरक्षण का जिक्र करते हुए कहा यदि आज राजचंद्र जी और महात्मा गांधी जी साक्षात रूप में उपस्थित होते तो वे भी इन कार्यक्रमों की सराहना करते। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण से समाज में सकारात्मक परिवर्तन आएगा उन्हें उनका अधिकार मिलेगा। धनखड़ ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने एक बहुत महान काम किया है अमृत काल में उन सब लोगों को ढूंढ निकला है जिन लोगों ने देश की आजादी के लिए त्याग और बलिदान किया। भारत की दुनिया में आज एक अलग पहचान है, भारत 140 करोड़ की जनसंख्या वाला एक प्रतिभाशाली देश है। धनखड़ ने कहा जो लोकतंत्र का मंदिर डिबेट, चर्चा और विचार विमर्श की परंपराओं से फलने-फूलने चाहिए वहां शोर-शराबा और व्यवधान होता है। राष्ट्रपति ने संविधान सभा का जिक्र करते हुए कहा कि जब संविधान का निर्माण हुआ संविधान सभा में तीन साल तक बहस चली, चर्चा हुई वहां बहुत से विभाजनकारी मुद्दे थे लेकिन किसी भी प्रकार का शोर-शराबा नहीं हुआ, हंगामा नहीं हुआ, कोई वेल में नहीं आया, किसी ने प्लेकार्ड नहीं दिखाए। आज भारत दुनिया में तेज गति से आगे बढ़ रहा है, वैश्विक अर्थव्यवस्था में पांचवां स्थान प्राप्त किया है, भारत ने यूके और फ्रांस को पीछे छोड़ दिया है और वर्ष 2030 तक जापान और जर्मनी को भी पीछे छोड़ देगा। इस अवसर पर महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस, महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, श्रीमद राजचंद्र मिशन धरमपुर के प्रमुख गुरुदेव राकेश, मिशन के उपाध्यक्ष आत्मर्पित नेमीजी, महाराष्ट्र के पुलिस कमिश्नर एवं अन्य कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मणिपुर में कुकी...

दी थी। इस आर्थिक नाकेबंदी के कारण इलाके में जरूरी सामान की आपूर्ति भी बाधित हो गई थी। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन.बीरेन सिंह ने कहा कि उनकी सरकार इंफाल घाटी के एक उग्रवादी समूह के साथ वार्ता कर रही है और जल्द ही एक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। सिंह ने कहा कि वार्ता अग्रिम चरण में है हालांकि उन्होंने भूमिगत संगठन का नाम नहीं लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम आगे बढ़ रहे हैं और बहुत जल्द एक बड़े भूमिगत संगठन के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने की उम्मीद है। राज्य में तीन मई को जातीय हिंसा भड़कने के बाद यह पहली बार है जब सरकार की ओर से इस तरह की वार्ता को लेकर आधिकारिक पुष्टि की गई है। इससे पहले सूत्रों ने कहा था कि सरकार प्रतिबंधित संगठन यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ) के एक धड़े के साथ वार्ता कर रही है। अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में तीन मई को आयोजित आदिवासी एकजुटता मार्च के बाद भड़की हिंसा में अब तक 180 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। मणिपुर की आबादी में मेइती लोगों की संख्या लगभग 53 प्रतिशत है और वे ज्यादातर इंफाल घाटी में रहते हैं, जबकि आदिवासी, जिनमें नगा और कुकी शामिल हैं, 40 प्रतिशत हैं और मुख्य रूप से पहाड़ी जिलों में रहते हैं।

यदि पेट्रोल की ...

का दर्शन करें। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो रहा है। जनवरी से इसे दर्शन के लिए खोल दिया जाएगा। यदि भाजपा की सरकार तेलंगाना में बनी तो सभी लोगों को सरकारी खर्च पर राम मंदिर का दर्शन करवाने के लिए अयोध्या ले जाया जाएगा। ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री ने आज तेलंगाना में चार चुनावी सभाओं को संबोधित किया। इन सभाओं में भारी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ती देखी गई।

सीएए को लेकर ...

अचानक 2024 में जागी है। मेमन ने कहा है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में सरकार को कुछ नए हथकंडों की जरूरत है क्योंकि भारतीय जनता पार्टी को इस बात का अंदेशा है की वो सत्ता से शायद हटा दी जाए। इस कारण से इस किस्म के हथकंडे इस्तेमाल किए जा रहे हैं सीएए 11 दिसंबर 2019 को संसद से पारित हुआ था। सीएए में भारत सरकार ने यह प्रावधान किया है कि अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाईयों को भारत की नागरिकता दी जाएगी। हालांकि, ये वही लोग होंगे जिन्होंने 31 दिसंबर 2014 को या उससे पहले भारत में एंट्री ली थी। हालांकि, इस पर देश के कई हिस्सों में विरोध प्रदर्शन होने लगा था। पूर्वोत्तर के लोगों को इस बात पर ऐतराज था कि इससे उनके इलाकों में अवैध प्रवासियों की संख्या बढ़ जाएगी। हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी ने प्रदर्शनों के दौरान ही ये कहा था कि उनकी सरकार ने नागरिकता कानून में जो बदलाव किया है, वह पूरी तरह ठीक है। प्रदर्शनकारियों से अपील करते हुए पीएम ने कहा था कि वह विपक्ष के बहकावे में न आए जबकि विपक्ष कहता रहा है कि सरकार ने सीएए पर बातें बड़ी-बड़ी की लेकिन किया कुछ भी नहीं।

विपक्षी दल कार्यान्वयन ...

रविवार को पश्चिम बंगाल में मटुआ समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि सीएए लागू करने की प्रक्रिया में तेजी आ गई है और अंतिम मसौदा मार्च तक तैयार होने की उम्मीद है। उत्तर प्रदेश से भाजपा सांसद ने कहा कि बांग्लादेश में धार्मिक उत्पीड़न के कारण भागकर आए मतुआओं से कोई भी नागरिकता का अधिकार नहीं छीन सकता। कांग्रेस सांसद अब्दुल खालिक ने कहा कि केंद्र को वहां रहने वाले हिंदुओं की सुरक्षा के लिए बांग्लादेश पर दबाव बनाना चाहिए ताकि वे किसी भी धार्मिक उत्पीड़न के कारण भारत में प्रवेश न करें। भारत बांग्लादेश को खुले हाथों से सहायता प्रदान करता है लेकिन वह हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उनकी सरकार पर दबाव नहीं डाल सकता है। बल्कि, हमारी भाजपा सरकार धार्मिक उत्पीड़न के बहाने हिंदुओं को यहां लाने की कोशिश कर रही है कि उन्होंने कहा। बारपेटा लोकसभा सांसद ने आरोप लगाया कि भाजपा, जो हिंदुओं के हितों का समर्थन करने का दावा करती है, सीएए के माध्यम से बांग्लादेश में प्रसिद्ध ढाकेश्वरी मंदिर को बंद करने का लक्ष्य बना रही है। खलीक ने कहा कि यदि सांप्रदायिक अत्याचार के बहाने सभी हिंदुओं को भारत लाया जाएगा, तो वहां मंदिर में दीपक जलाने के लिए भी कौन बचेगा? असम विधानसभा में विपक्ष के नेता देबब्रत सैकिया ने कहा कि कांग्रेस सीएए का विरोध करेगी क्योंकि यह असम समझौते के प्रावधानों के खिलाफ है। उन्होंने जोर देकर कहा कि असम समझौते ने राज्य में अवैध विदेशियों की पहचान करने की तारीख 25 मार्च, 1971 तय की है। हम ऐसे किसी भी कानून को स्वीकार नहीं करेंगे जो इसके खिलाफ जाता हो। असम जातीय परिषद (एजेपी) के प्रमुख लुरिनज्योति गोगोई ने कहा कि राज्य के लोग सीएए जैसे *असंवैधानिक* कानून को बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि लोग ऐसे असंवैधानिक कानून को कभी भी बर्दाश्त नहीं करेंगे, जो हमारे देश की धर्मनिरपेक्षता के मूल तत्व के खिलाफ है। गोगोई ने कहा कि असम विदेशियों का कोई अतिरिक्त बोझ उठाने के लिए तैयार नहीं है, और उन्होंने प्रधान मंत्री से देश में प्रवेश करने वाले हिंदुओं को अपने गृह राज्य गुजरात में पुनर्वास करने के लिए कहा। हालांकि, भाजपा विधायक जीतू गोस्वामी ने इस बात पर जोर दिया कि भगवा पार्टी अपनी घोषणाओं को पूरा करने के लिए जानी जाती है, चाहे वह कल्याणकारी योजनाएं हों या अन्य मुद्दे। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा अपनी बात रखती है। चाहे वह अयोध्या में राम मंदिर पर हमारा आश्वासन हो या आयुष्मान भारत योजना या सीएए कि। सीएए का उद्देश्य बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से 31 दिसंबर 2014 को या उससे पहले भारत में प्रवेश करने वाले हिंदुओं, जैनियों, ईसाइयों, सिखों, बौद्धों और पारसियों को यहां पांच साल रहने के बाद भारतीय नागरिकता प्रदान करना है। इसे संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित किया गया और दिसंबर 2019 में राष्ट्रपति की सहमति दी गई, हालांकि नियमों को अभी तक अधिसूचित नहीं किया गया है।

पुलिस एनकाउंटर में...

मोदाही (एक प्रसिद्ध भू मफिया) के विरुद्ध बीती रात पुलिस ने अभियान चलाया। पुलिस एनकाउंटर में मोदाही गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके दाहिने पैर में गोली लगी है। घटना बीती रात की है जब अपराध शाखा और वशिष्ठ थाना की एक संयुक्त टीम पकड़े गए व्यक्तियों के नेतृत्व में अन्य आरोपितों की तलाश में तलाशी अभियान चला रही थी। घायल व्यक्ति को जीएमसीएच में भर्ती कराया गया है और वह पुलिस की निगरानी में है। पुलिस पहले से दर्ज प्राथमिक्की के आधार पर मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। उधर बोरा ने कहा कि इस गिरोह में सरकारी अधिकारी, व्यक्ति और अन्य लोग शामिल हैं। पुलिस ने इस गिरोह के पास से स्टांप पेपर और आधिकारिक मुहर जैसे दस्तावेजों के बंडल जब्त किए। उन्होंने बताया कि जमीन हड़पने वाले के नेतृत्व में वशिष्ठ मंदिर के पास तलाशी के दौरान उसने पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश की। उसी समय सुरक्षा दल ने उसके पैर को निशाना बनाकर एक राउंड गोली चलाई। बोरा ने कहा कि आरोपी व्यक्ति के दाहिने पैर में गोली लगी है और उसे इलाज के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

त्रिपुरा : बाजार की ...

कि प्रभावित दुकानों में 130 सब्जी विक्रेता थे। जबकि, पांच पोल्ट्री की दुकानें, पांच थोक दुकानें थीं और 15 किराने की दुकानें थीं। अनुमानित नुकसान 2 करोड़ रुपए से अधिक होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री प्रोफेसर डॉ माणिक साहा और अगरतला नगर निगम के महापौर दीपक मजूमदार ने आज सुबह घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने सरकार द्वारा हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

होलसेल मार्केट को ...

और जू रोड फ्लाईओवर बन जाने के बाद अब सबसे बड़े फ्लाईओवर एफसीआई से हैंडिक कॉलेज तक का निर्माण का कार्य शुरू होने वाला है। उन्होंने कहा कि फिर भी यदि गुवाहाटी में ट्रैफिक जाम की समस्या का समाधान नहीं होता है तो होलसेल मार्केट को यहां से स्थानांतरित करना ही पड़ेगा। मंत्री सिंघल ने आज राजधानी के पलटन बाजार स्थित महामाया मंदिर प्रांगण में नवनिर्मित हनुमान मंदिर का उद्घाटन करने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि आज हनुमान मंदिर का उद्घाटन करके वे स्वयं को धन्य मानते हैं। उन्होंने सभी को कुशल रखने एवं एकजुट बनाए रखने के लिए हनुमान जी से प्रार्थना की है।

डॉक्टर के लालच...

मीना और रिसेप्शनिस्ट रिजमा खान को इस महीने की शुरुआत में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने पिछले महीने लिंग-निर्धारण और कन्या भ्रूण हत्या रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए दो आरोपियों - शिवालिंगे गौड़ा और नयन कुमार को मैसूरु के पास मांड्या के जिला मुख्यालय शहर में गिरफ्तार किया था। यह गिरफ्तारी तब की गई जब वे एक गर्भवती महिला को कार में गर्भपात के लिए ले जा रहे थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने पूछताछ के दौरान कहा कि आरोपी-जोड़ी ने मांड्या में एक इकाई का खुलासा किया जिसका इस्तेमाल अल्ट्रासाउंड स्कैन केंद्र के रूप में किया जाता था। केंद्र के बारे में पता चलने के बाद पुलिस टीम ने स्कैन मशीन जब्त कर ली थी जिसके पास वैध प्राधिकरण या अन्य आधिकारिक दस्तावेज नहीं थे। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि पिछले तीन वर्षों में आरोपी डॉक्टर अपने साथियों के साथ मैसूरु अस्पताल में लगभग 900 अवैध गर्भपात करने में कामयाब रहा और प्रत्येक गर्भपात के लिए लगभग 30,000 रुपए वसूल किए। उन्होंने कहा कि रैकेट से जुड़े अन्य संदिग्धों को पकड़ने के लिए आगे की जांच जारी है।

दुनिया का 8वां ...

मूल रूप से भगवान विष्णु को समर्पित है, जिसकी दिवारों पर विभिन्न हिंदू ग्रंथों में उल्लेखित विभिन्न प्रसंगों का विस्तार से चित्रण किया गया है। यह मंदिर करीब 500 एकड़ के क्षेत्र में फैला हुआ है। अंकोरवाट मंदिर का निर्माण 12वीं शताब्दी में राजा सूर्यवर्मन द्वितीय के शासनकाल में किया गया था। मूल रूप से यह मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है, लेकिन समय के साथ-साथ यह हिंदू मंदिर, एक बौद्ध मंदिर में परिवर्तित हो चुका है। मंदिर का हिंदू धर्म से बौद्ध धर्म में परिवर्तित होने का इसकी दिवारों की जटिल नक्काशियों में स्पष्ट दिखाई देता है, जहां हिंदू धर्म की पौराणिक कथाओं के साथ-साथ बौद्ध धर्म से जुड़ी कथाओं के दृश्यों को भी दर्शाया गया है। अंकोरवाट मंदिर को अपनी शानदार वास्तुकला की वजह से ही दुनिया का 8वां अजूबा कहा गया है। 500 एकड़ के क्षेत्र में फैला यह मंदिर चारों तरफ से बेहद मजबूज चहारदीवारी से घिरा हुआ है। मंदिर के केंद्रीय परिसर में कमल के आकार के 5 गुंबद बने हुए हैं, जो माउंट मेरु का प्रतिनिधित्व करते हैं। मंदिर के दिवारों की सज्जा काफी जटिल है, जिसमें खमेर शास्त्रिय शैली का प्रभाव दिखता है।

भारत हिंदू राष्ट्र ...

शांति के पक्ष में खड़े रहे। एक संदर्भ का जिक्र करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि एक बार जब प्रणब मुखर्जी राष्ट्रपति के पद पर थे तो वह उनसे मिलने गए। उन्होंने सेकुलरिज्म पर उनके साथ चर्चा की। मोहन भागवत ने कहा कि डॉक्टर प्रणब मुखर्जी ने सेकुलरिज्म के बारे में बताया कि हिंदुस्तान बेशक 1947 में आजाद हो गया हो, गणतंत्र 1950 में मिला हो, लेकिन दुनिया हमें सेकुलरिज्म नहीं सिखा सकती क्योंकि हमारा सेकुलरिज्म तो 5000 साल पुराना है। मोहन भागवत ने कहा कि भारतीय समाज की यदि बात करें तो अतीत काल से यहां कई तरह के लोग रहते हैं और यह लोग कभी एक-दूसरे से झगड़ते नहीं रहे। हम एक समाज हैं, एक राष्ट्र हैं। हमारे समाज में एक-दूसरे से झगड़ा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक तंत्र में कुछ परेशानियां हो सकती हैं, लेकिन हमारा जो प्रशासनिक तंत्र है वह कई जगह बढ़िया काम भी कर रहा है इसलिए तंत्र में भारत में स्व के आधार पर दोबारा रचना की आवश्यकता है। मोहन भागवत ने कहा कि दुनिया आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर काम कर रही है। कई टेक्नोलॉजी ऐसी हैं जो हमारे देश में हैं और युवा उस तकनीक पर बहुत ही बढ़िया काम कर रहे हैं, लेकिन जिस तकनीक पर हमारा वश नहीं है उसे जानने और समझने की जरूरत है। उन्होंने कहा की काम को मारने की तकनीक, रोजगार को खत्म करने की तकनीक हमें नहीं चाहिए। जो तकनीक अभी फिलहाल भारत में है उसे युवा अनुकूल बनाएं और उसपर ज्यादा काम करने की जरूरत है ताकि हमारे देश का ज्यादा से ज्यादा तकनीकी विकास हो सके। मोहन भागवत ने कहा कि जो हमारा धर्म है वह बहुत पुराना है और समाज को यह सोचना पड़ेगा कि प्राचीन धर्म को लेकर वर्तमान स्थिति में कौन-कौन सी चीजें हैं जो योग अनुकूल है। मसलन यदि कोई चीज दकियानूसी है तो उसे हमें छोड़ना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यदि समाज में दकियानूसी बातें चल रही हैं तो उसे बदलने की जरूरत है। मोहन भागवत ने कहा कि एक जमाना था जब हमारी देसी दवा को लोग जादू टोना मानते थे। कोरोना के समय दादी मां के काढ़ा ने बता दिया कि आयुर्वेद में कितनी शक्ति है। अब तो हालत यह है कि दुनिया भी आयुर्वेद को मानने लगी है और योग को अपने जीवन में उतर रही है। इतना ही नहीं, दुनिया भी अब योग दिवस मना रही है उन्होंने कहा कि स्व आधारित भारत की चर्चा अब चल चुकी है। पहले तो इसकी चर्चा भी नहीं होती थी। स्व आधारित चीजों को समझने की जरूरत है। पहचान की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हमने अपने बलबूते चीन से लड़ाई लड़ी, कश्मीर के पंडितों ने भी अपनी लड़ाई लड़ी है इसलिए भारत को अपने स्वाधारित विकास को समझना ही पड़ेगा।

बीस लाख से ...

पूर्णिमा होने के कारण उदया तिथि सोमवार को थी। ऐसे में सोमवार को लगभग 15 लाख श्रद्धालु सरयू नदी के घाटों पर स्नान करने पहुंचे। लोगों ने सरयू घाट पर पूजन भी किया। वैसे तो सरयू स्नान का शुभ मुहूर्त दोपहर 03.36 बजे तक ही माना गया था किन्तु दूर दराज से आने वाले श्रद्धालु देर शाम तक सरजू नदी में स्नान करते रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन पर जिला प्रशासन ने मेला सुरक्षा के दृष्टिकोण को लेकर मेला क्षेत्र को तीन जोन और 15 सेक्टर में बांटा था। श्रद्धालुओं के सुविधा के लिए स्नान घाटों पर पुलिस, एसडीआरएफ और बाढ़ राहत के जवान तैनात किए गए। आईजी अयोध्या जोन प्रवीण कुमार ने बताया कि कार्तिक पूर्णिमा स्नान पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर घाटों, प्रमुख मंदिरों एवं संवेदनशील स्थानों पर पीएसी, आरएएफ व सिविल पुलिस को लगाया गया। अयोध्या में कल्पवास करने वालों के लिए सोमवार का दिन काफी महत्वपूर्ण रहा। आज कल्प वास करने वालों का अनुष्ठान पूरा हुआ। परिक्रमा में आए श्रद्धालु स्नान, दर्शन व पूजन के बाद सोमवार को वापसी प्रारंभ हो गई।

आकाशीय बिजली गिरने ...

को अचानक मौसम में भारी बदलाव आया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आइएमडी) ने 27 नवंबर को भी बारिश और ओलावृष्टि की संभावना जताई है। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, गुजरात के 251 तालुकाओं में से 220 में रविवार सुबह छह बजे से शाम चार बजे तक 50 मिलीमीटर तक बारिश हुई, जिससे सामान्य जीवन अस्त-व्यस्त हो गया और फसलों को नुकसान हुआ। बारिश के चलते दृश्यता भी कम रही। इससे आवागमन भी प्रभावित हुआ। गिर सोमनाथ जिले के तलाला में सबसे अधिक 50 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा सौराष्ट्र के अन्य क्षेत्रों जैसे जूनागढ़ के वंथली में 43 मिमी, सुरेंद्रनगर के दसाडा में 36 मिमी बारिश दर्ज की गई। अधिकारियों ने बताया कि सौराष्ट्र क्षेत्र के मोरबी जिले में फैक्ट्रियां बंद किए जाने से सिरेमिक उद्योग भी प्रभावित हुआ। उधर, तमिलनाडु के कांचीपुरम जिले के कुछ हिस्सों में भी रविवार को भारी बारिश हुई। मौसम विभाग द्वारा तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में बारिश और तूफान की चेतावनी पहले ही जारी कर दी गई थी। आइएमडी ने महाराष्ट्र में भी अगले कुछ घंटों के दौरान कई जगह भारी बारिश के साथ तूफान की भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग के अनुसार पालघर, धुले और नंदुरबार जिलों में भारी बारिश होने के आसार हैं।

स्वयंसेवी संगठनों को 1.10 लाख रुपए देगी सरकार : मंत्री पीयूष

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य के सूचना जनसंपर्क, जल संसाधन आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने घोषणा की है कि राज्य सरकार सभी स्वयंसेवी गुटों (एसएचजी) को एक लाख 10 हजार रुपए की वित्तीय सहायता देगी। मंत्री हजारिका ने नवगठित 48 नंबर टंगला विधानसभा क्षेत्र के कलिंगदुवार में भारतीय जनता पार्टी की एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए दावा किया कि बीटीआर में भाजपा का संगठन पहले से अधिक मजबूत हो गया है। यहां भाजपा पर लोगों का आशीर्वाद बढ़ गया है। मंत्री ने कहा कि आज की बैठक में सात से आठ हजार लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और भाजपा के प्रति प्रेम और विश्वास व्यक्त करने आए हैं। मंत्री ने कहा कि और 35 हजार बेरोजगार युवाओं को वादे से आगे बढ़कर सरकारी नौकरियां

मिलेंगी। मंत्री ने कहा कि कांग्रेस मुक्त असम में भाजपा सरकार के तहत, केवल मेधावी गांवों और कस्बों के युवाओं को सरकारी नौकरियां मिली। असम में लाखों अरुणोदय योजना धारकों से सार्वजनिक रूप से वादा किया गया है कि योजना का पैसा जल्द ही बढ़ाकर 1450 रुपए कर दिया जाएगा। मंत्री ने यह भी कहा कि जैसा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने वादा किया था, इस योजना के दायरे में 6 लाख नई महिलाओं को लाया जाएगा। मंत्री हजारिका ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने चुनाव में जो वादे किए थे, वे अक्षरश: जनता के लिए किए गये थे। मंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने 70 लाख परिवारों को मुफ्त चावल उपलब्ध कराया है। मंत्री ने कहा कि सरकार ने चुनाव में एक अन्य वादे के अनुसार महिलाओं के माइक्रोफाइनेंस के ऋण माफी के लिए बैंकों को लगभग दो हजार एक सौ करोड़ रुपए वापस कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 70 वर्षों के कांग्रेस शासन के दौरान, असम में केवल छह मेडिकल कॉलेज थे। लेकिन, भाजपा शासन के दौरान असम में मेडिकल कॉलेज बढ़कर 12 हो गए हैं। मंत्री ने कहा कि अब भी राज्य में 12 और मेडिकल कॉलेजों का काम जोरों पर चल रहा है। भाजपा सरकार प्रदेश में हर साल तीन हजार डॉक्टर निकालने का माहौल बनाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के प्रयासों से असम में एमएसपी प्रणाली शुरू की गई है। परिणामस्वरूप, राज्य के किसानों को धान की सबसे अच्छी कीमत मिल रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का सपना असम को देश के शीर्ष पांच राज्यों में ले जाना है। बीटीआर में बाढ़ के पानी से मुक्ति के लिए 18 करोड़ रुपए रखे गए हैं। मंत्री ने कहा कि बाढ़ नियंत्रण के लिए हर साल 120 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। पिछले दो वर्षों में, भाजपा सरकार द्वारा 11 हजार किलोमीटर लंबी तटबंध सड़कों का निर्माण किया गया है। बीटीआर समझौता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के दौरान संपन्न हुआ। मंत्री ने एक साथ आने और एक सर्वांगीण बीटीआर बनाने का वादा किया।

मणिपुर पुलिस ने 225 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों में कानून उल्लंघन के सिलसिले में 225 लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ एनएच -37 पर 370 पर वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है।

कामाकाजी में लगी भयावह आग, लाखों का नुकसान

गुवाहाटी (हिंस)। शहर के लग्जरी रेस्टोरेंट कामाकाजी में लगी भयावह आग में लाखों की संपत्ति जलकर राख हो गई। पुलिस ने बताया कि ब्रह्मपुत्र नद के ऊपर तैरते इस बार सह रेस्टोरेंट *कामकाजी* में आग बीती देर रात उस समय लगी जब यह ब्रह्मपुत्र नद में तैर रहा था। आग लगने के समय इसमें काफी लोग मौजूद थे। हालांकि, किसी के इसमें हताहत होने की सूचना नहीं है। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

गेरुकामुख के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे केंद्रीय ऊर्जा मंत्री

गुवाहाटी (हिंस)। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री राजकुमार सिंह ने उत्तरी असम के गेरुकामुख में नामनी सुबनसिरी जलविद्युत परियोजना के परिसर में आज पहुंचे। इस दौरान मंत्री ने हाल ही में क्षतिग्रस्त हुए इस परियोजना की समीक्षा की। एनएचपीसी के अधिकारियों ने केंद्रीय मंत्री के आगमन पर मंत्री सिंह का गर्मजोशी से स्वागत किया। परियोजना के अतिथिगृह में मौजूद मंत्री मंगलवार को एनएचपीसी के अधिकारियों के साथ बिजली घरों, मुख्य बांधों के साथ-साथ पहाड़ियों के हुए स्खलन का दौरा करके स्थिति का जायजा लेंगे। मंत्री सिंह सोमवार की रात एनएचपीसी गेस्ट हाउस में बिताएंगे और मंगलवार को परियोजना का दौरा करेंगे। वे शाम को वापस दिल्ली के लिए उड़ान भरेंगे। उल्लेखनीय है कि 27 अक्तूबर को परियोजना के एकमात्र चालू हिस्से पहले डायवर्सन सुरंग के सामने का एक बड़ा हिस्सा भूस्खलन के कारण बंद और ठप हो गया था।

रंगिया में 10 दिवसीय व्यापक कार्यक्रमों के साथ दीप्तेश्वरी आंचलिक रास महोत्सव का शुभारंभ

रंगिया (विभास)। कामरूप जिले के रंगिया क्षेत्र के अंतर्गत दीप्तेश्वरी में परंपरागत रुप से बड़े ही हर्षोल्लास के साथ 10 दिवशीय विस्तृत धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ 48वां रास महोत्सव रविवार को व्यापक धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ शुरू हो गया है यह महोत्सव आगामी 5 दिसंबर तक चलेगा। दीप्तेश्वरी आंचलिक रास हरि मंदिर कमिटी के अध्यक्ष नृपेन चन्द्रनाथ द्वारा सुबह 10 बजे धार्मिक ध्वजारोहण के साथ इसका शुभारंभ किया किया गया। साथ ही आयोजन समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष विद्याधर कलिता और मंदिर समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष निरंजन डेका द्वारा स्मृति तर्पण तथा इसके पश्चात क्रमश: पूब रंगिया हाई स्कूल के प्रधान शिक्षक आनोवार हुसैन, मानबेन्द्र शर्मा एम ई स्कूल के प्रधान शिक्षक उरेन चन्द्रनाथ, बैद्यगढ़ गांव पंचायत के के अध्यक्ष दुलु भुइयां, बरदल मध्य अंग्रेजी विधालय के अवसरप्राप्त शिक्षक महेश्वर राजबंशी, बरदल गांव पंचायत की अध्यक्षा रेकीबा बेगम ने पौधरोपण किया तथा इसके बाद सुबह 10.45 बजे रंगिया आंचलिक पंचायत की अध्यक्षा शिप्रा दास, सेप्ती नकुल गांव पंचायत की अध्यक्षा नवरूपा दास और सेप्ती नकुल गांव पंचायत की की आंचलिक सदस्या ललिता देवी द्वारा पानी तोलन व शोभायात्रा का उद्घाटन किया गया। इस मौके पर विशिष्ठ समाजसेवीका पारुल भराली मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही। इसके अलावा अस्थायी कार्यालय का उद्घाटन, भागवत पाठ, हरि मंदिर विग्रह की स्थापना के साथ संध्या 5.15 बजे नव निर्मित हरि मंदिर के द्वार का उद्घाटन रंगिया के विधायक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता द्वारा किया गया। वहीं संध्या 5.30 बजे पूजा प्रारंभ करने के बाद संध्या 5.45 बजे नव निर्मित मुख्य कार्यालय का उद्घाटन और रास महोत्सव के मुख्य द्वार का उद्घाटन किया गया। इसके पश्चात क्रमश: आतिशबाजी प्रदर्शन, हरि मंदिर प्रांगण में दीप प्रज्ज्वलन, प्रदर्शनी द्वार का उद्घाटन, प्रदर्शनी मंडप में दीप प्रज्ज्वलन, वाणिज्यिक क्षेत्र के द्वार का उद्घाटन और 7.30 बजे उद्घाटन सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम के अंतर्गत रात्रि 8 बजे गरका के जानेमाने नागरा नाम पाठक प्रभात

बोको के रंगापानी में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ विधायक रेकीबुद्दीन अहमद

नगरबेड़ा (विभास)। अन्य क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए हमें संकटग्रस्त बोको निर्वाचन क्षेत्र के तहत आने वाले विभिन्न क्षेत्रों की सड़कों, स्वास्थ्य शिक्षा और संस्थानों को विकास के क्षेत्र में आगे ले जाना है। कल रात करीब दो बजे छायगांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक रेकीबुद्दीन अहमद ने बाको विधानसभा क्षेत्र के रंगापानी में आयोजित एक कार्यक्रम में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ करीब 40 दोपहिया और चार पहिया वाहनों के साथ दलों के कार्यकर्ताओं उपस्थित रहकर यह भाषण दिया। रंगपानी क्षेत्रीय क्रिकेट संघ की पहल पर इस्माइल हुसैन उच्च विद्यालय परिसर में आयोजित डे-नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल के अवसर पर खेल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सागर अली की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में विधायक रेकीबुद्दीन अहमद ने अपने विचार रखे। मैं जीवन भर कांग्रेस के झंडे के साथ लोगों के उत्थान के लिए आवाज उठाता रहूंगा। उन्होंने कहा कि भले ही हमारी पार्टी में कोई

समान न हो, लेकिन क्षेत्रों के विकास के हित में हम सभी को जाति और पंथ से ऊपर उठकर सद्भाव के साथ आगे बढ़ना चाहिए। विधायक रेकीबुद्दीन अहमद ने उम्मीद जताई कि हम सबको साथ लेकर सुंदर असम के साथ-साथ सुंदर दक्षिण कामरूप की योजना बना सकते हैं, विधायक रेकीबुद्दीन अहमद ने कहा कि जीवन की अंतिम सांस तक हम लोगों के उत्थान के लिए काम करते रहेंगे। विधायक ने क्षेत्र के सभी प्रतिभाशाली युवाओं को हार्दिक बधाई देते हुए सभी से शिक्षा के क्षेत्र में महत्व देने का आग्रह किया। विधायक अहमद ने आगे कहा कि पहले से ही मध्य प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, राजस्थान आदि जिन राज्यों में चुनाव हुआ हैं कांग्रेस ज्यादातर राज्यों में सरकार बनाने में कामयाब होगी। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले दिनों में इंडिया को एकल बहुमत वाली सीटें मिलेंगी और बहुत कम समय में कांग्रेस नेता राहुल गांधी देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। सभा में इस मौके पर गोरईमारी क्षेत्रीय पंचायत अध्यक्ष लोकमन हुसैन, गोरईमारी प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष नुरूल इस्लाम, कांग्रेस पार्टी के अल्पसंख्यक विभाग के कामरूप जिला अध्यक्ष बहारुल इस्लाम, सामरिया प्रखंड अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष इमदादुल हक, खेल प्रबंधन समिति के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

रास व छठ पूजा की महिमा गुणगान से भक्तिमय हो गई वरिष्ठ नागरिक काव्य गोष्ठी मंच की असम इकाई

विश्वनाथ (विभास)। वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच, असम इकाई की मासिक काव्य गोष्ठी ऑनलाइन माध्यम गूगल मीट के द्वारा कल संपन्न हुई। वनकाम के हरियाणा इकाई के अध्यक्ष, केंद्रीय सिविल सेवा अधिकारी व वरिष्ठ लेखक सुजीत कुमार कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ठ अतिथि के रूप में आदरणीय मालविका राय मेधि (महिला काव्य मंच, असम इकाई की उपाध्यक्ष व वरिष्ठ कवयित्री व लेखिका) कार्यक्रम में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन एवं अध्यक्षता वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच, असम इकाई की अध्यक्षा आभा कुमारी चौधरी ने किया। वनकाम, असम इकाई की सचिव आदरणीया हेमलता गोलछा ने बड़ी ही मनमोहक सरस्वती वंदना कर मंच के कार्यक्रम का आगाज किया। तत्पश्चात आभा कुमारी चौधरी ने मुख्य अतिथि का और आदरणीय हेमलता गोलछा जी ने विशिष्ठ अतिथि का परिचय अराम के सामने रखा। तत्पश्चात काव्य गोष्ठी आरंभ हुई। कार्यक्रम में असम, मेघालय, मणिपुर, सिक्किम, त्रिपुरा आदि भारत के अनेक राज्यों के गणमान्य कविगणों ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुति देकर मंच को सुशोभित किया। मुख्य अतिथि सुजीत कुमार के आशीर्वचन ने सबको प्रेरणात्मक संदेश दिया। विशिष्ठ अतिथि श्रीमती

मालविका राय मेधि ने भी मंच पर काव्य प्रस्तुति देकर काव्यगोष्ठी में चार चांद लगा दिए। आज की काव्यगोष्ठी में अपना योगदान देने वाले कवियों में श्रीमती गौतमी रॉय, मनीषा पाल, हेमलता गोलछा, संतोष कुमार महतो किशोर जैन, रोहित लामगादे, रोशन दियाली, विनय कुमार बुद्ध, ममता गिनोडिया, सौमित्र, डॉ. गोमा अधिकारी, आभा कुमारी चौधरी आदि प्रमुख थे। कार्यक्रम के अंत में मंच की संचालिका तथा अध्यक्षा आभा कुमारी चौधरी ने अपनी काव्य प्रस्तुति दी। उसकी उपरांत सभी का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

अगरतला और सिकंदराबाद स्पेशल ट्रेन की आवधिकता बढ़ी

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अगरतला और सिकंदराबाद के बीच दोनों दिशाओं में स्पेशल ट्रेन की सेवा जारी रखने का निर्णय लिया है। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची दे ने आज बताया कि यह स्पेशल ट्रेन अपनी सेवा के मौजूदा दिनों, समय-सारणी, ठहराव और संयोजन के अनुसार चलेगी। 4 दिसंबर से 29 जनवरी तक प्रत्येक सोमवार को स्पेशल ट्रेन संख्या 07030 (सिकंदराबाद - अगरतला) की सेवाएं जारी रहेगी। यह ट्रेन सिकंदराबाद से प्रत्येक सोमवार को 16:35 बजे रवाना होकर गुरुवार को 03:10 बजे अगरतला पहुंचेगी। इसी प्रकार, 8 दिसंबर से 2 फरवरी तक प्रत्येक शुक्रवार को स्पेशल ट्रेन संख्या 07029 (अगरतला - सिकंदराबाद) की सेवाएं बढ़ायी जाएगी। यह ट्रेन प्रति शुक्रवार को अगरतला से 06:20 बजे रवाना होकर रविवार को 16:15 बजे सिकंदराबाद पहुंचेगी।

सड़क सुरक्षा सप्ताह जागरूकता पर मंत्री ने बाइक रैली को दिखाई हरी झंडी

रंगिया (विभास)। सड़क सुरक्षा सप्ताह के अवसर पर तथा सड़क सुरक्षा के बारे में लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से असम सरकार के परिवहन मंत्री परिमल शुक्ल बैद्य द्वारा राज्यव्यापी बाईक रैली शुरू की गई है। जिसमें मंत्री शुक्ल सक्रिय रूप से भाग लेते हुए लोगों को सड़क यातायात के नियमों के बारे में बताकर जागरूकता का संदेश दे रहे है। यह व्यापक यात्रा राज्य के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से होकर सोमवार को रंगिया पहुंची जहां रंगिया के विधायक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता और स्थानीय लोगों सहित पार्टी कार्यकर्ताओं और मोटर्स यूनियनों द्वारा मंत्री शुक्ल बैद्य द्वारा उठाए गए जागरूकता के इस महान प्रयास के लिए उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। साथ ही इस मौके पर रंगिया गैर सरकारी बस अड्डे पर एक जागरूकता बैठक का भी आयोजन किया गया जिसमें मंत्री शुक्ल ने सभी

से सड़क सुरक्षा के नियमों और सिद्धांतों का पालन करने और वाहन की गति पर नियंत्रण बनाए रखते हुए अपने साथ-साथ दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने बिना हेलमेट पहने गाड़ी चलाना, तेज गति से गाड़ी चलाना, लापरवाही से गाड़ी चलाना, नशे में गाड़ी चलाना और गाड़ी चलाते या गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन पर बात करना मौत का मुख्य कारण बताया। उन्होंने बताया कि अगर हम बड़े पैमाने पर जागरूकता पैदा करें तो दुर्घटना दर में कमी आ सकती है। बैठक में जिला परिवहन विभाग के कई अधिकारी, रंगिया पुलिस विभाग के अधिकारियों सहित रंगिया पौरसभा अध्यक्ष अमरेंद्र लहकर, मोटर्स यूनियन के पदाधिकारी, भाजपा उत्तर कामरूप जिलाध्यक्ष सुबल पाल, प्रदेश भाजपा सदस्य दिनेश महंतों सहित बहुत से गणमान्य और स्थानीय लोग उपस्थित थे।

सीबीएसई नेशनल चैंपियनशिप में मॉडर्न इंग्लिश स्कूल, काहिलीपाड़ा के छात्र ने किया दमदार प्रदर्शन

गुवाहाटी। मॉडर्न इंग्लिश स्कूल, काहिलीपाड़ा के चमकते सितारे कृष पावे अपने खाते में एक और उपलब्धि जोड़ ली है। बता दें कि कृष पावे ने सीबीएसई राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता ग्रेटर नोएडा (ताइक्वांडो जूनियर) में जीत हासिल की है और इस जीत से उन्होंने सिर्फ स्कूल बल्कि राज्य का नाम रोशन किया है। कृष ने अपने असाधारण कौशल और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में कांस्य पदक हासिल किया है। गौरतलब है कि इससे पहले पिछले महीने कृष पावे ने 16 से 18 अक्तूबर, 2023 के बीच हुई सीबीएसई फार ईस्ट जोन ताइक्वांडो चैंपियनशिप में 17 वर्ष से कम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। मॉडर्न इंग्लिश स्कूल, काहिलीपाड़ा के पीजीटी-शारीरिक शिक्षा और ताइक्वांडो कोच अभिजीत गोगोई ने कहा कि फार ईस्ट जोन इक्वांडो चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल करने के बाद, कृष ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप में जीत हासिल करके हमें फिर से गौरवान्वित किया है। हम उनकी इच्छाशक्ति के लिए उन्हें बधाई देते हैं और भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं देते हैं। जब छात्रों के शारीरिक गतिविधियों और खेल सहित समग्र विकास की बात आती है तो मॉडर्न इंग्लिश स्कूल, काहिलीपाड़ा हमेशा सबसे आगे खड़ा नजर आता है।

बंगाईगांव में आयोजित तीन दिवसीय श्री सालासर हनुमान जन्मोत्सव संपन्न

बंगाईगांव। मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम, पवन पुत्र बजरंगबली एवं ब्रह्मलीन संत शिरोमणि श्री श्री हाथा बाबा की असीम अनुकंपा एवं आशीर्वाद से श्री सालासर हनुमान सेवा समिति चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में तथा श्री सालासर हनुमान उत्सव परिचालना समिति के आयोजन में श्री सालासर हनुमान जी का 14वां विशाल उत्सव रविवार 26 नवंबर को भव्यता के साथ संपन्न हुआ। रविवार को श्री सालासर हनुमान जी का पूजन, आरती एवं बाबा की सवामणी का महा भोग लगाया गया जिसमें सवामणी अर्पण करने वाले सभी भक्त उपस्थित थे। गुवाहाटी से पधारे श्री हनुमान घाटा भक्त मंडल के सदस्यों ने बाबा के भजनों की सुंदर अमृत वर्षा की जिसमें गायक श्री मनोज पंडित, देविका, कल्याणी के साथ लक्ष्मीपत माटोलिया एवं दिलीप अजीतसरिया ने भी भजनों की प्रस्तुति दी। समाज के चार परिवारों

द्वारा प्रदत्त पशु सेवा वाहन का सालासर धाम से पधारे पुजारी राजविर द्वारा उद्घाटन कर समाज को समर्पित किया गया। दोपहर को हजारों भक्तों ने बाबा का सामुहिक महा प्रसाद ग्रहण किया। रात्रि समय सुजानगढ़ से पधारे भजन गायक नवरत्न पारीक एवं गुवाहाटी से सुभाष पारीक ने भजनों की अमृत वर्षा की जिसका उपस्थित सभी भक्तों ने आनंद लिया। इस दौरान भास्कर पार्टी, कोलकाता द्वारा एक से बढ़कर एक नृत्य नाटिका का भी मंचन किया गया जिसमें गंगा अवतरण, महा रास, महिषासुर वध, कथा वैद्यनाथ की आदि प्रमुख थे। पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन महेश कुमार अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर आयोजित नि:शुल्क लकी ड्रा विशेष आकर्षणीय रहा। बाबा को छप्पन भोग, आरती तथा बाबा का खजाना लुटाने के साथ तीन दिवसीय कार्यक्रम का सफल समापन हुआ। कार्यक्रम के दौरान अरुण माहेश्वरी के परिवार को, जुगल अग्रवाल के परिवार को, रमेश प्रजापत को विशेष सहयोग के लिए, महेश कुमार अग्रवाल को मंच संचालन के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। बंगाईगांव के चित परिचित गायक नवीन अग्रवाल, श्रीमती वसुधा कोठारी, श्रीमती कोयल अग्रवाल को भी सम्मानित करने के साथ ही सभी कलाकारों को भी सम्मानित किया गया है। तीन दिनों तक चले विभिन्न कार्यक्रमों में स्थानीय प्रशासन, पुलिस प्रशासन के कई आला अधिकारियों के साथ कई अन्य विशिष्ठ एवं गणमान्य व्यक्तियों ने बाबा के दरबार में उपस्थित होकर अपनी हाजिरी लगाई। तीन दिवसीय कार्यक्रम को सफलता की ओर ले जाने में मनोज सिंघी, बांकेलाल शर्मा, पुरुषोत्तम अग्रवाल, उमेद बांठिया, देवकिशन पारीक, निर्मल देसवाल, सुशील भंसाली, जगमोहन सुरेका, प्रमोद सुरेका, नन्द किशोर देशवाल, सुनिल सिंधी, श्रेयांस मरोठी, अनिल सिंधी, अभिषेक महेश्वरी, महेश सैन के अलावा सभी कार्यकर्ताओं का भरपूर सहयोग रहा। श्री सालासर हनुमान सेवा समिति चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मनोज सिंधी ने तीन दिवसीय कार्यक्रम को पूर्ण रूप से सफल करने के लिए सभी समाज बंधुओ को तथा सभी कार्यकर्ताओं को हार्दिक धन्यवाद दिया।

तेलंगाना में भाजपा सत्ता में आई तो सीएम ओबीसी समुदाय का : मोदी

नई दिल्ली/महबूबाबाद, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि सत्ता में आने पर तेलंगाना में मुख्यमंत्री ओबीसी समुदाय से होगा। प्रधानमंत्री ने तेलंगाना के महबूबाबाद में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि यहां के लोग बीआरएस सरकार को हटाने और भाजपा को वोट देकर सत्ता में लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि बीआरएस-कांग्रेस दोनों ही तेलंगाना को विनाश के रास्ते पर ले गए हैं। उन्होंने दोहराया, "यह भाजपा का वादा है कि सत्ता में आने पर तेलंगाना में ओबीसी समुदाय से एक सीएम होगा।" केसीआर और बीआरएस के बुरे इरादों की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "केसीआर और बीआरएस दोनों ने भाजपा के बढ़ते महत्व को महसूस किया और हमारे साथ गठबंधन करना चाहते थे। लेकिन मोदी कभी भी तेलंगाना के लोगों की इच्छाओं के खिलाफ नहीं जा सकते। उन्होंने कहा कि अब, चूंकि भाजपा ने बीआरएस और केसीआर को खारिज कर दिया है, वे निराश हैं और भाजपा और मेरी लगातार आलोचना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह भ्रष्ट बीआरएस के साथ गठबंधन नहीं करने की मोदी की गारंटी है।" बीआरएस शासित तेलंगाना में शासन की स्थिति पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "बीआरएस के फार्महाउस सीएम तेलंगाना की परंपरा और प्रौद्योगिकी की दोहरी पहचान को नष्ट कर रहे हैं।" उन्होंने कहा, "भाजपा तेलंगाना को बीआरएस के नेतृत्व वाले भ्रष्टाचार, माफिया शासन और अंधविश्वास से मुक्त कराना अपनी जिम्मेदारी मानती है।" उन्होंने कहा कि जहां बीआरएस को तेलंगाना से बाहर करना महत्वपूर्ण है, वहीं भ्रष्ट कांग्रेस को सत्ता में आने से रोकना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

मोदी ने कहा, "बीआरएस-कांग्रेस भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण और वंशवादी राजनीति पर आधारित एक ही स्टीयरिंग व्हील वाली कार है।" उन्होंने कहा कि बीआरएस-कांग्रेस दोनों अराजकता और दलित, एसटी और ओबीसी की घोर उपेक्षा के लिए जिम्मेदार हैं। इसके विपरीत यह भाजपा सरकार है, जिसने बंजारा, घुमंतू और अर्ध-घुमंतू के डीएनटी के लिए एक कल्याण बोर्ड की स्थापना की है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने संत सेवालाल जी महाराज की विरासत को प्राथमिकता दी ताकि उनके महत्वपूर्ण योगदान को सम्मान के साथ याद किया जा सके। मडिगा समुदाय के समग्र सशक्तिकरण के बारे में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भाजपा मडिगा समुदाय के साथ हुए ऐतिहासिक अन्याय को ठीक करने के लिए एक कल्याण समिति स्थापित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। छोटे और सीमांत किसानों के समर्थन में मोदी ने कहा कि बीआरएस सरकार की किसानों की उपेक्षा करने की नीति के विपरीत हमने सच्चे सामाजिक न्याय को सक्षम करने के लिए पीएम-किसान और यूरिया सब्सिडी जैसी पहल के माध्यम से उन्हें सशक्त बनाने की मांग की है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि तेलंगाना में बीआरएस सरकार झूठ और धोखे का प्रतिनिधित्व करती है। एक बार जब भाजपा सरकार तेलंगाना में सत्ता में आ जाएगी तो एक डबल इंजन सरकार सभी के विकास को बढ़ावा देगी। तेलंगाना के लोगों को एक भ्रष्ट और फार्महाउस सीएम से मुक्त कर देगी। उन्होंने सभी मतदाताओं से तेलंगाना राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा को वोट देने की अपील की।

सिलक्यारा सुरंग हादसा : सेना ने संभाला मोर्चा, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा ने किया निरीक्षण

उत्तरकाशी, (हि.स.)। उत्तरकाशी के सिलक्यारा निमार्णाधीन सुरंग पिछले 16 दिनों से 41 जिंदगियों को बचाने की जंग जारी है। सोमवार से सेना ने मोर्चा संभाल लिया है। सुरंग में वर्टिकल ड्रिलिंग 31 मीटर पूरी हो चुकी है। टनल में मैन्युअल खुदाई भी शुरू हो गयी है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रधान सचिव डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा ने आज उत्तरकाशी की सिलक्यारा निमार्णाधीन टनल में फंसे श्रमिकों को बाहर निकालने के लिए चलाये जा रहे रेस्क्यू ऑपरेशन का स्थलीय निरीक्षण किया और सुरंग के अंदर फंसे श्रमिकों से बातचीत की। इस दौरान उनके साथ उत्तराखंड के मुख्य सचिव एसएस संधू भी थे। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा सिलक्यारा टनल रेस्क्यू ऑपरेशन का निरीक्षण कर सुरंग के अंदर फंसे श्रमिकों के लिए भेजी जा रही भोजन सामग्री के बारे में भी जानकारी ली। साथ ही सिलक्यारा सुरंग के अंदर फंसे श्रमिकों के परिजनों से भी वार्ता की और उन्हें ढांढस बंधाया।उन्होंने एनएचडीसीएल एवं नोडल अधिकारी नीरज खैरवाल से भी रेस्क्यू आपरेशन की जानकारी ली। आज सुबह से सिलक्यारा निमार्णाधीन टनल में राहत और बचाव अभियान को सेना के हवाले कर दिया गया। सेना की इंजीनियरिंग कोर की मद्रास सैपर्स की टीम अब राहत और बचाव कार्य का जिम्मा देखेगी। लगातार आ रही बाधाओं के बाद आखिरकार 41 मजदूरों को सकुशल बाहर निकालने की जिम्मेदारी अब सेना को दी गई है। राहत और बचाव कार्य में 41 घंटे तक ब्रेक लगा रहा। अब एक बार फिर से बचाव और राहत कार्य में तेजी आ गई है। अमेरिकी ऑगर ड्रिलिंग मशीन के खराब होने के बाद इस ऑपरेशन को सेना के हवाले किया गया है। अब सुरंग के ऊपर से वर्टिकल ड्रिल शुरू कर मजदूर तक पहुंचाने की कोशिश की जा रही है, इसमें अभी और तीन चार दिन लग सकते हैं।

सिल्क्यारा रेस्क्यू टीम को मिली बड़ी कामयाबी, ऑगर मशीन के टूटे पार्ट निकले - सिल्क्यारा रेस्क्यू ऑपरेशन के 16वां दिन पिछले दो दिनों की अपेक्षा शकुन भरा रहा। बड़ी राहत देने वाली बात यह है कि टलन के अंदर जो ऑगर ड्रिलिंग मशीन फंसी थी, उसे प्लाज्मा कटर से टुकड़ों में काट कर बाहर निकलने में सफलता हासिल कर ली है। इसके बाद रेस्क्यू टीम ने शेष एक मुड़े पाइप को कटर की मदद से निकाल कर 13 मीटर की खुदाई के लिए पारंपरिक तरीके से शुरू कर दिया है। सोमवार सुबह को टनल में मुड़े पाइप को काटने कार्य शुरू किया गया था। दोपहर बाद मैनुअली खुदाई कार्य पुनः शुरू कर दिया है। मैनुअल खुदाई में सेना की इंजीनियरिंग कोर की मद्रास सैपर्स की टीम अब राहत और बचाव कार्य का जिम्मा देखेगी। दिल्ली के स्पेशलिस्ट की भी मदद ली जा रही है। रेस्क्यू ऑपरेशन में अब पूरी तरीके से तीनों ओर मोर्चा पर कार्य से चल रहा है। वर्टिकल ड्रिलिंग ने भी अब रफ्तार पकड़ ली है। अब तक 31 मीटर खुदाई कर ली गई है। वर्टिकल ड्रिलिंग कुल 86 मीटर होनी है।

सभी 41 मजदूर पूरी तरह से सुरक्षित : जिला आपदा परिचालन - जिला आपदा परिचालन के मुताबिक सुरंग के अंदर सभी 41 मजदूर पूरी तरह से सुरक्षित हैं और उन्हें निकालने के लिए अब तक 31 मीटर की ड्रिलिंग भी की जा चुकी है। मजदूरों तक पहुंचने के लिए 86 मीटर की ड्रिलिंग होनी है। इसके अलावा चार अन्य योजनाओं पर भी काम किया जा रहा है। सुरंग के अंदर मजदूरों को भोजन और दवाइयां पहुंचाई जा रही हैं और एक अतिरिक्त फोन लाइन भी उनके लिए लगाई गई है ताकि वह अपने परिजनों से बातचीत कर सकें, सभी एजेंसियां पूरी मजबूती से मजदूरों को बाहर निकालने का काम कर रही हैं।

भगवान और विज्ञान के संगम से रेस्क्यू ऑपरेशन होगा सफल - बाबा बौखनाग की भूमि पर निमार्णाधीन सिलक्यारा टनल में पूजा पाठ का का दौर जारी है। सोमवार को सुरंग के ऊपरी छोर पर पंडितों ने हवन कर पूजा अर्चना की। यानी भगवान और विज्ञान के संगम से रेस्क्यू ऑपरेशन को सफल बनाने की कवायद तेज कर दी गई है। इससे पूर्व भी बाबा बौखनाग की डोली सुरंग के पास लाई गई थी। कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर गत रविवार को बौखनाग के थान भाटिया गांव में जा चुके हैं। वहां बाबा बौखनाग ने रेस्क्यू ऑपरेशन को सफल के लिए अपना आशीर्वाद भी दे चुके हैं। सूत्रों का कहना है कि हनोल में भी महासू महाराज के पास मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी श्रमिकों के सकुशल बाहर निकालने की अर्जी लगा चुके हैं।

आज से शुरू हो रहे फार्मास्यूटिकल एक्सपो में डेढ़ सौ से अधिक देश होंगे शामिल

नई दिल्ली(ईएमएस)। आज 28 नवंबर से शुरू हो रहे नोएडा में दक्षिण एशिया के सबसे बड़े एक्सपो में डेढ सौ से अधिक देश शामिल हो रहे हैं। 30 नवम्बर तक चलने वाला यह एक्सपो इंफॉर्मा मार्केट्स इन इंडिया द्वारा आयोजित सीपीएचआई और पीमेक इंडिया द्वारा आयोजित किया जा रहा है। एक्सपो में 150 देशों से 45,000 से अधिक आगंतुकों के पहुंचने की उम्मीद है, जिसमें 1500 से अधिक प्रदर्शक 10,000 से अधिक उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा। बता दें कि दवाओं के क्षेत्र में भारत मात्रा के हिसाब से दुनिया भर में तीसरे तथा मूल्य के लिहाज से विश्व में 14वें स्थान पर है। भारतीय फार्मास्यूटिकल उद्योग का वर्तमान बाजार आकार लगभग 50 बिलियन डॉलर है। फार्मास्यूटिकल एक्सपो उद्योग जगत के विशेषज्ञों को कारोबार के अवसरों पर चर्चा करने और अपने विचार प्रस्तुत करने का मौका देगा। सीपीएचआई और पीमेक इंडिया एक्सपो के संबंध में इन्फोर्मा मार्केट्स इन इंडिया के प्रबंध निदेशक योगेश मुद्रास ने बताया कि ह्य2023 में भारतीय फार्मा उद्योग राइज एण्ड राइज आफ इंडिया के दौर से गुजर रहा है, जिसे इनोवेशन्स के साथ सरकार का मजबूत सहयोग भी मिल रहा है। जी20 अध्यक्षता के दौरान तय किए गए उद्देश्यों के अनुरूप फार्मास्युटिकल इनोवेशन्स, तकनीकी प्रगति के चलते भारतीय उद्योग 2025 तक 65 बिलियन डॉलर और 2030 तक 130 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी में प्रदर्शनी फार्मास्युटिकल अधिकारियों, खरीदारों, खरीद प्रबंधकों, अनुबंध निमार्ताओं, अस्पताल प्रशासकों तथा राज्य एवं राष्ट्रीय विनियामक बोर्ड के प्रतिनिधियों और नीति निमार्ताओं को एक ही मंच पर लेकर आएगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर बधाई दी

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज (सोमवार) सुबह श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व की लोगों की बधाई दी है। उन्होंने अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में भी प्रकाश पर्व की पूर्व संध्या पर गुरु नानक देव का स्मरण किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा है, 'श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के शुभ अवसर पर शुभकामनाएं। दूसरों की सेवा करने और भाईचारे को आगे बढ़ाने पर उनका जोर दुनिया भर के लाखों लोगों को ताकत देता है।' उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री हर धर्म का सम्मान करते हैं। वो 20 दिसंबर, 2020 को अचानक दिल्ली के गुरुद्वारा रकाबगंज पहुंच गए थे। इस दौरान प्रधानमंत्री ने गुरुद्वारा रकाबगंज में माथा टेकते हुए गुरु तेग बहादुर के त्याग को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की थी।

आईएनएस 'इंफाल' को मिलेगा क्रेस्ट, रक्षा मंत्री 28 नवंबर को करेंगे अनावरण

- अगले माह दिसंबर में नौसेना के बेड़े में शामिल किया जायेगा यह युद्धपोत

- इसी युद्धपोत से 22 नवंबर को की गई थी ब्रह्मोस मिसाइल से पहली फायरिंग

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय नौसेना के लिए प्रोजेक्ट 15 बी के तहत तैयार किये गए गाइडेड मिसाइल स्टील्थ डेस्ट्रॉयर्स आईएनएस इंफाल के क्रेस्ट का अनावरण 28 नवंबर को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह नई दिल्ली में करेंगे। इसी युद्धपोत से 22 नवंबर को ब्रह्मोस मिसाइल से पहली फायरिंग की गई थी। यह पहला मौका है जब नौसेना ने किसी जहाज के चालू होने से पहले उससे विस्तारित रेंज वाली ब्रह्मोस मिसाइल का परीक्षण किया है। यह युद्धपोत अगले माह दिसंबर में भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल किया जायेगा। भारतीय नौसेना के नवीनतम निर्देशित मिसाइल स्टील्थ विध्वंसक इंफाल की लॉन्चिंग 20 अप्रैल, 2019 को हुई थी। इसी समारोह के दौरान जहाज का नाम इंफाल रखा गया था। प्रोजेक्ट 15 बी के तहत मुंबई के मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) में निमार्णाधीन चार गाइडेड मिसाइल स्टील्थ डेस्ट्रॉयर्स में से यह तीसरा युद्धपोत है। इसे एमडीएल ने पिछले माह 20 अक्टूबर को भारतीय नौसेना को सौंप दिया था। नौसेना के बेड़े में शामिल होने से पहले परीक्षण के रूप में इस युद्धपोत से 22 नवंबर को विस्तारित रेंज की ब्रह्मोस मिसाइल का सफल प्रक्षेपण किया गया। परीक्षण के दौरान भारत की बढ़ती जहाज निर्माण क्षमता, स्वदेशी हथियारों और प्लेटफार्मों की विश्वसनीयता परखने पर फोकस किया गया। इस असाधारण उपलब्धि के पश्चात इस युद्धपोत का क्रेस्ट अनावरण भी शानदार तरीके से नई दिल्ली में किया जाएगा। इस कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मणिपुर के मुख्यमंत्री, रक्षा मंत्रालय और मणिपुर राज्य के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे। समुद्री परंपराओं और नौसैनिक रिवाजों के अनुसार भारतीय नौसेना के युद्धपोतों और पनडुब्बियों के नाम प्रमुख शहरों, पर्वत श्रृंखलाओं, नदियों, बंदरगाहों और द्वीपों के नाम पर रखे गए हैं। भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के किसी शहर के नाम पर रखा जाने वाला पहला उन्नत युद्धपोत भी है, जिसके लिए राष्ट्रपति ने 16 अप्रैल, 2019 को मंजूरी दी थी। भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो (डब्ल्यूडीबी) ने इसकी डिजाइन तैयार की है और एमडीएल ने निर्मित किया है। जहाज में लगभग 75 प्रतिशत की उच्च स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है, जिसमें एमआर एसएएम, ब्रह्मोस एसएसएम, स्वदेशी टॉरपीडो ट्यूब लॉन्चर, पनडुब्बी रोधी स्वदेशी रॉकेट लॉन्चर और 76 मिमी. एसआरजीएम शामिल हैं। इंफाल पहला ऐसा स्वदेशी विध्वंसक है, जिसके निर्माण और समुद्री परीक्षणों को पूरा करने में सबसे कम समय दर्ज किया गया। यह युद्धपोत अगले माह दिसंबर में भारतीय नौसेना में अधिकृत रूप से शामिल होगा।

प्रधानमंत्री मोदी के बारे में अपशब्दों का इस्तेमाल करने पर सीपीएम नेता जैक सी थॉमस को लीगल नोटिस

नई दिल्ली, (हि.स.)। मलयाली न्यूज चैनल एशियानेट में एक डिबेट के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में सीपीएम नेता जैक सी थॉमस की ओर से अपशब्दों का इस्तेमाल करने पर आर्गनाइजर के पूर्व संपादक डॉ. आर बालाशंकर ने लीगल नोटिस भेजा है। लीगल नोटिस में सात दिन के अंदर सार्वजनिक माफी मांगने को कहा गया है। ऐसा न करने पर कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई है। लीगल नोटिस में कहा गया है कि थॉमस ने 20 नवंबर को एशियानेट न्यूज चैनल पर डिस्कसन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए नराधम शब्द का इस्तेमाल किया। प्रधानमंत्री के बारे में अपमानजनक शब्द के इस्तेमाल पर पैनल डिस्कसन में बैठे मेहमानों और न्यूज एंकर ने आपत्ति जताई। तब भी जैक सी थॉमस ने अपना बयान वापस नहीं लिया। लीगल नोटिस में कहा गया है कि जैक सी थॉमस ने प्रधानमंत्री मोदी के बारे में आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल कर प्रधानमंत्री की गरिमा को कम करने की कोशिश की है। ये हेट स्पीच के अलावा मानहानि के तहत आता है। नोटिस में कहा गया है कि थॉमस के बयानों से डॉ. आर बालाशंकर की भावनाएं आहत हुई हैं। अगर थॉमस ने सात दिन के अंदर सार्वजनिक माफी नहीं मांगी तो डॉ. आर बालाशंकर उचित कानूनी कार्रवाई शुरू करेंगे।

जनजातीय क्षेत्रों में रिक्त पदों को जल्द भरे सरकार : हिमाचल कांग्रेस

शिमला, (हि.स.)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद प्रतिभा सिंह ने प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों किन्नौर, लहुलस्पिति के दुर्गम इलाको में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार की आवश्यकता पर बल देते हुए प्रदेश सरकार से इन क्षेत्रों में कर्मचारियों के रिक्त पदों को तुरंत भरने को कहा है। उन्होंने बर्फवारी से पहले इन क्षेत्रों में आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता भी सुनिश्चित करने को कहा है। अपने एक सप्ताह के किन्नौर व लहुलस्पिति के स्पीति घाटी के दौरे के बाद प्रतिभा ने सोमवार को कहा है कि लोगों ने उन्हें इन क्षेत्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी के बारे बताया है। स्कूलों में भी कई जगह अध्यापकों के पद खाली चल रहे है। प्रतिभा सिंह ने कहा है कि जनजातीय क्षेत्रो का विकास कांग्रेस सरकार का प्रमुख लक्ष्य रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री स्व वीरभद्र सिंह ने इन क्षेत्रों के विकास के लिये अनेक योजनाएं चलाई है पर आज जरूरत उनके सही ढंग से कार्यान्वित करने की है। इन क्षेत्रों में लोगों का जीवन बहुत ही कठिन है। भारी बर्फबारी व ठंड की बजह से इन लोगों को भारी दिक्कतों का सामना भी करना पड़ता है। सांसद ने सीमा सड़क संगठन के सड़क निर्माण में पिछले कई सालों से लगे स्थानीय मजदूरों को उनके कार्यो से हटाने के किसी भी प्रस्ताव बारे स्थानीय श्रमिकों को आश्वासन दिया है कि वह इस बारे सीमा सड़क संगठन के उच्च अधिकारियों से बातचीत करेंगी। उन्होंने कहा है कि किन्नौर,पूह, काजा में सड़क निर्माण में स्थानीय श्रमिकों को बहुत बड़ा योगदान है इसलिए इन लोगों के हितों से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ नही होना चाहिए। प्रतिभा सिंह ने जनजातीय क्षेत्रो के लोगों को ईंधन की लकड़ी पर राज्य सरकार द्वारा सबसिडी बहाल करने के निर्णय की सराहना करते हुए कहा है कि इन क्षेत्रों में लोगों की सुविधाओं में किसी भी प्रकार की कटौती नही की जानी चाहिए।

पीएम मोदी, कमलनाथ व विजयवर्गीय के फर्जी वीडियो, डीपफेक मामलों को लेकर इंदौर में केस दर्ज

इंदौर, (हि.स.)। राजनेता व सेलिब्रिटी के डीपफेक वीडिया आए दिन सामने आ रहे हैं। बड़े उद्योगपतियों को भी निशाना बनाया जाने लगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कमलनाथ व कैलाश विजयवर्गीय के फर्जी वीडियो समेत डीपफेक के कई दूसरे मामलों को लेकर इंदौर में एफआईआर दर्ज की गई है। एक कांग्रेस नेता अश्लील वीडियो के शिकार हुए हैं। इस नेता ने विधानसभा का चुनाव लड़ा है। कनाड़िया थाने की पुलिस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का फर्जी वीडियो जारी करने पर एफआईआर दर्ज की है। वीडियो कहां बना, इसकी जांच जारी है। अपराध शाखा ने भाजपा प्रत्याशी कैलाश विजयवर्गीय का फर्जी वीडियो बनाने पर एफआईआर दर्ज की है। अपराध शाखा के डीसीपी निमिष अग्रवाल के अनुसार डीपफेक की सबसे ज्यादा शिकायतें विधानसभा चुनाव के दौरान दर्ज हुईं। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का भी फर्जी वीडियो बनाकर इंटरनेट पर बहुप्रसारित किया गया, जो लाडली लक्ष्मी योजना बंद करने से जुड़ा था। इस फर्जी वीडियो को लेकर भी अपराध शाखा में एफआईआर दर्ज की गई। कांग्रेस नेता राकेश यादव की शिकायत पर प्रकरण की साइबर सेल जांच में जुटी है। कांग्रेस के एक प्रत्याशी का अश्लील वीडियो इंटरनेट पर जारी किया गया, जिसमें उन्हें आपत्तिजनक स्थिति में दिखाया गया। क्राइम ब्रांच ने इस मामले में भी एफआईआर दर्ज की।

डीपफेक बनाने वाला गिरोह डार्कनेट पर सक्रिय - साइबर एसपी जितेंद्र सिंह के मुताबिक डीपफेक बनाने वाला गिरोह डार्कनेट पर सक्रिय है। डार्कनेट पर अभी तक हथियार, मादक पदार्थ और एटीएम-क्रेडिट कार्ड की जानकारी बिक रही थी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में अब डार्कनेट पर भी फर्जी वीडियो बनाए जा रहे हैं। एक मिनट लंबे वीडियो के एवज में एक लाख रुपए तक लिए जा रहे हैं। यह काम दो स्तरों पर होता है। इसे मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से तैयार किया जाता है। इस टेक्नोलाजी में कोडर और डिकोडर की मदद ली जाती है। डिकोडर व्यक्ति के चेहरे और हावभाव को परखता है, जिसका वीडियो बनाना है। इसके बाद फर्जी चेहरे पर इसे लगा दिया जाता है।

दिल्ली जल बोर्ड घोटाले पर भाजपा हमलावर, कहा- भ्रष्टाचार में पीएचडी होल्डर हैं केजरीवाल

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली जल बोर्ड के टेंडर में 500 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाते हुए भारतीय जनता पार्टी ने आम आदमी पार्टी को कटघरे में खड़ा किया है। भाजपा ने अरविन्द केजरीवाल को भ्रष्टाचार में पीएचडी होल्डर बताया है। सोमवार को भाजपा मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल सरकार ने दिल्ली जल बोर्ड के एसटीपी कार्यों में 500 करोड़ रुपये से अधिक का घोटाला किया। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने न केवल भ्रष्टाचार करने में महारत हासिल कर रखी है बल्कि कमिशनखोरी में भी वे सबसे आगे हैं। ईमानदारी के नाम पर राजनीति में आए केजरीवाल आज भ्रष्टाचार के पर्याय बन गए हैं। गौरव भाटिया ने दावा किया कि सरकारी परियोजनाओं में मानदंडों का उल्लंघन करके दो बोलीदाताओं को लाभ पहुंचाने के लिए निविदाएं जारी की गईं। दस सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के लिए सिर्फ 2 डीपीआर बनाए गए और नियमों के विपरीत ठेकेदारों को काम आवंटित किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि 10 एसटीपी (सीवेज उपचार संयंत्र) में से केवल पांच को अपग्रेडेशन के लिए चुना गया था जबकि बाकी को 2022 में 1938 करोड़ रुपये की लागत से अपग्रेडेशन एवं सुदृढ़ीकरण के लिए लिया गया था। उन्होंने कहा कि कार्यों के चार पैकेजों के लिए केवल दो बोलीदाताओं ने भाग लिया था, जिन्हें पूर्व-निर्धारित तरीके से कार्यों को आवंटित करने के स्पष्ट इरादे से पार्सल किया गया था और प्रत्येक को परियोजनाएं प्रदान की गईं। इस पर जांच के लिए सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय के साथ-साथ उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को तथ्यों के साथ विस्तृत नोट भेजे गए हैं। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि एल वन यानी सबसे निम्न बोलीदाता के साथ बातचीत के दौरान दरें 392 .04 करोड़ से बढ़ा कर 408.04 करोड़ रुपये सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बिना और सीपीडब्ल्यूडी मैनुअल, 2019 के खंड 5.1.8(1) के तहत शासनादेश का उल्लंघन करते हुए काम दिया गया। अनुमान सलाहकार मैसर्स एनजेएस इंजीनियर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा तैयार किया गया। इस तथ्य के बावजूद कि अनुमान तैयार करने में सलाहकार का काम संतोषजनक नहीं पाया गया था। इस सलाहकार द्वारा एकल उद्धरण के आधार पर अनुमान तैयार किए गए थे। जो परिणामस्वरूप अनुमान बाजार दर से अधिक था। इस तरह यह साफ है दिल्ली जल बोर्ड में भारी भ्रष्टाचार हुआ है।

देश व धर्म को बचाने के लिए सिख गुरूओं ने बलिदान दिया : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ श्री गुरु नानक देव जी के 554वें प्रकाश पर्व पर आशियाना स्थित गुरुद्वारा साहिब गुरूद्वारे में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देश व धर्म को बचाने के लिए सिख गुरूओं ने बलिदान दिया। बाबर के अत्याचार के खिलाफ आवाज बुलंद करने का काम गुरूनानक ने किया। योगी ने कहा कि गुरू नानक जी का जन्म ननकाना साहिब में हुआ लेकिन पूरा भारत उनसे अनुप्राणित रहा। ननकाना साहिब में जन्म लेने के बाद गुरू नानक ने समाज सेवा में अपना जीवन समर्पित किया और समाज में भक्ति का संचार किया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सिख गुरूओं का बलिदान हम सब को चुनौतियों से जूझकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। देश व समाज के लिए खालसा पंथ की स्थापना मुगल सल्तनत के पतन का कारण बनता है। गुरू गोविन्द सिंह और उनके शाहबजादों का बलिदान हुआ। अपने इतिहास से प्रेरणा लें। इस अवसर पर बोलते हुए राज्यमंत्री बलदेव सिंह ओलख ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बड़ी श्रद्धा और बड़ी आत्मीयता के साथ हमारे गुरूओं के कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं। आज वह अधिक व्यस्तता के बावजूद समय निकालकर यहां पर आये हैं। इस अवसर पर लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल और अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य सरदार परविंदर सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

योगी सरकार ने साढ़े छह साल में 5 हजार किमी सड़क का बिछाया जाल

-प्रदेश में कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए खर्च किये नौ हजार करोड़ रुपये

लखनऊ, (हि.स.)। योगी सरकार प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी को मजबूत करने पर युद्धस्तर पर काम कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशा निर्देश पर पिछले साढ़े छह साल में गांव, तहसील, ब्लॉक मुख्यालय, अंतरराष्ट्रीय और अंतर्राज्यीय सीमा वाले मार्ग, चीनी मिल क्षेत्र, औद्योगिक क्षेत्र एवं धर्मार्थ मार्ग के चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण और पुनर्निर्माण पर युद्धस्तर पर काम हुआ है। इस दौरान प्रदेश भर में 5 हजार किलोमीटर से अधिक सड़कों का जाल बिछाने का कार्य किया गया है। इसके लिए योगी सरकार ने करीब नौ हजार करोड़ की धनराशि खर्च की है।

26 तहसील और 131 ब्लॉक मुख्यालयों को दो लेन से जोड़ा गया - मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2017 में सूबे की कमान संभालते ही पीडब्ल्यूडी को प्रदेश में कनेक्टिविटी को मजबूत करने के निर्देश दिये थे। शासन ने पीडब्ल्यूडी को 26 तहसील मुख्यालयों और 153 ब्लॉक मुख्यालयों को दो लेन मार्ग से जोड़ने के निर्देश दिये थे।

इसके लिए विभाग को 1617 किलोमीटर की सड़क के लिए 2,653 करोड़ की धनराशि आवंटित की गई थी। वहीं विभाग की ओर से 26 तहसील मुख्यालय और 131 ब्लॉक मुख्यालय को दो लेन से जोड़ दिया गया है, जबकि शेष 22 ब्लॉक मुख्यालय को दो लेन से जोड़ने का काम तेजी से चल रहा है। इनमें से 16 ब्लॉक मुख्यालय में 99 प्रतिशत, 3 ब्लॉक मुख्यालय में 74 प्रतिशत, 2 ब्लॉक मुख्यालय में 24 प्रतिशत और एक ब्लॉक मुख्यालय में 49 प्रतिशत काम पूरा कर लिया गया है। वहीं पीडब्ल्यूडी ने शेष 1 तहसील और 10 ब्लॉक मुख्यालय को दो लेन से जोड़ने के लिए 48 किलोमीटर की सड़क के लिए 174 करोड़ का प्रस्ताव शासन को भेजा है। इसी तरह 25 शहरों से होकर गुजरने वाले अंतरराष्ट्रीय/अंतरराज्यीय सीमा वाले मार्गों के विकास के लिए 94 मार्ग स्वीकृत किए गए हैं। यहां पर 1,126 किलोमीटर की सड़क के लिए 2,171 करोड़ की धनराशि दी गई। इनमें से 81 मार्ग का काम पूरा कर लिया गया है, जबकि 13 मार्गों पर काम चल रहा है, जहां 6 मार्गों का काम 99 प्रतिशत और 7 मार्गों का काम 24 प्रतिशत पूरा कर लिया गया।

गांवों को मुख्य मार्ग से जोड़ने के लिए 1,679 करोड़ खर्च किए गए - 250 से अधिक आबादी के गांवों को मुख्य मार्ग (.5 किलोमीटर से कम दूरी) से कनेक्ट करने के लिए 1,928 कार्य स्वीकृत किए गए।

ऐसे में 2,107 किलोमीटर की सड़क के लिए 1,679 करोड़ की धनराशि आवंटित की गई। इनमें से 563 कार्य पूर्ण कर लिये गये हैं। वहीं 1,087 अनजुड़े गांवों को मुख्य मार्ग से कनेक्ट करने के लिए प्रस्ताव दिया गया है। इसी तरह प्रदेश के चीनी मिल परिक्षेत्र में मार्गों के पुनर्निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण के लिए 1,074 कार्यों को चिन्हित किया गया है। ऐसे में 1,127 किलोमीटर की सड़क के लिए 384 करोड़ का प्रस्ताव भेजा गया है। इन कार्यों की शासन से हरी झंडी मिलते ही काम शुरू कर दिया जाएगा,वहीं दूसरे चरण में 626 मार्गों के लिए 200 करोड़ खर्च किए जाएंगे। औद्योगिक, लॉजिस्टिक पार्क के लिए सड़क के चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण और निर्माण के लिए 2 कार्य स्वीकृत किए गए। ऐसे में 139 करोड़ से 9.6 किलोमीटर के मार्ग का काम चल रहा है। वहीं पीडब्ल्यूडी को औद्योगिक विकास विभाग की ओर से 21 कार्यों को कराने के लिए 1,922 करोड़ का प्रस्ताव मिला है। इसी तरह धर्मार्थ कार्य के तहत सड़क के चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण एवं निर्माण के लिए 36 कार्य स्वीकृत किए गए, जहां 2,316 करोड़ से 174 किलोमीटर की सड़क का कार्य चल रहा है।

मंदिर-मस्जिद, गुरुद्वारों-गिरजाघरों पर जांचे गए ध्वनि विस्तारक यंत्र

मुरादाबाद, (हि.स.)। जनपद में सोमवार की सुबह धार्मिक स्थलों पर लगे ध्वनि विस्तारक यंत्रों की जांच की गई। जहां एक से अधिक साउंड लगे थे उसे उतरवाया गया। अभियान के दौरान कटघर थाना क्षेत्र के ताजपुर माफी में अहमद रजा मस्जिद में तीन सुराही (लाउडस्पीकर) लगे मिले। इसमें से पुलिस ने दो सुराही उतरवाई हैं। मस्जिद के मौलाना नदीम को पुलिस ने भविष्य में दोबारा एक से अधिक सुराही लगाने पर कड़ी कार्रवाई के लिए भी चेताया है। धार्मिक स्थलों पर 40 डेसीबल तक का वॉल्यूम सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी की गई गाइड लाइन में दिया गया है। इससे अधिक वॉल्यूम में लाउडस्पीकर बजाने पर कार्रवाई हो रही है। किसी भी धार्मिक स्थल पर लगे लाउडस्पीकर की आवाज उसके परिसर से बाहर नहीं जानी चाहिए। इसी के अनुपालन में सोमवार की सुबह पांच से सात बजे तक पुलिस अधिकारियों ने धार्मिक स्थलों पर पहुंचकर निरीक्षण किया है। कटघर व गलशहीद थाना क्षेत्रों के कई धार्मिक स्थलों पर पर ध्वनि विस्तारक यंत्र मानक से अधिक वाले भी पाए गए। संबंधित लोगों को समझाकर चेतावनी दी गई है। उन्होंने बताया कि कटघर थाना क्षेत्र में कुल 177 धार्मिक स्थल हैं। इनमें 92 मस्जिद और 77 मंदिर व अन्य धार्मिक स्थल को चेक किया गया। गलशहीद थाना क्षेत्र में 45 मस्जिद, 9 मंदिर समेत कुल 54 धार्मिक स्थल पर चेकिंग की गई, जहां सुबह चले अभियान के बीच में 10 मस्जिदों में लगे लाउडस्पीकर की आवाज कम भी कराई गई है। इसी के साथ सदर कोतवाली, थाना सिविल लाइन, कोतवाली ठाकुरद्वारा, बिलारी, थाना मुगलपुरा, कुंदरकी, मैनाठेर, मझोला, डिलारी, भोजपुर, सोनकपुर देहात आदि सभी क्षेत्रों में चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक नगर अखिलेश भदौरिया ने बताया कि पुलिस महानिदेशक के स्तर पर जारी निर्देश के क्रम में सोमवार सुबह मंदिर-मस्जिद व अन्य धार्मिक स्थलों पर लगे लाउडस्पीकर में वॉल्यूम के विस्तार की जांच की गई है। उन्होंने बताया कि जिन स्थलों पर मानक से अधिक ध्वनि विस्तार पाया गया हैं वहां कारवाई हुई। इसके संबंध में प्रत्येक थाने से सूचना एकत्र की जा रही है।

एचसीएल ने सचिवालय को हराया, बैंक आफ इंडिया ने माइक्रोलिट को दी मात

लखनऊ, (हि.स.)। इंटर आफिस क्रिकेट टूर्नामेंट के लीग मैच में एचसीएल टेक ने सचिवालय की किकेट टीम को 47 रन से मात दे दी। इस मैच में एचसीएल के रोहित शर्मा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार विकेट लिये। वहीं दूसरे मैच में बैंक आफ इंडिया ने माइक्रोलिट को हरा दिया। एचसीएल टेक ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट गवांकर 183 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज अर्पण सिंह ने सात चौका और दो छक्का की मदद से 29 बाल पर 46 रन बनाये। वहीं विभास निगम ने 33 रन का योगदान दिया, जबकि प्रसनजीत ने 32 रन बनाये। सचिवालय की टीम 136 रन पर ही ऑल आउट हो गयी और एचसीएल ने मैच को 47 रन से जीत लिया। सचिवालय के अभिषेक पाठक ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 12 चौका और चार छक्का की मदद से 47 बाल पर 90 रन बनाये, लेकिन इसके बाद दूसरा कोई भी बल्लेबाज मैदान में टिक नहीं सका। वहीं दूसरे मैच में बैंक आफ इंडिया ने माइक्रोलिट को 63 रन से हरा दिया। बैंक आफ इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 180 रन बनाये। राजा हुसैन सर्वाधिक 49 रन का योगदान दिया। वहीं विनोद तिवारी 42 रन बनाया। वहीं माइक्रोलिट की टीम 117 रन बना पाई और बैंक आफ इंडिया की टीम 63 रन से जीत गयी।

राम मंदिर की रक्षा के लिए हिन्दुओं ने सत्रह दिनों तक अनवरत संघर्ष किया

लखनऊ, (हि.स.)। श्रीराम जन्म भूमि पर स्थित राममंदिर को मुगल सेना तोड़ रही है। यह सूचना जंगल में आग की तरह चारों तरफ फैल गई। लोग जुटने लगे, हिंदुओं में आक्रोश फैल गया। विरोध और संघर्ष का सिलसिला शुरू हुआ। अनगिनत बलिदानों से अयोध्या की धरती लाल हो उठी। संत, महंत, आचार्य, पुजारी, वेदपाठियों का बलिदान होने लगा तो स्थानीय जनता भी पीछे नहीं रही। राम मंदिर की रक्षा के लिए सत्रह दिनों तक संघर्ष जारी रहा। मुगल सेना के पास बड़ी संख्या में घुड़सवार सैनिकों के अलावा हाथियों का लंबा काफिला था। इसके अलावा वह उस जमाने की तोप से भी लैश थे। इन तोपों का इस्तेमाल मंदिर को गिराने में भी किया जा रहा था। अयोध्या का इतिहास में लाला सीताराम लिखते हैं कि करीब 17 दिनों के संघर्ष के बाद तोपों की मार से मंदिर लगभग ध्वस्त हो चुका था। माना यह जाता है कि हिंदू पक्ष से कुल एक लाख छिहत्तर हजार लोग मारे गए लेकिन इससे कई गुना अधिक मुगल सैनिक मारे गए। प्रयाग विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग के प्रोफेसर डीपी दूबे बताते हैं कि पहले जब संदेश का माध्यम डाक विभाग हुआ करता था तब लोग चिट्ठियां भेजते समय लिफाफे पर एक लाख छिहत्तर लिखा करते थे। जिसका आशय उन बलिदानों को याद करना और एक दूसरे को मंदिर विध्वंस की याद दिलाना हुआ करता था। दूसरी मान्यता यह है कि जिसके नाम से चिट्ठी होती थी उसके अलावा कोई और पढ़े तो उसे इतने ही मानव हत्या का पाप लगेगा। इस युद्ध में भीटी के राजा महताब सिंह, हंसबर के राजा रणविजय सिंह, महरही के राजा संग्राम सिंह और उनकी सेना के अधिकांश सैनिक मारे गए। मुगल कालीन इतिहास के जानकार शोध छात्र अवनीश पाण्डेय बताते हैं कि इस युद्ध के बाद बाबर ने सरकारी फरमान जारी करते हुए हिंदूओं के अयोध्या जाने पर प्रतिबंध लगा दिया था।

दिल्ली रायल्स को हराकर लखनऊ नवाब का खिताब पर कब्जा

लखनऊ, (हि.स.)। सिडबी इंटर जोनल टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में लखनऊ नवाब ने दिल्ली रायल्स को 70 रन से हराकर खिताब पर कब्जा जमा लिया। इस मैच में लखनऊ नवाब के आलराउंडर तेजस ने धुआंधार बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी भी शानदार की। लखनऊ नवाब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में दो विकेट गवांकर 185 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज आशुतोष ने पांच चौकों की मदद से 56 बाल पर सर्वाधिक 58 रन बनाये, जबकि तेजस सेट्टी ने छह चौका और एक छक्का की मदद से 26 बाल पर ही 44 रन बना डाले। उन्होंने दो विकेट भी चटकाए। ताराकांत ने 53 रन का योगदान दिया। दिल्ली रायल्स की टीम 115 रन ही बना सकी और लखनऊ नवाब की टीम 70 रन से मैच जीत गयी। मैन ऑफ द टूर्नामेंट तेजस बने। बेस्ट फिल्डर का खिताब अविनाश झा को दिया गया।

हाई कोर्ट से एसपी ने लड़के के डीएनए रिपोर्ट प्रस्तुत करने को लेकर मांगा समय

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट में सोमवार को साहिबगंज में चाइल्ड ट्रैफिकिंग से जुड़े एक मामले में आरोपित कुलदेव साह की क्रिमिनल अपील मामले में साहिबगंज एसपी नौशाद आलम ने शपथ पत्र दाखिल किया है। एसपी आलम ने हाई कोर्ट से समय देने का आग्रह करते हुए कहा है कि डीएनए टेस्ट लंबी प्रक्रिया है, जिसमें लगभग 30 दिन का समय लगता है। ऐसे में इस मामले में डीएनए रिपोर्ट दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय दिया जाए। इस मामले की सुनवाई 28 नवंबर को जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की खंडपीठ में होने को लेकर सूचीबद्ध है। खंडपीठ ने पिछले सुनवाई में दो गुमशुदा बच्चों में से बरामद किए गए एक बच्चे के डीएनए टेस्ट की रिपोर्ट डायरेक्टर फॉरेंसिक साइंस लैबोरेट्री, रांची से मांगी थी। कोर्ट ने मामले में डायरेक्टर, फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला, रांची की ओर से नोटिस जारी किया था। मामले में राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि गुमशुदा बच्चों में से एक लड़के का पता लगा लिया गया है, लेकिन उसके पिता और अन्य रिश्तेदारों से उसकी पहचान को लेकर कुछ भ्रम की स्थिति है, इसलिए, सरकार ने पिता और लड़के का नमूना लेकर डीएनए टेस्ट के लिए फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला रांची भेज दिया गया है। अब डीएनए टेस्ट की रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। मामले में प्रतिवादी की ओर से अधिवक्ता प्रत्यूष लाल और दीपक साहू ने पैरवी की थी। कुलदेव साह और वीरेंन साह के खिलाफ परिवादी एम हेंब्रम ने साहिबगंज कोर्ट में परिवाद दर्ज करवाया है।

मुख्यमंत्री ने गुरुग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेक राज्यवासियों की खुशहाली की कामना की

रांची, (हि.स.)। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन सोमवार को पीपी कम्पाउंड स्थित गुरु नानक स्कूल परिसर पहुंचकर वहां आयोजित "554वें प्रकाश उत्सव" कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गुरुग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेक राज्यवासियों की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री ने समस्त सिख समुदाय एवं देशवासियों को गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व और कार्तिक पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि आज का दिन पवित्र दिन है। आज के दिन को गुरु पूर्णिमा के रूप में भी मनाया जाता है। वैसे तो मुझे कई मौकों पर इस परिसर में आने का मौका मिला है। परंतु आज का दिन हम सभी के लिए काफी विशेष दिन है क्योंकि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गुरुग्रंथ साहिब की स्थापना स्थल पर मुझे मत्था टेकने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज बहुत कुछ बोलने का नहीं बल्कि सुनने का दिन है। इस परिसर में आज बड़ी संख्या में सिख समुदाय के लोग उपस्थित हुए हैं। यहां उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को मैं अपनी ओर से प्रकाश उत्सव की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। मुख्यमंत्री ने वार्ड संख्या-23/24 के अंतर्गत कडरू एवं हिंदपीढ़ी मुख्य पथ के बीच सेतु निर्माण का शिलान्यास किया। इस अवसर पर सांसद संजय सेठ, राज्यसभा सांसद महुआ माजी, उपाध्यक्ष झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग श्री ज्योति सिंह मथारू, गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा के अध्यक्ष गुरमीत सिंह, महासचिव गगनदीप सिंह सेठी, वित्त प्रधान त्रिलोचन सिंह, गुरु नानक स्कूल के सचिव परमजीत सिंह सहित अन्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

फिजिकल एजुकेशन के शिक्षक पद की नियुक्ति प्रक्रिया में बीसीए-बीबीए योग्यता वाले अभ्यर्थियों को कंसीडर करने का निर्देश

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट ने झारखंड स्टाफ सिलेक्शन कमीशन (जेएसएससी) द्वारा फिजिकल एजुकेशन टीचर पद के लिए बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए) एवं बैचलर इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए) की शैक्षणिक योग्यता रखने वाले अभ्यर्थी पूर्णिमा कुमारी, अभिजीत कुमार सिन्हा एवं आशुतोष कुमार के कट-ऑफ से ज्यादा अंक आने के बाद भी उम्मीदवारी कंसीडर नहीं करने के मामले को लेकर दायर रिट याचिका को स्वीकार कर लिया है। कोर्ट ने इन्हें फिजिकल एजुकेशन के शिक्षक पद की नियुक्ति प्रक्रिया में कंसीडर करने का निर्देश जेएसएससी को दिया है। जेएसएससी ने फिजिकल एजुकेशन शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया में बीबीए एवं बीसीए की डिग्री वाले अभ्यर्थियों को क्रमशः कॉमर्स एवं साइंस के ग्रेजुएशन डिग्री के समक्ष नहीं माना था। साथ ही इन्हें नियुक्ति से वंचित रखा था। इससे पहले भी हाई कोर्ट ने मुकेश रंजन एवं राजदेव सिंह के केस में बीबीए को कॉमर्स के अंतर्गत तथा बीसीए को साइंस के अंतर्गत माना था। उसी के आधार पर हाई कोर्ट के जस्टिस राजेश शंकर की कोर्ट ने याचिकाकर्ता पूर्णिमा, अभिजीत एवं आशुतोष के मामले में इन्हें भी नियुक्ति प्रक्रिया में कंसीडर करने का आदेश दिया है। साथ ही इन अभ्यर्थियों को जेएसएससी की ओर से जारी शोकॉज नोटिस को रद्द कर दिया है। पूर्व में हुई सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने मुकेश रंजन एवं राजदेव सिंह के मामले में अपने आदेश में कहा था कि बीसीए साइंस स्ट्रीम का अभिन्न अंग है। जेएसएससी ने ट्रेंड ग्रेजुएट टीचर, फिजिकल एजुकेशन के विज्ञापन संख्या 21/ 2016 में अभ्यर्थियों के लिए साइंस, आर्ट्स या कॉमर्स स्ट्रीम में 45 प्रतिशत अंक के साथ ग्रेजुएशन की अर्हता निर्धारित की थी, जबकि याचिकाकर्ता के पास बीबीए, बीसीए की डिग्री थी। परीक्षा में कटऑफ से ज्यादा अंक लाने के बाद भी जेएसएससी ने डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के समय याचिकाकर्ता की उम्मीदवारी रद्द कर दी थी, जिसे हाई कोर्ट में चुनौती दी गई थी।

सतत जीविकोपार्जन योजना ने दिव्यांग अजमेरी को खड़ा कर दिया अपने पांव पर

पटना , (हि.स.)। कहावत है अगर हौसला बुलंद हो तो कोई भी काम मुश्किल नहीं है। ऐसा करके दिखाया है बेगूसराय जिला के बरौनी प्रखंड स्थित नूरपुर पंचायत की अजमेरी खातुन ने। अजमेरी दिव्यांग है, अजमेरी के पति मो. आलम भी पांवों से लाचार हैं। 2018 से पहले तक अजमेरी और उनके पति के पास कोई काम नहीं था। दिव्यांग होने के कारण उन्हें कोई काम भी नहीं देना चाहता था। काम की कमी एवं रोजगार के अभाव के कारण उनकी आर्थिक स्थिति दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही थी। हालत यह थी कि अजमेरी खातुन के परिजनों को दो समय के खाने तक की व्यवस्था नहीं थी। इसी दौरान सतत जीविकोपार्जन योजना द्वारा चलाए गए विशेष अभियान में अजमेरी खातुन की दयनीय स्थिति को देखकर उनका चयन योजना के लाभार्थी के रूप में किया गया। सतत जीविकोपार्जन योजना के लाभार्थी के रूप में चयन के बाद अजमेरी का जीवन पूरी तरह बदल गया। अजमेरी ने योजना से मिली आर्थिक मदद से 2018 में किराने की एक छोटी दुकान अपने घर में ही खोल लिया। इस दुकान से होने वाली आय से उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होने लगा। सतत जीविकोपार्जन योजना द्वारा उनमें व्यवसायिक समक्ष विकसित करने एवं आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए प्रशिक्षित भी किया गया। जिसका सीधा लाभ अजमेरी के व्यवसाय में दिखा। अजमेरी खातुन बताती हैं कि जब उनका चयन एसजेवाई के लिए किया गया तो मेरी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। योजना से जुड़ाव के बाद आर्थिक मदद के साथ-साथ मेरी व्यवसायिक समझ एवं आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षित भी किया गया। प्रशिक्षण के बाद मैंने अपने घर में किराने की दुकान को प्रारंभ किया। किराने की दुकान से आमदनी बढ़ी तो मैंने घर के सामने ही गुमटी में एक और दुकान मनिहारी का शुरू कर लिया। उन्होंने बताया कि दोनों दुकान पति-पत्नी मिलकर चलाते हैं। मेरे तीनों बच्चे भी मेरे कार्यों में मदद करते हैं। मनिहारी दुकान से भी काफी अच्छी आमदनी होने लगी।

समय बदला और दोनों दुकान की आमदनी से अजमेरी ने बकरी पालन का निर्णय लिया और एक बकरी खरीद लिया। अभी उनके पास तीन बकरी है। एसजेवाई योजना से ग्रेजुएट हो चुकी अजमेरी खातुन को तीनों व्यवसायिक गतिविधियों से प्रतिमाह आठ से दस हजार रुपये की आमदनी हो रही है। आर्थिक रूप से स्वावलंबी होने के कारण अब अजमेरी और उनके परिवार का जीवन पूरी तरह बदल गया है। अब वह आर्थिक रूप से सशक्त हैं। उनके तीनों बच्चे अब विद्यालय जाते हैं। अजमेरी को सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ भी मिल रहा है। अजमेरी कहती हैं कि उनके जीवन में आए बदलाव में सतत जीविकोपार्जन योजना और जीविका की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अगर मुझे सतत जीविकोपार्जन योजना की मदद नहीं मिलती तो शायद मेरी स्थिति और भी ज्यादा खराब होती। अजमेरी और आगे बढ़ना चाहती हैं, वह अपने जीवन में आई खुशियों के लिए सतत जीविकोपार्जन योजना एवं जीविका को धन्यवाद देती हैं। यह तो थी एक अजमेरी की कहानी, बेगूसराय में ऐसी सैकड़ों अजमेरी है। केन्द्र सरकार और बिहार सरकार के प्रयास से चल रही सतत जीविकोपार्जन योजना ने ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को इतना आत्मनिर्भर कर दिया है कि वे देश, राज्य और समाज के आर्थिक समृद्धि का बड़ा श्रोत बन गई हैं।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में प्रधानमंत्री अप्रेंटिस शिप मेला आयोजित

सहरसा, (हि.स.)। कौशल भारत सशक्त भारत योजना के तहत सोमवार को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में प्रधानमंत्री अप्रेंटिस शिप मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत संस्थान के प्राचार्य राहुल कुमार के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम को विभिन्न कंपनियों की ओर से आए प्रमुखों और संस्थान के वरीय कर्मचारियों द्वारा संबोधित किया गया।सिमरी आईटीआई के ग्रुप अनुदेशक संजीव कुमार वर्मा ने कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद छात्रों को ट्रेनिंग तथा अप्रेंटिसशिप की ओर विशेष ध्यान देना चाहिए। इससे प्राप्त अनुभव व्यवसायिक जीवन में कारगर साबित होते हैं। संस्थान के ग्रुप अनुदेशक मो रैयाज हुसैन ने अप्रेंटिसशिप एक्ट को समझाया तथा प्रशिक्षणार्थियों को सरकार की ओर से मिलने वाली तमाम सुविधाओं का जिक्र किया। ग्रुप अनुदेशक अखिलेश कुमार ने विस्तार से विभिन्न प्रकार के कंपनी और उसके कार्यों को समझाया कि कैसे छात्र भविष्योन्मुखी होकर बेहतर प्रतिष्ठानों का चुनाव कर सकते है। इसके अलावा औद्योगिक, कृषि, मेंटेनेंस इत्यादि जगत की ढेरों कंपनियों के नेतृत्वकर्ता द्वारा बच्चों को संबोधित किया गया तथा कम्पनी के कार्यक्षेत्रों से अवगत कराया गया। प्रमुख रूप से एमएमएच सर्विस प्राइवेट लिमिटेड, महालक्ष्मी इंटरप्राइजेज, लगून हुंडई, अपर्णा इंटरप्राइजेज, आरभीएन किसान डिजीटेक प्राइवेट लिमिटेड आदि कंपनियों की सहभागिता रही। मेले में तकरीबन 123 बच्चों का पंजीकरण कराया गया तथा अंतिम रूप से 38 छात्रों एवं 14 छात्राओं का चयन विभिन्न प्रतिष्ठानों के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन करते हुए प्राचार्य राहुल कुमार ने कहा कि संस्थान ऐसे कार्यक्रम नियमित अंतराल पर आयोजित करने को लेकर प्रतिबद्ध है। आगे उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा बच्चें पंजीकरण करवा लें ताकि समय दर समय उनके शैक्षणिक योग्यता के अनुसार सरकार द्वारा मिलने वाले अवसरों का लाभ उठा सके। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्थान के सभी कर्मियों का विशेष योगदान रहा।

आरक्षण दायरा 65 प्रतिशत किए जाने के बिहार सरकार के फैसले को पटना हाई कोर्ट में चुनौती

पटना, (हि.स.)। पिछड़ी और अतिपिछड़ी जातियों का आरक्षण 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत किये जाने के राज्य सरकार के फैसले को पटना हाई कोर्ट में सोमवार को चुनौती दी गयी है। हाई कोर्ट में नमन श्रेष्ठ और गौरव कुमार की ओर से दायर जनहित याचिका में नीतीश सरकार के फैसले को मौलिक अधिकारों का उल्लंघन बताया गया है। इस जनहित याचिका में इन संशोधनों पर रोक लगाने की मांग की गयी है। याचिका में कहा गया है कि ये संशोधन जाति सर्वेक्षण के आधार पर किया गया है। इन पिछड़ी जातियों का प्रतिशत इस जातिगत सर्वेक्षण में 63.13 प्रतिशत था, जबकि इनके लिए आरक्षण 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत कर दिया गया है। याचिका में कहा गया है कि संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों को उचित प्रतिनिधित्व देने के आरक्षण की व्यवस्था की गयी थी, न कि जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण देने का प्रावधान। ये 2023 का संशोधित अधिनियम भारतीय संविधान के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। संशोधन के अनुसार अनुसूचित जाति का आरक्षण 16 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत और अनुसूचित जनजाति के एक प्रतिशत आरक्षण को बढ़ाकर दो प्रतिशत किया गया। इसी तरह पिछड़ा वर्ग को 12 से बढ़ाकर 18 और अति पिछड़ा को 18 से बढ़ाकर 25 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। बिहार विधान मंडल ने बीते 10 नवम्बर को संशोधन पारित किया और राज्यपाल ने इन कानूनों पर 18 नवम्बर को मंजूरी दे दी। इसके बाद राज्य सरकार ने 21 नवम्बर को गजट में इसकी अधिसूचना जारी कर दी।

संपादकीया

लड़ाई में आया यह ठहराव पूर्ण युद्धविराम में बदलना चाहिए

हमास और इजराइल युद्ध में डेढ़ महीने से ज्यादा का वक्त गुजर के बाद दोनों पक्ष युद्ध विराम के लिए राजी हो गए हैं। एक बड़े घटनाक्रम में इजराइल के मंत्रिमंडल ने हमास के साथ चार दिन के युद्ध विराम को मंजूरी दे दी है जिससे युद्धग्रस्त गाजा में लड़ाई अस्थायी रूप से रुक जाएगी। समझौते के अंतर्गत हमास गाजा में बंधक बनाए गए लगभग 240 लोगों में से 50 को रिहा करेगा। इजराइल 10 बंधकों के बदले एक दिन का युद्ध विराम और बढ़ा देगा। इजराइल ने गाजा में अतिरिक्त ईंधन और मानवीय सहायता की बड़ी खेप भेजने की भी अनुमति दे दी है। इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि युद्ध विराम की अवधि समाप्त हो जाने पर उनका देश हमास के खिलाफ अभियान जारी रखेगा। इजराइल और हमास के बीच चल रहे संघर्ष में अब तक सीमा के दोनों तरफ सैकड़ों की संख्या में लोगों की मौत हो चुकी है। सवाल किया जा सकता है कि आखिर डेढ़ महीने बाद समझौता क्यों हुआ? 7 अक्तूबर को हमास ने अचानक हमला कर 200 से ज्यादा इजराइली समेत कई देशों के नागरिकों को बंधक बना लिया था। डेढ़ महीने के बाद भी इन बंधकों की रिहाई न होने के बाद इनके परिजन विरोध प्रदर्शन के लिए सड़क पर उतर आए हैं। प्रभावित परिवारों ने इजराइली युद्ध कैबिनेट के सदस्यों से मुलाकात करने के बाद उन्हें घर लाएं' नाम का एक अभियान चलाया। इजराइली सेना द्वारा की गई बमबारी और उसके बाद जमीनी आक्रमण ने गाजा में मानवीय संकट पैदा कर दिया है। यहां हर दिन खराब होती मानवीय स्थिति के चलते इजराइल पर अंतरराष्ट्रीय दबाव भी बढ़ रहा है। गाजा में भोजन, पानी, ईंधन और दवाओं की बेहद कमी है। गाजा पट्टी में जो लोग प्रभावित हो रहे हैं, वे सामान्य लोग हैं। हमास द्वारा फैलाई गई दहशत के मद्देनजर इजराइल का गुस्सा समझ में आता है, लेकिन इसके जवाब में इजराइल सामूहिक रूप से गाजा के निर्दोष लोगों को सजा दे रहा है। जानकारों का मानना है कि हमास फिर से संगठित होने के लिए किसी भी युद्धविराम का इस्तेमाल करना चाहता है। वहीं, दूसरी ओर इजराइल इस स्थिति में आकर अब जवाबी कार्रवाई नहीं रोकना चाहेगा। उसने हमास को जड़ से मिटाने की कसम खाई है। इजराइल हमास युद्ध ने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। युद्ध का असर सिर्फ इजराइल और फिलिस्तीन तक सीमित नहीं रह जाएगा, बल्कि आज के ग्लोबल इकोनॉमी के दौर में दुनियाभर के देश इससे प्रभावित होंगे। किसी भी युद्ध का प्रभाव विश्वव्यापी होता है। हमास और इजराइल के बीच युद्ध का प्रभाव भी विश्वव्यापी है। चाहे अमेरिका हो, यूरोप हो, मिडिल ईस्ट हो या साउथ एशिया, सब देशों पर इस युद्ध का प्रभाव पड़ रहा है। तो ऐसे समय में संतुलित और व्यवस्थित उपाय ढूंढ़ने की कोशिश की जानी चाहिए। इजराइल और हमास का एक समझौते पर पहुंचना ताता है कि खूनी लड़ाई के बीच भी दोनों पक्ष एक-दूसरे के साथ संवाद के लिए तैयार हैं। उन्हें इस समझौते से पैदा हुए माहौल का फायदा उठाते हुए लड़ाई में आए इस ठहराव को आगे बढ़ाकर एक पूर्ण युद्धविराम में बदलना चाहिए। सभी बंधकों को रिहा कराने, फिलिस्तीनियों को स्थायी राहत प्रदान करने और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को शांत करने का यही एकमात्र तरीका है।

इजराइल 10 बंधकों के बदले एक दिन का युद्ध विराम और बढ़ा देगा। इजराइल ने गाजा में अतिरिक्त ईंधन और मानवीय सहायता की बड़ी खेप भेजने की भी अनुमति दे दी है। इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि युद्ध विराम की अवधि समाप्त हो जाने पर उनका देश हमास के खिलाफ अभियान जारी रखेगा। इजराइल और हमास के बीच चल रहे संघर्ष में अब तक सीमा के दोनों तरफ सैकड़ों की संख्या में लोगों की मौत हो चुकी है। सवाल किया जा सकता है कि आखिर डेढ़ महीने बाद समझौता क्यों हुआ? 7 अक्तूबर को हमास ने अचानक हमला कर 200 से ज्यादा इजराइली समेत कई देशों के नागरिकों को बंधक बना लिया था। डेढ़ महीने के बाद भी इन बंधकों की रिहाई न होने के बाद इनके परिजन विरोध प्रदर्शन के लिए सड़क पर उतर आए हैं। प्रभावित परिवारों ने इजराइली युद्ध कैबिनेट के सदस्यों से मुलाकात करने के बाद उन्हें घर लाएं' नाम का एक अभियान चलाया। इजराइली सेना द्वारा की गई बमबारी और उसके बाद जमीनी आक्रमण ने गाजा में मानवीय संकट पैदा कर दिया है। यहां हर दिन खराब होती मानवीय स्थिति के चलते इजराइल पर अंतरराष्ट्रीय दबाव भी बढ़ रहा है। गाजा में भोजन, पानी, ईंधन और दवाओं की बेहद कमी है। गाजा पट्टी में जो लोग प्रभावित हो रहे हैं, वे सामान्य लोग हैं। हमास द्वारा फैलाई गई दहशत के मद्देनजर इजराइल का गुस्सा समझ में आता है, लेकिन इसके जवाब में इजराइल सामूहिक रूप से गाजा के निर्दोष लोगों को सजा दे रहा है। जानकारों का मानना है कि हमास फिर से संगठित होने के लिए किसी भी युद्धविराम का इस्तेमाल करना चाहता है। वहीं, दूसरी ओर इजराइल इस स्थिति में आकर अब जवाबी कार्रवाई नहीं रोकना चाहेगा। उसने हमास को जड़ से मिटाने की कसम खाई है।

वोटों की राजनीति राजधानी के लोगों के जीवन पर भारी पड़ रही है

वोटों की राजनीति के चलते गैस चैंबर बन गए हैं दिल्ली व एनसीआर

योगेन्द्र योगी

दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी परियोजना क्षेत्र के करोड़ों लोग जहरीली हवा लेने को मजबूर हैं। वायु प्रदूषण से मुंबई की हालत भी खराब है। दिल्ली की तरह मुंबई भी गैस चेंबर बनी हुई है। मुंबई की हवा में सांस लेना एक दिन में 100 सिगरेट पीने के बराबर आंकी गई है। दिल्ली की हालत इससे भी कई गुना ज्यादा खराब है। दिल्ली में इतनी बड़ी आबादी लापरवाही और राजनीतिक स्वार्थों के चलते भीषण प्रदूषित हवा से तिल–तिल करने को मजबूर है। हर दिन हजारों की संख्या में श्वांस के रोगियों की तादाद बढ़ रही है। बच्चों और बुजुर्गों का जीना मुहाल हो चुका है। दिल्ली का वायुमंडल विश्व में सबसे प्रदूषित करार दिया जा चुका है।बच्चों और बुजुर्गों का जीना मुहाल हो चुका है। दिल्ली का वायुमंडल विश्व में सबसे प्रदूषित करार दिया जा चुका है।

जर्मनी के तानाशाह हिटलर ने करीब 60 लाख यहूदियों की गैस चैम्बर में जहरीली गैस छोड़ कर हत्या की थी। कमोबेश यही हालत देश के नेता राजधानी दिल्ली के करोड़ों लोगों की कर रहे हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि हिटलर ने नस्लवादी मानसिकता से सुनयोजित तरीके से इस भीषण नरसंहार को अंजाम दिया था और भारत में नेताओं की वोटों की राजनीति के कारण इसे अंजाम दिया जा रहा है। प्रदूषित जहरीली हवा से तिल-तिल करके मरने के लिए करोड़ों लोगों को छोड़ दिया गया है। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी परियोजना क्षेत्र के करोड़ों लोग जहरीली हवा लेने को मजबूर हैं। वायु प्रदूषण से मुंबई की हालत भी खराब है। दिल्ली की तरह मुंबई भी गैस चेंबर बनी हुई है। मुंबई की हवा में सांस लेना एक दिन में 100 सिगरेट पीने के बराबर आंकी गई है। दिल्ली की हालत इससे भी कई गुना ज्यादा खराब है। दिल्ली में इतनी बड़ी आबादी लापरवाही और राजनीतिक स्वार्थों के चलते भीषण प्रदूषित हवा से तिल-तिल करने को मजबूर है। हर दिन हजारों की संख्या में श्वांस के रोगियों की तादाद बढ़ रही है। बच्चों और बुजुर्गों का जीना मुहाल हो चुका है। दिल्ली का वायुमंडल विश्व में सबसे प्रदूषित करार दिया जा चुका है। वोटों की राजनीति राजधानी के लोगों के जीवन पर भारी पड़ रही है। यदि सुप्रीम कोर्ट इसमें दखल नहीं देता तो दिल्ली और आस-पास के हालात शायद हिटलर के कत्लगाह बने जहरीले गैस चैम्बर जैसे बन जाते। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी परियोजना क्षेत्र में जानलेवा बने वायु प्रदूषण के मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दिल्ली की दमघोंटू जहरीली हवा लोगों के स्वास्थ्य की हत्या के लिए जिम्मेदार है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दिल्ली में वायु प्रदूषण एक राजनीतिक लड़ाई नहीं बन सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हर सर्दियों में दिल्ली के वायु प्रदूषण में बड़े पैमाने पर बढ़ोतरी के पीछे पड़ोसी राज्यों- पंजाब और हरियाणा में पराली जलाना एक प्रमुख कारक है। इसमें पंजाब सरकार से पराली जलाने पर रोक लगाने के लिए कदम उठाने को कहा गया। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार के वकील से कहा कि हम नहीं जानते कि आप इसे कैसे करते हैं, यह आपका काम है। लेकिन इसे रोका जाना चाहिए। तुरंत कुछ किया जाना चाहिए। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील अपराजिता सिंह ने कहा कि पंजाब में खेतों में लगने वाली आग पर काबू नहीं पाया जा सका है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की वायु गुणवत्ता में गिरावट के लिए पराली जलाने का प्रमुख योगदान है। उन्होंने कहा कि सीएक्यूएम (वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग) और राज्य कह रहे हैं कि वे वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सभी कदम उठा रहे हैं। लेकिन पराली जलाना अभी भी जारी

है। प्रदूषण की समस्या को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब और उत्तर प्रदेश को निर्देश देते हुए कहा कि ये राज्य पराली जलाना तुरंत बंद कर दें। मामले पर कोर्ट ने दिल्ली सरकार को निशाने पर लिया। जस्टिस संजय किशन कौल और सुधांशु धुलिया की बेंच ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण कम करने वाले स्मॉग टावर लगाए गए और उनका खूब प्रचार किया गया लेकिन वह बंद पड़े हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की तरफ से पराली को नष्ट कर खाद बनाने वाले केमिकल के प्रचार पर भी सवाल उठाया। कोर्ट ने कहा कि दिल्ली सरकार ने पराली को खाद बनाने वाले एक केमिकल का दावा किया था। क्या यह कभी सफल हुआ? लगता है यह सब सिर्फ दिखावा ही था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले में केवल एक दूसरे पर दोषारोपण का खेल जारी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमने अपना बुलडोजर शुरू किया तो हम नहीं रुकेंगे। अदालत ने यह भी पूछा कि पंजाब में धान क्यों उगाया जा रहा है, जबकि जलस्तर पहले से ही इतना नीचे है। आप क्या कर रहे हैं? अपने जलस्तर को देखें। आप पंजाब में धान की अनुमति क्यों दे रहे हैं? आप पंजाब को हरित भूमि से बिना फसल वाली भूमि में बदलना चाहते हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि पंजाब में धान की खेती का विकल्प खोजा जाए। पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में कोई कमी नहीं आ रही है। पराली जलाने की बढ़ती घटनाओं से राज्य की आबोहवा खराब हो रही है। इसका असर दूसरे राज्यों पर भी पड़ रहा है। प्रमुख शहर जैसे अमृतसर, बठिंडा, लुधियाना में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) काफी खराब कैटेगरी में चल रहा है। पंजाब में सबसे ज्यादा पराली जलाने के मामले सामने आए हैं। पंजाब में कुल 1,830 मामले दर्ज किया जा चुके हैं। फिरोजपुर दूसरे नंबर पर हैं। अकेले फिरोजपुर में 299 मामले पराली जलाने के दर्ज किए गए है। दिवाली के बाद वायु प्रदूषण की हालत और भी खराब हो गयी है। चिकित्सकों के मुताबिक पिछले कुछ महीनों से ऐसे मरीजों की संख्या बढ़ रही है, जो फेफड़ों के इंफेक्शन से ठीक होने के बाद भी सांस फूलने की शिकायत कर रहे हैं। युवा मरीजों में भी ऐसे लक्षण दिखाई दे रहे हैं। कई गंभीर मरीजों को आईसीयू में भर्ती करना पड़ा है। ऐसे लक्षणों वाले सभी मरीजों में करीब 50 प्रतिशत या दो में से एक जो ओपीडी में आ रहे हैं, उन्हें कम से कम एक या दो दिनों के लिए भर्ती होना पड़ रहा है। करीब 30 प्रतिशत मरीजों को आईसीयू में एडमिट होने की जरूरत होती है। वायु प्रदूषण से लंग्स कैंसर के मामले भी बढ़ रहे हैं। द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, वायु प्रदूषण के कारण 2019 में भारत में 16.7 लाख से अधिक लोगों की मौत हुई। जो देश में अब तक हुई कोविड-19 से हुई मौतों से दस गुना अधिक है। जिससे लगभग 36.8 बिलियन डॉलर (2,71,446 करोड़ रुपये) का आर्थिक नुकसान हुआ। एम्स, आईसीएमआर और आईआईटी-दिल्ली के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन और ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडी, 2019 शीर्षक से, इनडोर और आउटडोर दोनों में वायु प्रदूषण के आर्थिक प्रभाव को मापा गया, क्योंकि इससे समय से पहले होने वाली मौतों के कारण आउटपुट का नुकसान हुआ और रुग्णता बढ़ी। अध्ययन में कहा गया है कि ये मौतें पिछले साल देश में हुई कुल मौतों का 17.8 प्रतिशत थीं, जबकि आर्थिक नुकसान भारत के कुल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 1.36 प्रतिशत था। वायु प्रदूषण से भारत के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि में साल दर साल लगभग 0.56 प्रतिशत की कमी आ रही है, क्योंकि जीडीपी की गणना में शामिल वस्तुओं एवं सेवाओं पर वायु प्रदूषण नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। भारत में वायु प्रदूषण का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अनुशंसित स्तर का लगभग 20 गुना और भारत के अपने मानकों से दो गुने से भी अधिक है। वायु, जल, भूमि और ध्वनि प्रदूषण स्वास्थ्य के साथ-साथ अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। प्रदूषण के लगातार गहराते संकट को देखते हुए अब तो यह भी आशंका व्यक्त की जा रही है कि वायु प्रदूषण से होने वाला आर्थिक नुकसान 2024 तक भारत के 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के सपने पर भी पानी फेर सकता है। प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण वायु प्रदूषण माना जाता है। यह दुनिया में असमय मृत्यु का चौथा सबसे बड़ा कारण है। ऐसा नहीं है कि प्रदूषण से होने वाले देश के लोगों के स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था को होने वाले नुकसान का राजनीतिक दलों और केंद्र व राज्य सरकारों को अंदाजा नहीं है, किन्तु क्षुद्र राजनीतिक स्वार्थों के सामने राष्ट्रवाद बौना साबित हो रहा है। देश की तरक्की और निर्धारित आर्थिक लक्ष्य की प्राप्ति के लिए जरूरी है सरकारें राष्ट्रहित को सर्वोपरी रखें।

दृष्टि कोण

कैसे हो ठोस कचरा प्रबंधन

दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण की समस्या को हम सालों से सुनते आ रहे हैं। एक से एक सनसनीखेज वैज्ञानिक रिपोर्टों की बातों को हमें भूलना नहीं चाहिए। यह भी नहीं कि दिल्ली से निकलने वाले गंदे कचरे कूड़ा–करकट को ठिकाने लगाने का पुख्ता इंतजाम अभी तक नहीं हो पाया है। सरकार यही सोचने में लगी है कि कूड़ा कहां फिंकवाया जाए या इसका निस्तार यानी ठोस कचरा प्रबंधन कैसे किया जाए? जाहिर है इस गुत्थी को सुलझाए बगैर जलाए जाने लायक कूड़े.को चोरी–छुपे जलाने के अलावा और क्या चारा बचता होगा? इस गैर–कानूनी हरकत से उपजे धुएं और जहरीली गैसों की मात्रा कितनी है जिसका कोई हिसाब किसी भी स्तर पर नहीं लगाया जा रहा। इन सबके चलते आम नागरिकों पर सरकार द्वारा लगाए जा रहे प्रतिबंधों से असुविधा हो रही है परंतु सरकार की प्रदूषण नियंत्रक एजेंसियां असल कारण तक नहीं पहुच पा रहीं जब कोई अपने सपनों का वाहन खरीदता है तो उसे उसकी कीमत के साथ–साथ रोड टैक्स

जीएसटी आदि टैक्स भी देने पड़ते हैं। इन टैक्सों का मतलब है कि यह सब राशि सरकार की जेब में जाएगी और घूम कर जनता के विकास के लिए इस्तेमाल की जाएगी परंतु रोड टैक्स के नाम पर ली जाने वाली मोटी रकम क्या वास्तव में जनता पर खर्च होती है? क्या हमें अपनी महंगी गाड़ियां चलाने के लिए साफ–सुथरी सड़कें मिलती हैं? क्या टूटी–फूटी सड़कों की समय से मरम्मत होती है? क्या सड़कों की मरम्मत करने वाली एजेंसियां अपना काम निष्ठा से करती हैं? इनमें से अधिकतर सवालों के जवाब आपको नहीं में मिलेंगे। सवाल यह भी उठता है कि सरकार द्वारा वाहनों प्रदूषण के स्तर को नियंत्रित रखने की कई नियम लागू किए गए हैं। इनमें अहम है कि दस साल पुराने डीजल और पंद्रह वर्ष से अधिक पुराने पेट्रोल वाहन को सड़कों पर चलने की अनुमति न देना। इसके साथ ही जिन वाहनों को चलने की अनुमति है उन सभी में प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र यानी 'पीयूसी' होना अनिवार्य है। पिछले वर्ष नवम्बर में दिल्ली सरकार ने एक आदेश के तहत वैध प्रदूषण प्रमाणपत्र के बिना चलने वाले वाहनों पर 10000 रुपये का मोटा जुर्माना लगाने के आदेश दिए थे। दिल्ली की सड़कों पर परिवहन विभाग और ट्रैफिक पुलिस इसे सख्ती से लागू करते हुए नजर भी आए। हर साल दिवाली के आसपास दिल्ली एनसीआर पर एक जहरीली हवा की चादर चढ़ जाती है। पर्यावरण विशेषज्ञ नेता और संबंधित सरकारी विभाग हर साल की तरह इस साल भी इस समस्या को लेकर सिर खपा रहे हैं। उन्होंने अब तक के अपने सोच–विचार का नतीजा यह बताया है कि खेतों में फसल कटने के बाद जो ठूंठ बचते हैं उन्हें खेत में जलाए जाने के कारण ये धुआं बना है जो एनसीआर के ऊपर छा गया है। लेकिन सवाल उठता है कि यह तो हर साल ही होता है तो नये जवाबों की तलाश क्यों हो रही है? आनन–फानन में हर वर्ष दिल्ली सरकार कड़े कदम उठा कर कई तरह के प्रतिबंध लगा देती है। इनमें निर्माण कार्य पर रोक लगाना भवन की तोड़–फोड़ पर रोक लगाना पुराने डीजल–पेट्रोल वाहनों पर रोक लगाना कूड़े को जलाने पर रोक लगाना आदि शामिल हैं। निर्माण कार्यों पर रोक तो समझ में आती है परंतु जिन पुराने वाहनों पर रोक लगती है उससे सरकार को क्या हासिल होता है यह समझ नहीं आता। उदाहरण के तौर पर यदि आपका वाहन दस साल पुराना नहीं है और उसमें वैध पीयूसी सटफिकेट है तो वह प्रदूषण के तय मानकों की सीमा में ही हुआ यानी आपका वाहन अनियंत्रित प्रदूषण नहीं कर रहा।

कुछ अलग

खूनी होने से बचाना होगा

एक बार फिर से देश में सड़क हादसों पर आई एक सरकारी रिपोर्ट को पढ़कर कोई भी इंसान डर जाता है। समझ नहीं आता कि आखिर कैसे हम अपने यहां होने वाले सड़क हादसों के कारण होने वाली मौतों पर काबू कर पाने में सफल होंगे। फिलहाल तो स्थिति सच में बेहद ही चिंताजनक है। हाल ही में आई इस रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल यानी 2022 में 4.61 लाख सड़क हादसे हुए। इन दुर्घटनाओं में 1.68 लाख लोगों ने जान गंवाई। यह वास्तव में एक बहुत ही बड़ा आंकड़ा है। इन आंकड़ों का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि तकरीबन हर एक घंटे में 53 सड़क हादसे हुए। हम जिस रिपोर्ट की बात कर रहे हैं उसे सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने ही जारी किया है। हादसों का वे अभागे लोग खास तौर पर शिकार हुए जो सीट बेल्ट और हेलमेट का इस्तेमाल नहीं करते मेरा मानना है कि हमारे यहां निजी कारों और दूसरे वाहनों को चलाने वाले ड्राइवरों को जितना काम करना पड़ता है उसके चलते भी बहुत सारे हादसे होते हैं। एक औसत ड्राइवर दिन में 14-15 घंटे ड्यूटी करता है। उसे सोने का सही से मौका नहीं मिलता। उसकी कायदे से नींद पूरी ही नहीं हो पाती। चूंकि उसे अपने बीवी–बच्चों का पेट भरना होता है इसीलिए उसे दिन–रात गाड़ी चलानी पड़ती है। अमृत मान ने 1986 से लेकर 1991 तक अपनी सेकेंडहैंड़ एंबेसेडर कार को टैक्सी के रूप में चलाया। उसके बाद उन्होंने धीरे–धीरे कई टैक्सियां खरीद कर अपनी ट्रांसपोर्ट कंपनी खोल ली। अमृत मान कहते हैं कि वे मन से अब भी ड्राइवर हैं। वे कहते हैं–'ड्राइवरी के पेशे में सिर्फ खटना होता है। ड्राइवर के सुख–दुख से किसी को कोई सरोकार नहीं होता। उसके जीवन में जिल्लत और अपमान ही हैं। उसने कब खाना खाया या नहीं भी खाया वो कहां सोया या नहीं भी सो पाया इससे आम तौर पर किसी को कोई लेना–देना नहीं होता।' आप कभी किसी सरकारी या अन्य बिल्डिंग की पाकंग को देख लें। वहां पर सैकड़ों कारें खड़ी मिलेंगी। किसी एक कार के बोनट पर चार–पांच ड्राइवर ताश खेल रहे होते हैं। उन्हें उनके कुछ साथी देख भी रहे होते हैं। अचानक से बॉस का फोन आया। एक ड्राइवर ने अपने ताश के पत्ते साथी को दिए और निकल पड़ा बॉस को लेने। यही ड्राइवर की जिंदगी है। कब कहां जाना है कुछ पता नहीं। उसे सवाल पूछने तक का हक नहीं है। उसकी ड्यूटी का कोई समय नहीं। आपको देश के बहुत सारे शहरों में सड़क किनारे टैक्सी स्टैंड़ मिलेंगे। वहां पर कुछ ड्राइवर चारपाई पर बैठे होते हैं। पीछे एक छोटा–सा टेंट लगा होता है। इन टेंटों के आसपास ही ड्राइवरों की जिंदगी गुजर जाती है। टेंट में चाय बनाने वाला एक स्टोव भी रखा होता है। कई ड्राइवरों से बात हुई। सबका कहना था कि जब किसी को लेकर शहर से बाहर जाते हैं तो रात को गाड़ी में ही सो जाते हैं। इतना पैसा तो मिलता नहीं कि होटल या धर्मशाला में रुक सकें। बेशक ड्राइवरी के पेशे से वे ही जुड़ते हैं जिनके पास कोई विकल्प नहीं होता। कोई भी ड्राइवर नहीं बनना चाहता। कोई ड्राइवर अपने बच्चों को ड्राइवर बनाना भी नहीं चाहता पर मजबूरी क्या नहीं करवाती। औसत ड्राइवर तो जीवन भर संघर्ष ही करता रहता है। चूंकि ड्राइवरों को रोज 14–15 घंटे तक काम करना होता है तो इनकी सेहत पर भी बहुत बुरा असर पड़ता है। सोने का इन्हें समय नहीं मिल पाता। इसका नतीजा यह होता है कि इतने ज्यादा हादसे होते हैं। ड्राइवर कभी यह नहीं कह सकता कि रात के वक्त चलना खतरे से खाली नहीं है। ड्राइवरों को तो हुक्म को मानना ही है। उसकी सिर्फ कमी निकाली जाएगी। कौन सुनता है उसकी कहानी। आप जानते हैं कि टाटा ग्रुप के पूर्व चेयरमेन सायरस मिस्त्री की एक सड़क हादसे में ही अकाल मौत हुई थी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा मशहूर कलाकार जसपाल भट्टी कांग्रेस के नेता राजेश पायलट और केंद्रीय मंत्री गोपीनाथ मुंडे सड़क हादसों का ही शिकार हुए। अभी तो इन्हें देश को बहुत कुछ देना था।

देश दुनीया से

एफडीआईं की तेज आवक बदलेगी भारत की तस्वीर

वित्त वर्ष 2020–21 के पहले 9 महीनों के दौरान एफडीआईं में 40 फीसदी की बढ़ोतरी हुईं है। जो कि इस अवधि में 51.47 अरब अमेरिकी डॉलर था। बहुत ज्यादा आंकड़ों के सहारे बात नहीं करेंगे। दरअसल भारत में एफडीआईं सरकार की नीतियों और वुछ सेक्टरों के बेहतर प्रदर्शन करने के कारण आ रहा है। यह बात निर्विवाद है। पहले जान लेते हैं कि एफडीआईं क्या है? इसका मतलब क्या होता हैं? भारत की अर्थव्यवस्था को विदेशी निवेश वैसे भारत के चौतरफा विकास में एफडीआईं का अहम रोल रहता है। इसके आने से देश का चौतरफा विकास होता है। यह बिना कर्ज लिए पूंजी जुटाने का एक महत्वपूर्ण रास्ता है। लाभ पहुंचाता है? दरअसल किसी विदेशी व्यक्ति या वंपनी द्वारा किसी भारतीय वंपनी में लगने वाले पैसे को विदेशी निवेश कहा जाता है।

इकबाल का एक शेर है 'वुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी सदियों रहा है दुश्मन दौर-ए-जमां हमारा।' कोरोना जैसी भीषण वैश्विक महामारी से जूझते हुए भारत को लेकर दुनियाभर के निवेशकों का रुख सकारात्मक बना हुआ है। उन्हें भारत में अपना पैसा निवेश करने पर बेहतर रिटर्न की उम्मीद बंधी रहती है। यह गवाही है कि हमारी अर्थव्यवस्था चट्टान की तरह मजबूत हो चुकी है। अगर यह बात सच न होती तो अप्रैल से दिसंबर 2020 के दौरान 67.54 अरब अमेरिकी डॉलर का प्रत्यक्ष पूंजी निवेश (एफडीआईं) देश में न आया होता। यह किसी वित्त वर्ष के पहले 9 महीनों में आया सबसे अधिक एफडीआईं है। वित्त वर्ष 2020-21 के पहले 9 महीनों के दौरान एफडीआईं में 40 फीसदी की बढ़ोतरी हुईं है। जो कि इस अवधि में 51.47 अरब अमेरिकी डॉलर था। बहुत ज्यादा आंकड़ों के सहारे बात नहीं करेंगे। दरअसल भारत में एफडीआईं सरकार की नीतियों और वुछ सेक्टरों के बेहतर प्रदर्शन करने के कारण आ रहा है। यह बात निर्विवाद है। पहले जान लेते हैं कि एफडीआईं क्या है? इसका मतलब क्या होता हैं? भारत की अर्थव्यवस्था को विदेशी निवेश वैसे भारत के चौतरफा विकास में एफडीआईं का अहम रोल रहता है। इसके आने से देश का चौतरफा विकास होता है। यह बिना कर्ज लिए पूंजी जुटाने का एक महत्वपूर्ण रास्ता है। लाभ पहुंचाता है? दरअसल किसी विदेशी व्यक्ति या वंपनी द्वारा किसी भारतीय वंपनी में लगने वाले पैसे को विदेशी निवेश कहा जाता है। विदेशी निवेशक उस वंपनी के शेयर या बांड खरीद सकता है या अपना कोईं उद्योग लगा सकता है। याद रखें कि विदेशी निवेशक अपने पैसे को स्वदेश वापस ले जाने के लिए आजाद है। मतलब किसी भी दूसरे देश की परियोजना या वंपनी में किया जाने वाला निवेश एफडीआईं है। यह सीधा निवेश होता है और लंबी अवधि के लिए होता है। भारत के चौतरफा विकास में एफडीआईं का अहम रोल रहता है। इसके आने से देश का चौतरफा विकास होता है। यह बिना कर्ज लिए पूंजी जुटाने का एक महत्वपूर्ण रास्ता है। यह भी जान लें कि एफडीआईं 'ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड' होती है। अगर कोईं विदेशी वंपनी भारत में निवेश कर अपना नया उद्योग लगाती है तो उसे 'ग्रीनफील्ड' एफडीआईं कहते हैं, लेकिन जब विदेशी वंपनी भारत में पहले से ही चल रहे कारखाने या ब्रांड में हिस्सेदारी खरीदकर या अधिग्रहण कर उसके मैनेजमेंट पर अपना नियंत्रण हासिल कर लेती है तो उसे 'ब्राउनफील्ड' एफडीआईं कहा जाता है। दरअसल सरकार का प्रयास रहा है कि वह एक सक्षम और निवेशक अनुवूल एफडीआईं नीति लागू करे। अगर बात साल 2014 से करें तो इस दिशा में उठाए गए कदमों का परिणाम है कि देश में एफडीआईं प्रवाह लगातार, रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ता जा रहा है। भारत में सबसे अधिक एफडीईं आ रही है इंफोरमेशन टेक्नोलॉजी (आईंटी) सेक्टर में। सबको पता है कि इस सेक्टर ने भारत की किस्मत बदल दी है। देश के करोड़ों नौजवान आईंटी सेक्टर से किसी न किसी रूप में जुड़े

हुए हैं। ये सब बेहतर सैलरी लेकर अपने परिवारों का जीवन भी सुधार रहे हैं। भारत चाहे तो कपड़ा, पूड प्रोसेसिग, इलेक्ट्रानिक, फार्मा, आटो वगैरह सेक्टरों में मोटा एफडीआईं आकर्षित कर सकता है। इस तरफ गौर करना होगा। हाथ पर हाथ धर करके नहीं बैठा सकता। सरकार को पता है कि बिना मोटा एफडीआईं देश का कल्याण नहीं हो सकता। इसीलिए सरकार अनेक कदम उठाती रही है। भारत में जिस गति से एफडीआईं आ रही है, उससे साफ है कि वैश्विक निवेशकों के बीच भारत एक पसंदीदा निवेश की जगह के तौर पर स्थापित हो चुका है। यह बात संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट से सामने आईं है। हमें अब कोशिश करनी होगी कि हम दुनिया के पहले उन तीन देशों में आ जाएं जिन्हें सबसे ज्यादा एफडीआईं मिलती है। अभी हमारा स्थान पांचवां है। हमें पहले तीसरे स्थान पर और फिर पहले स्थान के लिए कोशिश करनी होगी। कोशिश करेंगे तो बात बन भी जाएगी। रिपोर्ट में कहा गया कि देश में कोविड की दूसरी लहर के बावजूद भारत में एफडीआईं की आवक साबित करती है कि निवेशक हमें पसंद करने लगे हैं। अब यह जानना भी महत्वपूर्ण है कि भारत के किस राज्य में सबसे अधिक एफडीआईं पहुंची है। इस लिहाज से कर्नाटक सबसे आगे है। वित्त वर्ष 2021-22 (जुलाईं, 2021 तक) के दौरान वुल एफडीआईं 45 प्रतिशत हिस्से के साथ कर्नाटक में सबसे ज्यादा आया।

आप का नजरीया

सुप्रीम कोर्ट सख्त

जजों की नियुक्ति और उनके तबादलों का मामला दिनो-दिन उलझता दिख रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक बार फिर सरकार का ध्यान इस ओर खींचा कि कलीजियम की सिफारिशों पर अमल के मामले में कथित सिलेक्टिव रवैये की वजह से कई तरह की समस्याएं पैदा हो रही हैं। सुप्रीम कोर्ट कलीजियम ने हाल में हाईकोर्टों के 11 जजों के तबादले की सिफारिश की थी। इनमें से पांच जजों के तबादले कर दिए गए, लेकिन छह जजों का मामला लंबित है। इन लंबित मामलों में चार गुजरात हाईकोर्ट के जजों का है, जबकि एक-एक इलाहाबाद और दिल्ली हाईकोर्ट का। सुप्रीम कोर्ट ने सख्त लहजे में पूछा कि आखिर सरकार क्या संकेत देना चाहती है? जजों की नियुक्ति के मामले में भी ऐसे कई नाम हैं, जो कलीजियम की सिफारिश के बाद भी क्लियर नहीं किए गए हैं जबकि उन्हें कलीजियम के पास पुनर्विचार के लिए भेजे जाने की अपेक्षित अवधि बीत चुकी है। अप्रैल 2021 के अपने एक फैसले में सुप्रीम कोर्ट कह चुका है कि अगर कलीजियम सर्वसम्मति से अपनी सिफारिशें दोबारा भेजता है तो उसके बाद तीन से चार सप्ताह के अंदर केंद्र सरकार को जजों की नियुक्ति कर देनी चाहिए। इन लंबित मामलों में ऐसा नहीं हुआ और अब सुप्रीम कोर्ट केंद्रीय कानून और न्याय मामलों के मंत्रालय के खिलाफ अवमानना संबंधी याचिका पर सुनवाई कर रहा है। इस गतिरोध के पीछे जजों की नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर

कार्यपालिका और न्यायपालिका में उपजे मतभेदों का हाथ माना जा रहा है। यह बात पब्लिक डोमेन में आ चुकी है कि सरकार नियुक्ति के कलीजियम सिस्टम के खिलाफ है। 2015 में ही उसने नैशनल जुडिशल अपॉइंटमेंट कमिशन (NJAC) एक्ट लागू किया था, जिसके मुताबिक जजों की नियुक्ति एक आयोग के जरिए होनी थी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उस एक्ट को असंवैधानिक करार देते हुए मौजूदा कलीजियम सिस्टम को ही बहाल रखा। नियुक्ति की इस प्रक्रिया पर कई तरफ से सवाल उठते रहे हैं। इनमें से कई सवाल वाजिब भी हैं। खुद सुप्रीम कोर्ट भी मान चुका है कि यह सिस्टम फूलप्रूफ नहीं है। लेकिन जब तक किसी नई वैकल्पिक व्यवस्था पर सहमति नहीं बनती, तब तक इसी से काम चलाना होगा। ऐसे में अगर इसे सही ढंग से लागू नहीं किया जाएगा तो न्यायपालिका का काम करना मुश्किल हो जाएगा। व्यवस्था कोई भी हो यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि देश में न्यायपालिका स्वतंत्र ढंग से अपना काम करे और उसके कामकाज में सरकार की अनावश्यक दखलंदाजी न हो। अगर किसी वजह से यह संदेश जाता है कि सरकार कुछ खास जजों के तबादलों को लेकर कोई विशेष आग्रह रखती है तो यह किसी के लिए भी अच्छा नहीं होगा। जजों की नियुक्ति का मसला भी ऐसा ही है। इस गतिरोध को जल्द दूर करना चाहिए।

लंदन की सड़कों पर यहूदी विरोधी भावना के खिलाफ मार्च, भारतीय प्रवासियों ने लिया हिस्सा; कही यह बात

लंदन ।

हमास और इजराइल के बीच चल रहे युद्ध की दुनियाभर में आलोचना हो रही है। सात अक्तूबर को इजराइल पर गाजा स्थित हमास आतंकी संगठन ने पांच हजार रॉकेट दागे। जिसके बाद से ही इजराइल और हमास के बीच भीषण युद्ध की शुरूआत हुई। हमास द्वारा किए गए हमले को तमाम देशों ने गलत करार दिया। इसी बीच, कई देश दुनियाभर में यहूदी विरोधी भावना के खिलाफ समर्थन कर रहे हैं।

सड़कों पर यहूदी विरोधी भावना के खिलाफ मार्च – ब्रिटेन की राजधानी लंदन में हजारों लोगों ने यहूदी विरोधी भावना के खिलाफ मार्च निकाला, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन समेत तकरीबन एक लाख लोगों ने हिस्सा लिया। बता दें हमास-इजराइल का युद्ध शुरू होने के बाद से ही ब्रिटेन की सड़कों पर फलस्तीनी समर्थनों ने लगातार विरोध प्रदर्शन किया। इसी बीच, यह रैली यहूदी विरोध भावना के खिलाफ हो रही है।

भारतीय प्रवासियों ने भी लिया मार्च में भाग – इस मार्च में ब्रिटेश में मौजूद भारतीय मूल के लोगों ने भी भाग लिया। यहूदी विरोधी भावना के खिलाफ अपना विरोध जताने के लिए लंदन में मार्च निकाला गया। इस मार्च में कई लोगों के हाथ में इजराइली झंडे के साथ भारतीय झंडा भी मौजूद था। मौजूद लोगों ने सात अक्तूबर को इजराइल पर हुए आतंकी हमलों की निंदा की साथ ही 2008 को मुंबई में हुए आतंकी हमलों की 15वीं बरसी पर आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया।

जिग्नेश बोले- इजराइल के साथ, बेकसूर लोगों के प्रति हमारी संवेदना – मार्च में मौजूद जिग्नेश पटेल ने कहा, हम युद्ध की आलोचना करते हैं। हम युद्ध में मारे गए बेकसूर लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। यहूदी लोगों के साथ हम एकजुटता के साथ खड़े हैं। हम सब इजराइल के साथ हैं। ब्रिटेन की सरकार से यहूदी विरोधी भावना के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया। साथ ही, इजराइल को एकजुट समर्थन देने की प्रतिज्ञा ली।

क्या है मामला – हमास ने सात अक्तूबर को इजराइल के लोगों पर आतंकी हमला किया। साथ ही हमास के आर्तकियों ने इजराइली सीमाओं को तबाह कर कई लोगों को बंधक बना लिया था। इस युद्ध में कई लोगों की मौत हो गई। जवाबी कार्रवाई करते हुए इजराइल ने गाजा स्थित हमास के आतंकी संगठनों को तबाह करने की कार्रवाई शुरू कर रखी है।

न्यूज ब्रीफ

श्रीलंका और थाईलैंड के बाद इस देश में भारतीयों को मिलेगा मुफ्त वीजा, राष्ट्रपति ने खुद की घोषणा

कुआलालंपुर । आर्थिक वृद्धि के लिए मलयेशिया अब श्रीलंका और थाईलैंड की राह पर चल पड़ा है। मलयेशिया ने भी भारतीय नागरिकों को 30 दिनों के लिए मुफ्त वीजा देने की बात कही है। हालांकि मलयेशिया ने एक दिसंबर से लागू होने वाली इस व्यवस्था को चीनी नागरिकों के लिए भी खोला है। बता दें भारतीय नागरिकों को मुफ्त वीजा देने वाला मलयेशिया तीसरा एशियाई देश है। अभी मलयेशिया में सऊदी अरब, बहरीन, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात, ईरान, तुर्की, जॉर्डन के नागरिकों को यह सुविधा मिलती है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के एक बयान ने साफ किया है कि कि यह मुफ्त वीजा छूट सुरक्षा मंजूरी के अधीन होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि आपराधिक रिकॉर्ड और हिंसा के जोखिम वाले लोगों को इस छूट का लाभ नहीं मिलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा देश के गृह मंत्री सैफुद्दीन नसुशन इस्माइल जल्द ही वीजा छूट से जुड़ी अधिक जानकारी आपके साथ साझा करेंगे। बता दें इससे पहले चीन ने मलयेशिया नागरिकों के लिए 15 दिवसीय वीजा मुफ्त नीति की घोषणा की थी। मलयेशिया के प्रधानमंत्री ने चीनी सरकार का धन्यवाद करते हुए उन्होंने कहा अगले वर्ष मलयेशिया-चीन राजनयिक संबंधों के 50 वर्ष पूरे होने का दोनों देश जश्न मनाएंगे। आंकड़ों के मुताबिक, विदेश की यात्रा करने वाले भारतीयों की संख्या पिछले नौ सालों में 1.4 से बढ़कर 2.7 करोड़ पहुंच गई। हालांकि कोविड महामारी के कारण पर्यटन क्षेत्र काफी प्रभावित रहा, लॉकडाउन पाबंदियों में ढिलाई के बाद पर्यटक क्षेत्र में यात्रियों की आवाजाही फिर से बढ़ने लगी है।

अब बुध ग्रह पर भी जीवन संभव, नमकीन ग्लेशियर के मिले प्रमाण, नासा का दावा- यह पृथ्वी से अलग

वाशिंगटन । सूर्य के सबसे करीब कहे जाने वाले बुध ग्रह पर जीवन हो सकता है। नासा के वैज्ञानिकों ने यह दावा किया है। हालांकि, अब तक माना जा रहा था कि सूर्य के करीब होने के कारण इसका क्षेत्र झुलसा देने वाला भरा होगा। ऐसे में यहां जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती, लेकिन प्लैनेटरी साइंस इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि बुध की सतह पर नमकीन ग्लेशियर के प्रमाण मिले हैं। ऐसे में यहां जीवन की उम्मीद जगी है। जैसे कि पृथ्वी पर भी गंभीर हालातों में भी सूक्ष्म जीवन देखने को मिलता है। रिवीलिंग अ वोलेटाइल-डॉमिनेटेड लेयर थ्रू ग्लेशियर लाइक फीचर्स एंड चेओटिक टेरेंस नामक अध्ययन प्लैनेटरी साइंस जर्नल में प्रकाशित हुआ है। सूर्य के बहुत ही पास होने के कारण बुध ग्रह पर दिन का अधिकतम तापमान 430 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। वहीं, रात का तापमान-180 डिग्री तक नीचे गिर जाता है। इसकी वजह है कि यहां किसी भी तरह का वायुमंडल नहीं है जिससे यहां सतह पर पड़ने वाली रोशनी से बनी ऊष्मा को रोक सके। वैज्ञानिकों का कहना है कि ग्रहों के विकास की हमारी समझ और पृथ्वी के बाहर जीवन की संभावनाओं के नए आयाम खोलने का काम किया है। अध्ययन के प्रमुख लेखक एलोक्सिस रोड्रिगेज ने कहा कि एक शोध में प्लूटो में नाइट्रोजन के ग्लेशियरों की उपस्थिति पाई गई थी। इससे पता चलता है कि सौरमंडल में बहुत ही गर्म और बहुत ही ठंडे माहौल में भी ग्लेशियर बन सकते हैं। इससे सौरमंडल में बहुत सारे स्थानों पर जीवन की उम्मीद भी बनती है।

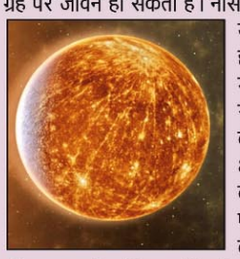

दो देश समाधान से ही इजराइल-फलस्तीन में शांति हो सकती है, अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन का बड़ा बयान

तेल अवीव । अमेरिका के राष्टपति जो बाइडन ने कहा है कि इजराइल और फलस्तीन लोगों की स्थायी शांति के लिए द्विराष्ट समाधान (दो देश समाधान) सही है। जो बाइडन ने ये भी कहा कि वह उम्मीद कर रहे हैं कि जब तक सारे बंधक रिहा नहीं हो जाते, तब तक इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि हमास द्वारा जल्द ही अमेरिकी बंधकों को भी रिहा किया जाएगा। हमास ने रविवार को 17 और बंधकों को रिहा किया, जिनमें एक चार साल की अमेरिकी बच्ची भी शामिल है। इसके बाद ही मीडिया से बात करते हुए बाइडन ने शांति के लिए द्विराष्ट समाधान की बात की। बता दें कि दो देशों के समाधान के तहत इजराइल के साथ ही फलस्तीन भी आजाद देश हो। साल 1991 में अमेरिका की मध्यस्थता में मैड्रिड शांति सम्मेलन में इजराइल और फलस्तीन के बीच टू स्टेट सॉल्यूशन (द्विराष्ट समाधान) पर सहमति भी बनी थी।

चीन में फैल रही फेफड़े फुलाने वाली रहस्यमयी बीमारी

कोरोना जैसी संक्रामक, क्या भारत में भी फैलेगी स्वीडिश डॉक्टर से जानें सवालों के जवाब

बीजिंग ।

अगस्त 2023, चीन ने कोरोना लॉकडाउन में 3 साल रहने के बाद सारी पाबंदियां हटा लीं। एक महीने बाद यानी अक्टूबर में ही यहां एक रहस्यमयी बीमारी फैलने लगी। तेज बुखार के साथ फेफड़े फुला देने वाली इस बीमारी की वजह से हर रोज 7000 बच्चे अस्पताल पहुंच रहे हैं।

एक्सपर्ट का कहना है कि कोरोना की तरह ये बीमारी भी संक्रामक है। ये चीन के एक शहर से दूसरे शहर में फैल रही है। डब्लूएचओ जवाब मांग रहा है, लेकिन चीन शांत है।

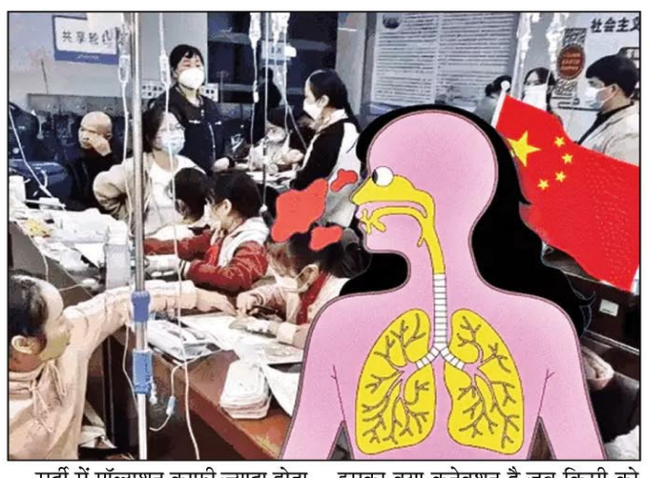

क्या इस बीमारी का कोई नाम है

चीन कोरोना की तरह ही इस बीमारी को लेकर भी डेटा रिलीज नहीं कर रहा है। डब्लूएचओ कई बार चीन सरकार से इस बीमारी के बारे में पूछ चुका है। चीनी ऑफिशियल अथॉरिटी इस बीमारी को मिस्टीरियस निमोनिया बता रही है। कुछ लोग इसे वॉकिंग निमोनिया भी कह रहे हैं। एक तरह से चीन में फैल रही बीमारी को निमोनिया बताया जा रहा है। ये बीमारी बैक्टीरियल इन्फेक्शन के जरिए फैलती है। इस बैक्टीरिया को माइको प्लाज्मा निमोनिया बैक्टीरिया कहते हैं।

निमोनिया कब और किन वजहों से फैलता है

सर्दी के समय में 5 साल तक की उम्र के बच्चों में आमतौर पर माइको प्लाज्मा निमोनिया बैक्टीरिया का इन्फेक्शन होता है। सर्दी के समय ही निमोनिया फैलने की दो वजह हैं ठंड के समय में वातावरण और शरीर का तापमान कम हो जाता है। 8 डिग्री से 15 डिग्री तक का तापमान इस बैक्टीरिया के लिए अनुकूल होता है।

सर्दी में पॉल्यूशन काफी ज्यादा होता है। इसकी वजह से ये बैक्टीरिया आसानी से सर्दी में लोगों को अपनी चपेट में लेता है। क्या चीन में फैल रही बीमारी सामान्य निमोनिया ही है चीन की हेल्थ अथॉरिटी का कहना है कि ये सामान्य निमोनिया बीमारी ही है। नई बीमारी या दूसरे बैक्टीरिया या वायरस का संक्रमण नहीं है। हालांकि, 15 नवंबर 2023 को प्रोमेड नाम के एक सर्विलांस प्लेटफॉर्म ने चीन में निमोनिया को लेकर दुनियाभर में अलर्ट जारी किया है। इसी संस्था ने 2019 में भी कोरोना को लेकर भी अलर्ट जारी किया था। इस संस्था का कहना है कि एक दिन में 13 हजार बच्चे बीजिंग के अस्पतालों में भर्ती हुए हैं। 7 हजार से ज्यादा बच्चे हर रोज अस्पताल में आ रहे हैं। ये सब कुछ 2019 के कोरोना जैसे हालात की याद दिला रहा है। ये सब कुछ देखकर ऐसा नहीं लगता है कि ये सिर्फ सामान्य निमोनिया है। ये बीमारी सामान्य निमोनिया नहीं तो क्या है और कोरोना से इसका क्या कनेक्शन है जब किसी को निमोनिया होता है तो उसमें कफ भी डेवलप होता है, लेकिन हैरानी की बात ये है कि चीन के रहस्यमयी निमोनिया में बच्चों में कफ नहीं बन रहा है। उनके चेस्ट के एक्स रे में उनके लंग्स पर नोड्यूल यानी एक तरह के गोल चकत्ते दिखाई दे रहे हैं। इन्हें पल्मोनरी नोड्यूल कहते हैं। जिस तरह के नोड्यूल बन रहे हैं वो ज्यादातर बैक्टीरियल इन्फेक्शन में बनते हैं, वायरल इन्फेक्शन में ऐसा नहीं होता है। बीमारी से पीड़ित बच्चों को देखकर लग रहा है कि उनमें सिर्फ माइको प्लाज्मा निमोनिया का ही केस नहीं, बल्कि कोई वायरल इन्फेक्शन भी है। एक साथ उनमें बैक्टीरिया और वायरस दोनों का इन्फेक्शन है। इसे को-इन्फेक्शन या क्रॉस इन्फेक्शन कहते हैं। अगर ऐसा है तो काफी गंभीर है क्योंकि ऐसे कई केस में तो दवाइयां तक काम नहीं करती हैं। बच्चों में सिर्फ माइको प्लाज्मा निमोनिया होता तो उसके लिए दवाइयां हैं। चीन में बच्चों पर दवाइयां काम करतीं तो स्थिति कंट्रोल में होती। चीन ने भी इस बात को स्वीकार किया है। चीन ने बताया है कि ये कई पैथोजन यानी रोगाणुओं से फैलने वाली बीमारी है।

ये रहस्यमयी बीमारी चीन में ही तेजी से क्यों फैल रही है – चीन के बिगड़ते हालातों की एक वजह वहां कोरोना के वक्त लगी जीरो कोविड पॉलिसी भी हो सकती है। उस वक्त बरती गई कड़ाई की वजह से काफी सारे बच्चों में इम्यूनिटी डेवलप नहीं हो पाई। वो घरों में कैद रहे। अब जब वो बाहर निकल रहे हैं तो वो वायरस और बैक्टीरिया की चपेट में आ रहे हैं। इनसे लड़ने के लिए उनके शरीर में प्रतिरोधक क्षमता ही नहीं है। इसलिए यहां तेजी से बच्चे बीमार पड़ रहे हैं।

बच्चों में फैलने वाली बीमारी है या किसी को भी हो सकती है – बच्चों की इम्यूनिटी कमजोर होती है, इसलिए ये बीमारी बच्चों को अपनी चपेट में ले रही है। इसका मतलब ये नहीं है कि ये सिर्फ बच्चों में फैलने वाली बीमारी है। जिसकी भी इम्यूनिटी कमजोर होगी, ये बीमारी उसे अपना शिकार बनाएगी।

बीमारी के लक्षण क्या हैं

खांसी ,गले में दर्द या खराश, बुखार, फेफड़े में सूजन , सांस नली में सूजन , एक इंसान से दूसरे इंसान में फैल सकती है हां, ये बीमारी एक इंसान से दूसरे इंसान में फैलती है। इस बीमारी से पीड़ित मरीज के संपर्क में आने से ये बीमारी फैलती है। यही वजह है कि इस बीमारी के फैलने की संभावना बढ़ रही है। क्या चीन में फैल रही ये बीमारी भारत या दूसरे देशों में भी फैल सकती है अगर हम चीन का ही उदाहरण लें तो वहां के काफी हिस्सों में ये बीमारी फैल चुकी है।

पाक सुरक्षा बलों का खैबर पख्तूनख्वा में खुफिया ऑपरेशन मुठभेड़ में आठ आतंकवादी ढेर

पेशावर ।

पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के दक्षिण वजीरिस्तान जिले में रविवार को एक खुफिया ऑपरेशन के दौरान आठ आतंकवादियों को मार गिराया। पाक सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा कि आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर खुफिया ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान सैनिकों और आतंकवादियों के बीच भारी गोलीबारी हुई। जिसमें आठ आतंकवादी मारे गए। बयान में कहा गया है कि मारे गए आतंकी सुरक्षा बलों के साथ-साथ निर्दोष नागरिकों के खिलाफ कई आतंकवादी हमलों में शामिल थे। उनके कब्जे से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक भी बरामद किए गए। पाक सेना ने कहा कि सुरक्षा बल देश से आतंकवाद के खतरे को रोकने के लिए प्रतिबद्ध हैं। क्षेत्र में आतंकवादियों को खत्म करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। टीटीपी ने पाक सुप्रीम कोर्ट के फैसले का किया स्वागत उधर, प्रतिबंधित आतंकवादी समूह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने सैन्य अदालतों में नागरिकों पर मुकदमे के खिलाफ पाक सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। टीटीपी ने कहा कि इस फैसले से सैन्य मुकदमे का सामना कर रहे उसके सदस्यों की रिहाई में मदद मिलेगी। समूह के प्रवक्ता मुहम्मद खुरासानी ने सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में कहा कि अदालत के आदेश से पता चला है कि पाकिस्तान की उच्च न्यायपालिका में देश में इस्लाम विरोधी ताकतों के खिलाफ फैसले लेने का साहस है। बयान में खुरासानी ने कहा कि सैन्य अदालतों में नागरिकों पर मुकदमे के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने टीटीपी का दिल जीत लिया है। उन्होंने कहा, फैसले ने साबित कर दिया कि सैन्य अदालतों द्वारा टीटीपी लड़ाकों को दी गई सजाएं पक्षपातपूर्ण और अवैध थीं। बयान में कहा गया, देश में इस्लामी व्यवस्था लागू करने के संघर्ष के दौरान टीटीपी को सैन्य अदालतों के अन्याय का शिकार होना पड़ा, क्योंकि उसके कई सदस्यों को सैन्य अदालतों द्वारा कठोर कारावास की सजा सुनाई गई। बता दें, 23 अक्तूबर को पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने नौ मई की हिंसा के बाद गिरफ्तार किए गए नागरिकों के खिलाफ सैन्य अदालतों में मुकदमे को रद्द कर दिया था और अधिकारियों को सामान्य अदालतों में ऐसे मामलों की सुनवाई करने का आदेश दिया था।

यमन के हूती विद्रोहियों ने अमेरिकी जंगी जहाज पर किया मिसाइल हमला, यूएस आर्मी का दावा

वॉशिंगटन ।

अमेरिकी सेना ने दावा किया है कि उसके जंगी जहाज यूएसएस मेसन पर हूती विद्रोहियों के नियंत्रण वाले यमन के इलाके से बैलेस्टिक मिसाइल से हमला किया गया। जंगी जहाज पर दो बार मिसाइल हमला हुआ। हालांकि इस हमले में कोई नुकसान नहीं हुआ है। अमेरिका सेना ने बताया कि दोनों मिसाइलें अदन की खाड़ी में जहाज से 11 मील दूर गिरीं।

व्यापारिक जहाज का अपहरण करने की कोशिश

यूएसएस मेसन आइजनहावर कैरियर स्ट्राइक ग्रुप का हिस्सा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एम/वी सेंट्रल पार्क नामक एक व्यापारिक जहाज को अगवा करने की कोशिश हुई थी। इसकी सूचना मिलने पर यूएसएस मेसन सेंट्रल पार्क जहाज की रक्षा के लिए पहुंचा था। यूएसएस मेसन को देखकर व्यापारिक जहाज का अपहरण करने वाले समुद्री लुटेरे वहां से भागने लगे लेकिन यूएसएस मेसन ने उन्हें पकड़ लिया। इसके बाद जब यूएसएस मेसन ऑपरेशन पूरा कर वापस लौट रहा था, तभी अदन की खाड़ी में उस पर मिसाइलों से हमला हुआ। सेंट्रल पार्क जहाज एक टैंकर शिप है, जो फास्फोरिक एसिड लेकर जा रहा था और जिस वक्त पर उस पर हमला हुआ, जहाज पर क्रू के 22 सदस्य थे। सभी क्रू मेंबर सुरक्षित हैं। बता दें कि जिस जहाज का अपहरण करने की कोशिश की गई, वह लंदन स्थित जोडिएक मेरीटाइम कंपनी का है और यह इजराइली अरबपति एअल ओफेर को जेडिएक ग्रुप का हिस्सा है। यमन के हूती विद्रोहियों ने अभी तक अमेरिकी जहाज पर मिसाइल हमले को लेकर कोई टिप्पणी नहीं की है। वहीं यमन की सरकार ने आरोप लगाया है कि हूती विद्रोहियों ने ही ये हमला किया था। बता दें कि इस महीने की शुरुआत में भी हूती विद्रोहियों ने एक ट्रांसपोर्ट जहाज को जब्त किया था। जिस जहाज को जब्त किया गया था, वह भी इजराइल से संबंधित था। दरअसल हूती विद्रोहियों ने इजराइली जहाजों पर यमन की सीमा के नजदीक हमला करने की धमकी दी थी।

आयरिश लेखक पॉल लिंच को मिला बुकर पुरस्कार, किताब प्रॉफेट सॉन्ग ने दिलाया सम्मान

लंदन ।

प्रतिष्ठित बुकर पुरस्कार- 2023 का विजेता घोषित हो गया है। आयरिश लेखक पॉल लिंच को उनकी किताब प्रॉफेट सॉन्ग' के लिए बुकर पुरस्कार- 2023 से सम्मानित किया गया है। लिंच ने भारतीय मूल की लेखिका चेतना मारू को पछाड़ा है। मारू का पहला उपन्यास वेस्टर्न लेन पुरस्कार के लिए नामित किया गया था। प्रॉफेट सॉन्ग' एक परिवार की कहानी है, जो एक भयानक नई दुनिया से जूझ रहा है।

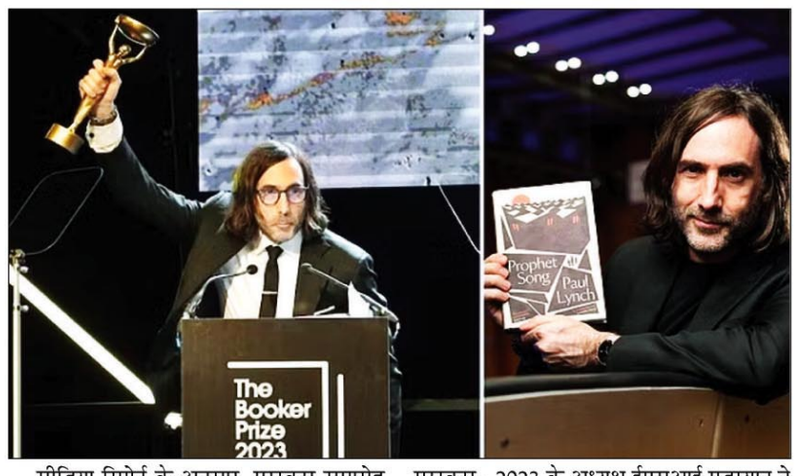

बुकर जीतने पांचवे आयरिश लेखक बने लिंच

विजेता लिंच का कहना है कि मैं आधुनिक अराजकता को दिखाने की कोशिश कर रहा था। मेरी किताब कई समस्याओं पर केंद्रित है। इसमें सीरिया की समस्या, विस्फोट, शरणार्थी संकट और पश्चिमी देशों में अशांति सहित कई मुद्दे शामिल है। बता दें, पॉल अब पांचवें आयरिश लेखक बन गए हैं, जिन्होंने बुकर पुरस्कार जीता है। इससे पहले आइरिस मर्डोक, जॉन बैनविले, रॉडी डॉयल और ऐनी एनराइट प्रतिष्ठित पुरस्कार जीत चुके हैं।

लंदन के ओल्ड बिलिंग्सगेट में आयोजित हुआ कार्यक्रम

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पुरस्कार समारोह कार्यक्रम लंदन के ओल्ड बिलिंग्सगेट में आयोजित हुआ था। बुकर पुरस्कार-2022 के विजेता शेहान करुणातिलका ने 2023 के विजेता पॉल लिंच को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। बता दें, करुणातिलका श्रीलंकाई लेखक हैं, जिन्हें पिछले साल 'द सेवेन मून्स ऑफ माली अल्मेडा' के लिए बुकर पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। बुकर पुरस्कार- 2023 के अध्यक्ष ईएसआई एडुग्यान ने कहा कि प्रॉफेट सॉन्ग, दरवाजे की उस पहली दस्तक की तरह है, जो हमें शालीनता से बाहर निकालता है। कहानी में हम आयरलैंड की एक महिला की जिंदगी को जान रहे हैं, जो देश की भयानक दुर्दशा में अपने परिवार की रक्षा करने की कोशिश कर रही है। महिला लगातार आगे बढ़ रही है। वह अधिनायक वाद में उतर रही है।

अमेरिका में भारतीय राजदूत संधू के साथ बदसलूकी

न्यूयॉर्क के गुरुद्वारे में खालिस्तानी बोले- तुमने निज्जर को मरवाया, पन्नू को मारने की साजिश रची

न्यूयॉर्क ।

अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में भारतीय राजदूत तरनजीत सिंह संधू के साथ खालिस्तान समर्थकों ने बदसलूकी की। दरअसल, संधू न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड गुरुद्वारे में गुरु परब (गुरु नानक जयंती) मनाने के लिए पहुंचे थे। यहां खालिस्तानी समर्थकों ने उन पर खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या कराने के आरोप लगाए। एक खालिस्तानी ये कहता सुनाई दे रहा है कि तुमने पन्नू को मरवाने की साजिश रची। संधू के साथ बदसलूकी का ये वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। इसमें पूरी घटना के दौरान तरनजीत सिंह संधू बिल्कुल चुप दिखाई दे रहे हैं। जबकि गुरुद्वारे में मौजूद कुछ लोग खालिस्तान समर्थकों को पीछे की तरफ हटाते दिख रहे हैं।

निकलते वक्त खालिस्तानी झंडा दिखाया – गुरुद्वारे में खालिस्तानियों ने भारत के खिलाफ नारेबाजी की। जब तरनजीत सिंह संधू गुरुद्वारे से निकलने लगे तो एक प्रदर्शनकारी ने वहां खालिस्तानी झंडा फहराया।

ये घटना उस वक्त हुई, जब हाल ही में एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया कि भारत ने अमेरिका में आतंकी पन्नू को मरवाने की साजिश रची, जिसे वहां के प्रशासन ने नाकाम कर दिया। न्यूयॉर्क के गुरुद्वारे में संधू के खिलाफ प्रदर्शन कराने का आरोप हिम्मत सिंह नाम के एक शख्स पर लगा है।

गुरुद्वारे में हुई धक्का-मुक्की के बाद संधू ने एक ट्वीट किया। इसमें उन्होंने घटना का कोई जिक्र नहीं किया। उन्होंने लिखा- लॉन्ग आइलैंड में लोकल संगत में हिस्सा लेकर अच्छा लगा। कीर्तन सुना और गुरु नानक के एकता, समानता के संदेश के बारे में बात की।

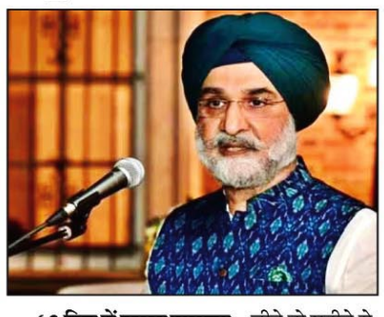

60 दिन में दूसरा मामला – बीते दो महीने ये दूसरा ऐसा मामला है, जब भारतीय डिप्लोमैट्स के साथ खालिस्तानी समर्थकों ने बदसलूकी की है। संधू से पहले सितंबर में ब्रिटेन में भारत के हाई कमिश्नर विक्रम दोराईस्वामी के साथ भी स्कॉटलैंड के ग्लासगो गुरुद्वारे में अभद्रता की गई थी। भारत ने इस तरह की बढ़ती घटनाओं का विरोध किया है।

हाल ही में अमेरिका के रक्षा मंत्री और विदेश मंत्री भारत आए थे। उस वक्त भी ये मुद्दा उठा था। भारत ने इनपुट साझा कर बताया था कि वहां आतंकियों, अपराधियों के बीच एक नेक्सस काम कर रहा है, जो दोनों देशों की सिक्योरिटी के लिए खतरा साबित हो सकता है।

भारत को धमकी देने वाले पन्नू के पास दोहरी नागरिकता – भारत को धमकी देने वाले गुरपतवंत सिंह पन्नू के पास अमेरिका और कनाडा की नागरिकता है। उसने 19 नवंबर को दिल्ली में इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को बंद करने की धमकी दी थी। इसमें पन्नू ने अपने इरादों के बारे में बताते हुए कहा था कि 19 नवंबर वही दिन है, जिस दिन क्रिकेट वर्ल्ड कप का फाइनल है। 19 नवंबर को एयर इंडिया की फ्लाइट में यात्रा न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो आपकी जान को खतरा हो सकता है।

पन्नू को क्यों बचा रहा अमेरिका – विदेश मामलों के जानकार, राजन कुमार के मुताबिक कनाडा और अमेरिका में कई गैंग ऑपरेट करते हैं। ये आपस में एक-दूसरे के खिलाफ काम करते हैं। ऐसा हो सकता है कि पन्नू पर हमले में भारत का कोई रोल नहीं हो और किसी गैंग के किए अपराध का इल्जाम भारत पर लगा हो।

पन्नू को बचाने के पीछे 2 वजह हो सकती हैं अमेरिका ने खुद दूसरे देशों में ऑपरेशन चलाकर अपने दुश्मनों को मरवाया है। हालांकि, वो भारत से उम्मीद करता है कि एक लोकतांत्रिक देश होने के नाते अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन करे। यही वजह है कि अमेरिका ने पन्नू को बचाने की कोशिश की है और भारत को डिप्लोमैटिक वॉर्निंग दी है।

राजस्थान की 88 विधानसभा सीटों पर पुरुषों से ज्यादा रहा महिलाओं का मतदान प्रतिशत

जयपुर (हिंस)। राजस्थान के सियासी रण में इस बार महिलाएं मताधिकार का उपयोग करने के लिहाज से ज्यादा जागरूक रही हैं। राजस्थान की 88 विधानसभा सीटें ऐसी रही हैं, जहां महिलाओं का मतदान प्रतिशत पुरुषों से ज्यादा रहा है। कुल मतदान के लिहाज से भी महिलाओं का वोट प्रतिशत पुरुषों से ज्यादा रहा है। मतदान पूर्ण होने के बाद राज्य निर्वाचन विभाग के आंकड़ों के विश्लेषण से यह तथ्य सामने आया है। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश में 74.71 प्रतिशत मतदान हुआ था। इसमें पुरुषों का मतदान प्रतिशत 74.75 और महिलाओं का मतदान प्रतिशत 74.67 रहा था। वहीं, इस बार पुरुषों का वोटिंग प्रतिशत 74.53 और महिलाओं का वोटिंग प्रतिशत 74.72 रहा है। इससे साफ है कि महिलाओं के वोटिंग प्रतिशत में कुछ बढ़ोतरी हुई है। इस बार के वोटिंग पैटर्न के विश्लेषण से एक बात साफ तौर पर निकल कर सामने आई है कि पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिलाएं लोकतंत्र की सजग प्रहरी की भूमिका में उभरीं हैं। प्रदेश की 199 सीटों पर मतदान के प्रतिशत के लिहाज से महिलाएं पुरुषों से आगे निकल गईं हैं। प्रदेश की 88 विधानसभा सीटें ऐसी हैं, जहां महिलाओं ने मतदान प्रतिशत के लिहाज से पुरुषों को पीछे छोड़ दिया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता का कहना है कि प्रदेश में पुरुषों का मतदान प्रतिशत 74.53 और महिलाओं का वोटिंग प्रतिशत 74.72 फीसदी रहा है। इसी तरह प्रदेश की 88 विधानसभा सीटें ऐसी हैं, जहां महिलाओं का वोटिंग प्रतिशत पुरुषों की तुलना में ज्यादा रहा है। उन्होंने बताया कि पोकरण में पुरुषों का वोटिंग प्रतिशत 87.40 और महिलाओं का मतदान प्रतिशत 88.23 रहा है। घाटोल में पुरुषों का मतदान प्रतिशत 85.30 और महिलाओं का वोटिंग प्रतिशत 85.40 रहा है। बाड़ी में पुरुषों का मतदान प्रतिशत 83.84 और महिलाओं का वोटिंग प्रतिशत 84.66 रहा है। इसी तरह शाहपुरा में पुरुषों का वोटिंग प्रतिशत 83.27 और महिलाओं का वोटिंग प्रतिशत 84.44 रहा। बायतु में पुरुषों का वोटिंग प्रतिशत 81.90 और महिलाओं का वोटिंग प्रतिशत 85.04 रहा है। शिव में पुरुषों का मतदान प्रतिशत 82.00 प्रतिशत और महिलाओं का वोटिंग प्रतिशत 84.81 रहा है। तारानगर में पुरुषों का मतदान प्रतिशत 81.35 और महिलाओं का मतदान प्रतिशत 83.78 रहा है। इसी तरह भादरा में पुरुषों का वोटिंग प्रतिशत 82.22 और महिलाओं का मतदान प्रतिशत 82.74 रहा है। चौरासी में पुरुषों का मतदान प्रतिशत 81.34 और पुरुषों का मतदान प्रतिशत 82.20 रहा है। बांसवाड़ा में पुरुषों का मतदान प्रतिशत 80.70 और महिलाओं का मतदान प्रतिशत 81.36 रहा है। चुनाव आयोग के आंकड़ों से साफ है कि पोकरण (88.23), कुशलगढ़ (87.54) और तिजारा (85.44) महिलाओं के लिहाज से सबसे ज्यादा मतदान वाली सीट रही है। वहीं, महिला मतदान के लिहाज से पिछड़ने वाली तीन प्रमुख सीटें हैं जोधपुर, टोडाभीम और बामनवास। जोधपुर में महिलाओं का मतदान प्रतिशत 62.97 रहा, जबकि टोडाभीम में महिला वोटिंग 63.22 और बामनवास में महिला मतदान का आंकड़ा 63.63 फीसदी रहा है। जिन 88 सीटों पर महिलाओं का मतदान प्रतिशत बढ़ा है, उनमें पोकरण, घाटोल, बाड़ी, शाहपुरा, बायतु, शिव, तारानगर, भादरा, चौरासी, बांसवाड़ा, बाड़मेर, गुढ़ामालानी, धरियावद, बांदीकुई, जहाजपुर, नाथद्वारा, ओसियां, परबतसर, मावली, कामां, रानीवाड़ा, फुलेरा, गढ़ी, जैसलमेर, रामगढ़, राजाखेड़ा, सादुलपुर, चूरू, कोटपुतली, लक्ष्मणगढ़, उदयपुरवाटी, वल्लभनगर, थानागाजी, चौहटन, विराटनगर, खंडेला, मकराना, दांतारामगढ़, शेरगढ़, नावां, खेतड़ी, आसींद, मंडावा, गोगूंदा शामिल है। इसी तरह बसेड़ी, सागवाड़ा, आसपुर, नवलगढ़, डीडवाणा, पचपदरा, डूंगरपुर, सीकर, रतनगढ़, खैरवाड़ा, धोद, नीमकाथाना, लाडनूं, डेगाना, महुआ, सलूम्बर, बानसूर, झुंझुनूं, कठूमर, फतेहपुर, भीम, पिण्डवाड़ा आबू, नदबई, ब्यावर, रेवदर, श्रीमाधोपुर, सिकराय, सूरजगढ़, सुजानगढ़, पिलानी, जैतारण, कुंभलगढ़, वैर, डीग-कुम्हेर, सोजत, बिलाड़ा, बाली, सिरोही, भीनमाल, सिवाना, जालोर, सुमेरपुर, मारवाड़ जंक्शन और आहोर विधानसभा सीटों पर पुरुषों के मुकाबले महिलाओं का मतदान प्रतिशत अधिक रहा है।

गुरुपर्व पर पंजाब में भी शुरू हुई सीएम तीर्थ यात्रा योजना

संगरूर (हिंस)। दिल्ली की तर्ज पर अब पंजाब में भी मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना शुरू कर दी गई है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को *मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना* की शुरुआत की। श्री गुरु नानक देवजी के प्रकाश पर्व के अवसर पर *मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना* का शुभारंभ करने के बाद एक जनसभा में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह योजना गुरू साहिब की शिक्षाओं और फलसफे के मुताबिक है, जिन्होंने लोगों को आपसी-भाईचारे और अमन का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज अमृतसर से 300 श्रद्धालु, जालंधर से 220 और धूरी से 500 से अधिक श्रद्धालु इस ट्रेन श्री हजूर साहिब के दर्शनों के लिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आगामी तीन महीनों में 50 हजार से अधिक श्रद्धालु यह सुविधा हासिल करेंगे। लगभग 13 हजार श्रद्धालु रेल गाड़ियों से जाएंगे। प्रत्येक आठ दिन के बाद चलने वाली इन 13 रेल गाड़ियों में से हरेक गाड़ी में एक हजार यात्री जाएंगे। मान ने कहा कि बाकी श्रद्धालु बसों से सफर करेंगे और रोजाना की दस बसें चलेंगी, जिनमें से हरेक बस में 43 यात्री सवार होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी इमरजेंसी से निपटने के लिए यात्रियों के साथ डॉक्टरों, वॉलंटियरों और अधिकारियों की एक टीम भी सफर करेगी। 75 साल से अधिक उम्र वालों को अपने साथ एक नौजवान को देखभाल के लिए लेकर जाने की भी इजाजत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना पहले मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में शुरू की थी। अब इस योजना को पंजाब में लागू किया गया है। श्रद्धालुओं की यात्रा के लिए उनको एसी कमरे और खाने-पीने की वस्तुएं भी मुहैया की जाएंगी। मान ने कहा कि इन रेल गाड़ियों से श्रद्धालु श्री हजूर साहिब और श्री पटना साहिब, वाराणसी, मथुरा, अजमेर शरीफ और अन्य स्थानों के दर्शन करेंगे। इस दौरान श्रद्धालुओं को श्री अमृतसर साहिब, श्री आनन्दपुर साहिब और श्री दमदमा साहिब, श्री वैष्णो देवी, माता चिंतपूर्णी, माता नैना देवी, माता ज्वाला, सालासर धाम, खाटू श्याम और अन्य स्थानों के दर्शन बस से कराए जाएंगे। इस मौके पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सभी को प्रकाश पर्व पर लोगों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी सरकार महान गुरुओं के दिखाए रास्ते पर चल कर दिल्ली और पंजाब के लोगों की सेवा कर रही है। केजरीवाल ने कहा कि आज उन लोगों की सुविधा के लिए महत्वपूर्ण योजना शुरू की जा रही है, जो साधनों की कमी या किसी अन्य वजह से पवित्र तीर्थों की यात्रा नहीं कर सकते। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने अफसोस प्रकट किया कि पिछले 75 सालों में कभी भी किसी सरकार ने लोगों की सुविधा के लिए यह योजना शुरू नहीं की।

भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष का फेसबुक पेज हैक कर परिचितों से मांगे रुपए

फतेहाबाद (हिंस)। हैकर्स द्वारा भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष राखी मक्कड़ का फेसबुक पेज हैक कर लिया गया। साइबर ठगों द्वारा राखी मक्कड़ फेसबुक फ्रेंड, परिचित व रिश्तेदारों से फेसबुक मैसेंजर के माध्यम से स्वयं को किसी मुसीबत में बताकर धनराशि की मांग की जा रही है। राखी मक्कड़ ने बताया कि साइबर ठगों ने उनके फेसबुक फ्रेंड्स के साथ मैसेंजर पर बातचीत करते हुए कहा कि उन्हें अर्जेंट पैसों की आवश्यकता है, वह पैसे ट्रांसफर कर दें, वह उसे कल लौटा देंगी। राखी मक्कड़ के फेसबुक फ्रेंडस को पता था कि राखी मक्कड़ आत्मनिर्भर महिला हैं। वे ऐसे पैसों की डिमांड नहीं कर सकती। ऐसे में रात को ही उनके पास फोन आने शुरू हो गए। राखी मक्कड़ ने बताया कि रात को उन्हें अम्बाला, कुरूक्षेत्र, रतिया, टोहाना, फतेहाबाद, सिरसा सहित प्रदेशभर से अनेक परिचितों के फोन आए और पैसों बारे पूछा। इस पर राखी मक्कड़ को अपना फेसबुक पेज हैक होने का पता चला। इस पर उन्होंने तुरंत सोशल मीडिया पर फेसबुक पेज हैक होने बारे जानकारी सांझा की और अपने परिचितों से किसी प्रकार के पैसों का भुगतान न करने की अपील की वहीं फतेहाबाद पुलिस को भी सूचना दी। राखी मक्कड़ ने कहा कि कुछ लोग उनकी छवित को खराब करने की साजिश कर रहे हैं। उन्होंने लोगों से भी सोशल मीडिया के प्रति अवेयर रहने की अपील करते हुए कहा कि सोशल मीडिया का प्रयोग करते हुए हमें सदैव सावधानियां बरतनी चाहिए।

कांग्रेस ने ओबीसी समाज को वोट बैंक से अधिक कुछ नहीं समझा : नायब सैनी

गुरुग्राम (हिंस)। भाजपा हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी का सोमवार को यहां दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे-48 किनारे स्थित पार्टी कार्यालय गुरुकमल में अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं, नेताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान नायब सिंह सैनी ने जहां सरकार की योजनाओं का बखान किया, वहीं उन्होंने 2024 में होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा के 75 सीटें पार होने का दावा किया। यह दावा उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की जनहितैषी योजनाओं के दम पर किया, जिनका जन-जन को लाभ मिल रहा है। नागरिक अभिनंदन समारोह में आने से पहले उन्होंने गुरुद्वारा में मत्था टेका और सिख धर्म के संस्थापक श्री गुरू नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी। गुरुग्राम के कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी के स्वागत में रोड शो आयोजित किया। दिल्ली बार्डर से गुरुकमल तक जगह-जगह उनका फूल मालाओं से नायब सिंह सैनी का स्वागत किया गया। बाइक पर सवार कार्यकर्ताओं ने जय श्रीराम, मोदी-मनोहर जिंदाबाद के जमकर नारे लगाए। दो घंटों तक चले रोड शो और स्वागत से अभिभूत नायब सिंह सैनी ने कहा कि जनता का उत्साह और कार्यकर्ताओं के जोश से तय हो गया है कि 2024 में हरियाणा में इस बार लोगों ने 75 पार करने का मन बना लिया है। नायब सिंह सैनी ने अभिनंदन समारोह में बोलते हुए कहा कि कांग्रेस और घमंडिया गठबंधन के नेता सिर्फ झूठ बोलकर जनता में भ्रम फैला रहे हैं। कांग्रेस जातियों के नाम पर समाज को तोड़ना और देश को कमजोर करना चाहती है। कांग्रेस ने ओबीसी समाज को केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया है, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओबीसी आयोग बनाकर उन्हें संवैधानिक शक्तियां दी है। उन्होंने कहा कि ओबीसी समाज को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का काम भी मोदी सरकार ने किया है। जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़, पूर्व मंत्री राव नरबीर सिंह, विधायक सुधीर सिंगला, सत्य प्रकाश जरावता, जिला प्रभारी दीपक मंगला, प्रदेश उपाध्यक्ष जीएल शर्मा, प्रदेश सचिव मनीष यादव, समय सिंह भाटी, जवाहर यादव ने नायब सिंह सैनी को पगड़ी पहनाई। समारोह के बाद जिला अध्यक्ष ने प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी और कार्यकर्ताओं का समारोह में पहुंचने पर धन्यवाद किया। इस मौके पर प्रदेश सचिव मनीष यादव, पूर्व विधायक बिमला चौधरी, तेजपाल तंवर, कमल यादव, पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा प्रमुख नवीन गोयल, हरविंद कोहली, जिला महामंत्री महेश यादव, जिला मीडिया प्रमुख अजीत यादव सहित मंडल, मोर्चा, विभागों के अध्यक्ष, वरिष्ठ पदाधिकारी तथा सरपंच व गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कनाडा आवास पर फायरिंग के बाद गिप्पी ने दी सफाई

मुझे नहीं मिली कोई धमकी

चंडीगढ़ (हिंस)। कनाडा में गोलीबारी की घटना के बाद सामने आए पंजाबी गायक गिप्पी ग्रेवाल ने दावा किया है कि उनकी सलमान खान के साथ किसी तरह की दोस्ती नहीं है। पंजाब में रहते हुए लारेंस बिश्नोई गैंग ने उन्हें कभी धमकी नहीं दी। वह अब भी पंजाब में शूटिंग करते रहते हैं। दरअसल, कनाडा में पंजाबी गायक गिप्पी ग्रेवाल के घर पर दो दिन पहले रात करीब 12 से एक बजे के बीच फायरिंग की घटना हुई थी। फायरिंग के दौरान गिप्पी का पूरा परिवार घर में ही था। चार गोलियां पार्किंग में खड़ी गिप्पी की गाड़ी में लगी जबकि एक फायर मिस होकर दीवार में जा लगा। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर लाइव हुए गिप्पी ग्रेवाल ने कहा कि यह क्यों हुआ इसके बारे में मुझे जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि मुझे लॉरेंस बिश्नोई गैंग की तरफ से न तो कोई कॉल आई और न ही कोई दुश्मनी है। उन्होंने साफ किया है कि बॉलीवुड स्टार सलमान खान मेरे दोस्त नहीं हैं। उनसे बिग बॉस और एक फिल्म की लॉचिंग पर मुलाकात हुई थी। गिप्पी ने कहा कि न तो कभी मुझे कोई कॉल आया और न ही किसी अन्य माध्यम से कोई धमकी मिली थी। अचानक घर पर हुई फायरिंग का कारण समझ नहीं आया। मैंने फायरिंग की घटना की जानकारी पुलिस को दी है। कनाडा पुलिस मामले की जांच कर रही है। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। गिप्पी ने कहा कि कनाडा पुलिस को इस घटना की सूचना दे दी गई है। कनाडा पुलिस इसकी जांच कर रही है।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल ने वक्ताओं की तीसरी सूची की घोषणा की

जयपुर (हिंस)। आइकोनिक जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल ने अपने बहु प्रतीक्षित 17वें संस्करण में शामिल होने वाले वक्ताओं के नामों की तीसरी सूची जारी की। फेस्टिवल का आयोजन 1-5 फरवरी 2024 को जयपुर के होटल क्लार्क्स आमेर जयपुर में किया जाएगा। फेस्टिवल में हर साल की तरह इस बार भी देश-दुनिया के नामी लेखक, चिंतक, आदर्शवादी, दूरदृष्टा, बौद्धिक शामिल होंगे। ये श्रोताओं के साथ सीधे संवाद में अनेक प्रासंगिक विषयों पर चर्चा करेंगे। 25 वक्ताओं की तीसरी सूची में शामिल हैं प्रसिद्ध भारतीय सामाजिक उद्यमी और कार्यकर्ता आमोद के.कांत, जो बेहद दमदार आईपीएस अफसर भी रहे हैं। उनकी प्रकाशित किताबें हैं । खाकी इन डस्ट स्टॉर्म और खाकी ऑन ब्रोकन विंग्स, भारतीय योजना आयोग के भूतपूर्व सदस्य, बीसीजी इंडिया के अध्यक्ष, सेव द चिल्ड्रन इंडिया के अध्यक्ष, हेल्प ऐज इंटरनेशनल के अध्यक्ष अरुण मायरा, उनकी प्रकाशित किताब है। शेपिंग द फ्यूचर, साहित्य अकादमी सम्मान से सम्मानित कवि बद्री नारायण, जिनकी कविताओं का अंग्रेजी, उर्दू सहित अनेक भारतीय भाषाओं में अनुवाद हुआ है। इंटरनेशनल बुकरप्राइज विजेता अनुवादक और कलाकार डेजीरॉकवेल, जिन्हें गीतांजलि श्री के उपन्यास रेत समाधि के अनुवाद के लिए सम्मानित किया गया। स्पेन में कल्चरल सेंटर *कासा दे ला इंडिया* संस्थापक निदेशक और वेन मिर्स्सआर विंडोज के लेखक गिलेर्मो रोड्रिगेज, मलेशिया में जन्मी, लंदन में रहने वाली लेखिका ईवींगे ओव की किताब द अमेरिकन बॉयफ्रेंड को काफी सराहना मिली।

हरियाणा विधानसभा का शीतकालीन सत्र 15 दिसंबर से

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा विधानसभा का शीतकालीन सत्र 15 दिसंबर से शुरू होगा। सत्र की कार्रवाई तीन दिन तक चलेगी। सोमवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला लिया गया। सत्र की अवधि को लेकर अंतिम निर्णय बिजनेस सलाहकार समिति की बैठक में होगा। ऐसे में यह भी तय हो गया है कि शीतकालीन सत्र छोटा लेकिन हंगामेदार रहेगा। पिछले साल विधानसभा का शीतकालीन सत्र 26 दिसंबर से 28 दिसंबर तक चला था। इस बार विधानसभा का शीतकालीन सत्र 15 दिसंबर (शुक्रवार) से आरंभ होने के बाद शनिवार और रविवार को दो दिन अवकाश रहेगा। फिर सोमवार और मंगलवार को सदन की कार्रवाई चलेगी। सत्र 19 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान विधायकों से विधानसभा सत्र में लगाने के लिए स्पीकर डा. ज्ञानचंद गुप्ता ने सवाल मांगे हैं। सभी विधायकों के सवाल आने के बाद उनका डा निकाला जाएगा। सत्र सुबह 11 बजे से आरंभ होकर शाम छह बजे तक चलता है, जिसमें हर रोज दो सीटिंग की कार्रवाई होती है। विधानसभा सत्र में इस बार हुक्का बारों पर शिकंजा कसने के लिए विधेयक लाया जा सकता है। विधेयक में गैर जमानती धारा के साथ लाखों रुपए के जुर्माने का प्रविधान किए जाने की संभावना है। इस विधेयक का नाम कोटपा (सिगरेट एंड अदर टोबेको प्रोडेक्ट्स) विधेयक होगा। सत्र में इसी बार हरियाणा मृत शरीर के सम्मान विधेयक के भी पेश होने की संभावना है।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ युद्ध अभी खत्म नहीं हुआ : डीजीपी

श्रीनगर (हिंस)। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) आरआर स्वैन ने सोमवार को कहा कि केंद्रशासित प्रदेश में आतंकवाद के खिलाफ युद्ध अभी खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि इस दौरान सुरक्षा बलों को नुकसान हो सकता है लेकिन वे लड़ाई से पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा कि सेनाएं नुकसान को कम करने की कोशिश कर रही हैं। श्रीनगर के गुरुद्वारा चट्टीपादशाही में एक समारोह में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए डीजीपी स्वैन ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ युद्ध अभी खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि युद्ध तभी समाप्त होता है, जब एक पक्ष हार मान लेता है और यह स्वीकार कर लेता है कि रक्तपात से कोई परिणाम नहीं निकलेगा। इसलिए कई बार कुछ नुकसान झेलने के बावजूद आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ जारी लड़ाई से पुलिस के पीछे हटने का सवाल ही नहीं उठता। घुसपैठ के बारे में उन्होंने कहा कि घुसपैठ कुछ बिंदु पर बढ़ सकती है और साथ ही इसमें कमी भी आ सकती है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को सार्वजनिक डोमेन में नहीं डाला जाना चाहिए। गुरुपर्व पर डीजीपी ने कहा कि इस पवित्र अवसर पर पुलिस लोगों की सेवा करने की अपनी प्रतिज्ञा को न सिर्फ नवीनीकृत करती है बल्कि लोगों की सेवा के लिए खुद को फिर से समर्पित करने की प्रतिज्ञा लेती है। डीजीपी ने कहा कि गुरु नानक देवजी की शिक्षा आज भी बहुत प्रासंगिक हैं। उन्होंने समानता और गरीब और अमीर के बीच कोई अंतर नहीं होने का उपदेश दिया है। जाति, रंग और पंथ के बावजूद गुरुजी की शिक्षा आज भी किसी भी आत्मा को प्रबुद्ध कर सकती हैं। डीजीपी ने कहा कि इस अवसर पर मैं जम्मू-कश्मीर के सिख समुदाय को अपनी शुभकामनाएं देता हूं।

गुरु नानकदेव के 554वें प्रकाशोत्सव पर शहर में कई कार्यक्रमों का आयोजन

जोधपुर (हिंस)। सिख पंथ के संस्थापक गुरु नानकदेव का 554वां प्रकाशोत्सव सोमवार को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर गुरुद्वारों में विशेष पूजा अर्चना की गई। यहां गुरु कीर्तन, सत्संग, अरदास व लंगर प्रसादी का आयोजन किया गया। अखण्ड पाठ साहेब के समापन पर कीर्तन कर सामूहिक अरदास की गई। सिखों के प्रथम गुरु नानकदेव की जयंती सोमवार को प्रकाश पर्व के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर शहर के सभी गुरुद्वारा साहिब में विशेष दीवान सजाए गए व धार्मिक आयोजन हुए। शहीद हेमू कालाणी सर्किल सरदारपुरा स्थित सिंधी गुरु संगत दरबार में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। दरबार के भरत आवतानी ने बताया कि आज सुबह भगत राम भल्ला, भावना हीरानंदानी की मौजूदगी में गुरु नानकदेव को भोग अर्पित कर शबद कीर्तन हुआ। इसी क्रम में दोपहर सामूहिक अरदास उपरांत लंगर सेवा की गई। आनंद सिनेमा के पास स्थित गुरुद्वारा गुरुसिंह सभा व सिंधी कॉलोनी स्थित गुरुद्वारा तेग बहादुर में भी शबद कीर्तन हुआ।

गायक सोनू निगम के लाइव कंसर्ट के साथ संपन्न हुआ जेस्ट-23

फरीदाबाद (हिंस)। लिंगयाज विद्यापीठ में आयोजित दो दिवसीय जेस्ट-23 सोमवार को मशहूर गायक सोनू निगम के लाइव कंसर्ट के साथ धूमधाम से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान सोनू निगम ने कहा कि आज मैं अपनी जन्म स्थली पर आया हूं, फरीदाबाद से मेरा पारिवारिक नाता है। उन्होंने फरीदाबाद वासियों को अपने परिवार के सदस्य बताया और उन्हें अपनी शुभकामनाएं दी। इस दौरान उन्होंने अपने सभी मशहूर गानों की प्रस्तुति दी, जिस पर सभी के कदम नाचने को मजबूर हो उठे। उनके गीत संदेशे आते है, हमें तड़पाते है कि प्रस्तुति से सारा सभागार भाव-विभोर ही हो उठा। कॉलेज सचिव डॉ. पिचेश्वर गड्डे ने उनका स्वागत किया। सोनू निगम ने भी संस्थान के 25 वर्ष संपूर्ण होने की सबको बधाई दी। जेस्ट में दिल्ली एनसीआर के 50 से अधिक कॉलेजों व शिक्षण संस्थानों ने भाग लिया और विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभाओं का परचम लहराया। लिंग्याज ललिता देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साईंस को बेस्ट जेस्ट-23 का अवार्ड व डीजीआईएम लॉ कॉलेज को बेस्ट फैशन शॉ का अवार्ड मिला। कार्यक्रम के अंत में सचिव डॉ. पिचेश्वर गड्डे ने कार्यक्रम की सफलता की सभी इवेंट मैनेजमेंट कमेटी को बधाई दी।

कार्तिक पूर्णिमा पर पुष्कर के ब्रह्म सरोवर में श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

अजमेर (हिंस)। कार्तिक मास की पावन पूर्णिमा पर सोमवार को सनातनी आस्था के केंद्र तीर्थराज पुष्कर के पवित्र ब्रह्म सरोवर में हजारों लोगों ने स्नान किया। इसी के साथ पिछले पांच दिनों से चल रहा पंचतीर्थ स्नान (पुष्कर का धार्मिक मेला) भी संपन्न हो जाएगा। महास्नान के लिए श्रद्धालुओं का रैला रविवार की दोपहर बाद से उमड़ने लग गया। देर शाम तक हजारों धर्मप्रेमी बंधु पुष्कर पहुंच गए तथा इनके आने का सिलसिला लगातार बना हुआ है। ब्रह्म सरोवर में महास्नान सोमवार की जल्द सुबह ब्रह्म मुहूर्त के बीच शुरू हुआ तथा दिन भर चलेगा। स्नान के लिए उमड़ने वाली भीड़ के मद्देनजर जिला एवं पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद हो गया है तथा कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था के माकुल बंदोवस्त किए हैं। पुष्कर सरोवर के सभी प्रमुख घाटों पर गोताखोरों की व्यवस्था की गई है। महास्नान के लिए तीर्थ यात्रियों के आने का सिलसिला शुरू हो गया है। चारों ओर रंग-बिरंगे परिधान पहने ग्रामीण एवं शहरी श्रद्धालुओं का रैला नजर आ रहा है। गऊघाट, कपड़ा बाजार, ब्रह्मा मंदिर सहित कई जगह मेलार्थियों की भीड़ लग रही है। वहीं भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन की ओर से मुख्य बाजार समेत प्रमुख चौक-चौराहों पर बेरीकेटिंग की गई है तथा यात्रियों के लिए एक तरफा आवागमन की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालु धार्मिक स्नान कर पुण्य कमाने के साथ मेले में लगे हवाई झूले, सर्कस आदि का मजा लूट रहे हैं। कार्तिक मास की ब्रह्म चतुर्दशी के उपलक्ष्य में पुजारी लक्ष्मी निवास व कृष्णगोपाल वशिष्ठ के आचार्यत्व में ब्रह्मा मंदिर में ब्रह्माजी का वेदिक मंत्रोचारण के बीच अभिषेक कर सृष्टि रचियता ब्रह्मा जी का मनमोहक श्रृंगार किया गया। कपाट खुलते ही मंगला आरती के दर्शन के लिए मंदिर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ गया। आरती के बाद प्रसाद वितरित किया गया। उधर दिन भर ब्रह्म घाट पर श्रद्धालुओं का स्नान के लिए जमघट लगा रहा। शाम को घाट पर सरोवर की महाआरती की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में नगर के गणमान्य नागरिक, पुरोहित व श्रद्धालु मौजूद थे। शास्त्रों के अनुसार आज के दिन पुष्कर सरोवर के ब्रह्म घाट में स्नान कर ब्रह्मा मंदिर के दर्शन करने से कार्तिक स्नान का पुण्य मिलता है। पुष्कर मेले का सोमवार को समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर मेला मैदान में ग्रामीण खेलकूद, मटका रेस, देशी-विदेशी महिलाओं व पुरुषों के बीच रस्सा-कस्सी का मुकाबला, आकर्षक झांकिया सहित कई रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। समारोह में मेले के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी अतिथि के रूप में शिरकत की। शाम को सरोवर के मुख्य मुख्य घाटों महाआरती का आयोजन किया जाएगा। अजमेर-पुष्कर मार्ग पर वन वे यातायात चालू कर दिया गया। अजमेर से पुष्कर पहुंचने वाली रोडवेज बसों को अजमेर रोड चुंगी नाके पर रोका जा रहा है। तथा नागौर बीकानेर की तरफ से आने वाले वाहनों को तिलोरा रोड स्थित पावर हाउस के पास फूल मण्डी में रोका जा रहा है। जहां से पैदल यात्री कस्बे में पहुंच रहे हैं। इस डेढ़ किलोमीटर के रास्ते में जन सैलाब नजर आ रहा है। पुष्कर के पांच दिवसीय धार्मिक मेले के उपलक्ष्य में पवित्र सरोवर के गऊ घाट, जयपुर घाट, बद्री घाट, वराह घाट, गणगौर घाट व वराह घाट पर हो रही महाआरती में प्रतिदिन धर्मप्रेमी भाग लेकर पुण्य लाभ कमा रहे हैं। रविवार को ब्रह्म चतुर्दशी के उपलक्ष्य में बद्री घाट पर पं. शशांक पाराशर द्वारा सरोवर की महाआरती की गई। इससे पूर्व सरोवर का पूजन एवं दुग्धाभिषेक तथा भजन कीर्तन किये गये। कार्तिक पूर्णिमा के महा स्नान के लिए देर रात से ही श्रदालुओं का सैलाब शुरू हो गया तो पुष्कर के चारों तरफ श्रद्धालुओं का सैलाब ही नजर आ रहा है वहीं पवित्र सरोवर के मुख्य घाटों बाजारों और ब्रह्मा मंदिर के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की बड़ी लाइने देखने को मिल रही हैं हर तरफ श्रद्धालुओं की भीड़ है तथा देर रात बरसात होने के बावजूद भी श्रद्धालुओं की आस्था पर कोई फर्क नहीं पड़ा और पवित्र सरोवर के घाटों पर आस्था की डुबकी लगाकर पूजा अर्चना कर जगत पिता ब्रह्मा मंदिर के दर्शन कर रहे हैं यह रेला देर शाम तक चलता रहेगा। कार्तिक पूर्णिमा के स्नान के अवसर पर भारी ठंड तथा बरसात होने के बावजूद भी आस्था भारी नजर आई । भारी बरसात होने के बावजूद देर रात्रि से पवित्र स्त्रोत में स्नान का सिलसिला जारी हो गया तथा बरसात और ठंड में भी पवित्र सरोवर में आस्था की डुबकी लगाकर जगत पिता ब्रह्मा मंदिर के दर्शन किए।

पुणे–नागपुर इंडिगो फ्लाइट में सीट से कुशन गायब, एयरलाइन की लापरवाही पर उठे सवाल

मुंबई ।
पुणे से नागपुर जाने वाली इंडिगो 6ई-6798 विमान में एक चौकाने वाली घटना सामने आई है। दरअसल, किसी काम की वजह से पुणे से नागपुर जा रही यात्री सागरिका पटनायक ने देखा कि उनकी सीट का आधा कुशन गायब है। सागरिका के पति सुब्रत पटनायक ने मीडिया को बताया, एयरलाइन वालों ने उनकी पत्नी को खिड़की वाली सीट 10डू आवंटित किया था, लेकिन जैसे ही वह अपने सीट पर पहुंची सीट की हालत देखकर वह दंग रह गई। उसने देखा की सीट पर कुशन ही गायब थे। उन्होंने आगे बताया कि उनकी पत्नी ने इसके बारे में वहां मौजूद कैबिन क्रू से बात की, लेकिन उन्होंने उसे सीट के नीचे देखने के लिए कहा। सागरिका ने हर जगह देखा, लेकिन उसे कुशन कहीं नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने फिर एक बार केबिन क्रू से इसके बारे में पूछा। सागरिका के पति ने बताया, उस दौरान बोर्डिंग चल रही थी, और उसे मजबूरत आइल में खड़ा रहना पड़ा। इस वजह से अन्य यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। आखिरकार एक क्रू सदस्य ने दूसरे सीट से कुशन लाकर सागरिका को दिया।

एयरलाइन की तरफ से सफाई – सागरिका के पति ने सवाल किया कि सीट कुशन ऐसे कैसे गायब हो सकता है। इंडिगो जैसी एयरलाइन ब्रांड से ऐसी उम्मीद नहीं थी। हालांकि, इस पर एयरलाइन वालों ने सफाई पेश की है। उन्होंने बताया कि कुशन को सफाई के लिए ले जाया गया था। यात्री के पति को जवाब देते हुए एयरलाइन वालों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, कभी-कभी सीट कुशन वेलक्रो से अलग हो जाता है और कोबिन क्रू की मदद से उसे ठीक किया जाता है। आपका फीडबैक टीम के साथ साझा किया जाएगा। एयरलाइन ने आगे कहा कि उनकी फीडबैक को नोट कर लिया गया है और भविष्य में उन्हें अच्छी सुविधा देने की उम्मीद जताई है। हालांकि इसके बाद सुब्रत ने रिप्लाई में कहा कि विमान उड़ान भरने के लिए तैयार थी। सफाईकर्मी भी दोबारा जांच करके गए, लेकिन उन्हें भी यह नहीं दिखा। विमान में चढ़ने वाले केबिन क्रू की भी नजर इसपर नहीं गई। विमानन मामलों के जानकार धैर्यशील वंडेकर ने इसे अस्वीकार्य बताया। नागरिक उड्डयन महानिदेशक (डीजीसीए) ने इस मामले में पिछले दिनों एयरलाइन को चेतावनी दी थी।

न्यूज ब्रीफ

यात्रा बीमा का दावा पाने के लिए ठीक से पूरी करें प्रक्रिया, यह सब कुछ कवर करतीं हैं कंपनियां

नई दिल्ली । यात्रा के दौरान आपात परिस्थितियों में यात्रा बीमा सर्वोत्तम सुरक्षा कवच माना जाता है। यह मेडिकल आपातकालीन परिस्थितियों, ट्रिप के रद्द या बदलाव होने, चेक-इन किए गए सामान को पाने में देरी या खो जाने के साथ साथ पासपोर्ट के गुम होने जैसी कई परिस्थितियों को कवर करता है। दावा फाइल करते समय क्लेम प्रक्रिया के बारे में ठीक से पता होना चाहिए, ताकि दावा मिल सके। ऐसी स्थिति में दावा पाने के लिए आपको निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखना चाहिए। यात्रा रद्द या कम करने की सूचना बीमा कंपनी को दें। क्लेम फॉर्म में दस्तावेजों के साथ इमरजेंसी का विवरण भी दें। केवल होटल बुकिंग और फ्लाइट टिकट जैसे गैर वापसी, प्री-पेड खर्चों की लागत का रीइंबर्समेंट किया जाएगा। आप विदेश में हों और कोई मेडिकल इमरजेंसी आ जाए तो ट्रैवल बीमा पॉलिसी ऐसी आपात स्थिति में क्वालिटी मेडिकल केयर की सुविधा देती है। किसी घटना और मेडिकल स्थिति की पूरी जानकारी बीमा कंपनी को दें। डॉक्टर के बयान आदि जैसे दस्तावेज़ जमा करें।

एसएंडपी ने बढ़ाया भारत के विकास दर का अनुमान, वित्त वर्ष 24 में जीडीपी 6.4 प्रतिशत पर रहने की उम्मीद

नई दिल्ली। भारत के जीडीपी को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। ग्लोबल रेटिंग एजेंसी ने आज भारत के विकास दर के अनुमान को बढ़ा दिया है। एसएंडपी ग्लोबल ने अपने अनुमान को 6 फीसदी से बढ़ाकर 6.4 फीसदी कर दिया है। एसएंडपी ग्लोबल ने अगले वित्त वर्ष (2024-25) के लिए अपने विकास अनुमान को 6.9 प्रतिशत से घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। एसएंडपी ने कहा, आपको बता दें कि चालू वित्त वर्ष 24 के पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में भारत की जीडीपी 7.8 प्रतिशत थी। वहीं वित्त वर्ष 22-23 में भारत की जीडीपी 7.2 प्रतिशत रही थी। एसएंडपी ने कहा कि इस साल और अगले साल विकास ठोस घरेलू मांग के साथ उभरते बाजार अर्थव्यवस्थाओं - भारत, इंडोनेशिया, मलेशिया और फिलीपींस में सबसे मजबूत होने की राह पर है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि भारत में निजी उपभोक्ता खर्च की तुलना में निश्चित निवेश में काफी अधिक सुधार हुआ है। एसएंडपी ने अपने रिपोर्ट में बताया कि हेडलाइन मुद्रास्फीति भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 4 प्रतिशत के लक्ष्य से ऊपर बनी हुई है, जिससे पता चलता है कि ब्याज दर चक्र बदलने में कुछ समय लगेगा।

शार्क टैंक की तर्ज पर तमिलनाडु सराकर ने शुरू किया स्टार्टअपटीएन टीवी शो, 200 करोड़ की फंडिंग का मिला कमिटमेंट

चेन्नई। देश में बढ़ते स्टार्टअप और उद्यमियों को सपोर्ट करने के लिए तमिलनाडु सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। लोकप्रीय टीवी शो शार्क टैंक से प्रेरित होकर तमिलनाडु सरकार की नोडल एजेंसी स्टार्टअपटीएन ने एक रियलिटी टेलीविजन शो स्टार्टअप थमिझा लॉन्च किया है। तमिलनाडु सरकार द्वारा लॉन्च किए गए स्टार्टअप थमिझा टीवी कार्यक्रम का उद्देश्य जमीनी स्तर पर उभरते उद्यमियों के लिए एक मंच प्रदान करना है। एक शीर्ष अधिकारी के मुताबिक स्टार्टअप थमिझा को उद्यमियों और एंजेल निवेशकों से 200 करोड़ रुपये की फंडिंग का कमिटमेंट मिला है। एक प्रेस रिलीज के मुताबिक रेफेक्स ग्रुप ने 100 करोड़ रुपये, थायरोकेयर के डॉ. वेलुमणि ने 50 करोड़ और एंजेल निवेश कंपनी नेटिव लीड एंजेल्स ने 10 करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है, जबकि शेष राशि का योगदान अन्य निवेशकों द्वारा किया जाएगा। कब से शुरू होगा शो 50 से ज्यादा स्टार्टअप को किया जाएगा शॉर्टलिस्ट प्रेस रिलीज के मुताबिक स्टार्टअप थमिझा टीवी शो के लिए 50 से अधिक स्टार्टअप को शॉर्टलिस्ट किया जाएगा और उन्हें टीवी कार्यक्रम में अपने विचारों को प्रस्तुत करने के लिए मार्गदर्शन और प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

बेहतर सेवानिवृत्ति को वित्तीय साधन में करें निवेश, बाद में काम आएगा पैसा

नई दिल्ली ।
सेवानिवृत्ति के करीब पहुंच रहे कई लोगों के बीच यह एक आम बात है कि उनके पास बहुत पैसा है। उनके पास पैसा तो है, लेकिन ये पैसे एक ऐसे साधन जैसे रियल एस्टेट और सोना में लगे हैं। इसका मतलब यह है कि आप रिटायरमेंट के बाद जरूरत पर इन दोनों संपत्तियों को बेच नहीं सकते हैं। ऐसे में अगर इन दोनों के साथ-साथ वित्तीय साधन में भी निवेश करते हैं तो रिटायरमेंट के समय आपको जरूरतें पूरी करने के लिए दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

उदाहरण के तौर पर 57 वर्षीय संजय की छोटी बेटी भारत में तीन साल में डॉक्टरी की पढ़ाई पूरी कर लेगी। बेटा अमेरिका में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहा है। इस स्तर पर दोनों पूरी तरह से स्वतंत्र नहीं हैं। संजय को लगता है कि बच्चों को कुछ और वर्षों तक उनके मदद की जरूरत होगी। नोएडा और गाजियाबाद में उनके दो फ्लैट हैं। नोएडा के फ्लैट में उनके माता-पिता रहते हैं और दूसरा फ्लैट अब से एक साल में उनके पास आ जाएगा। पिछले कुछ वर्षों में उनकी पत्नी ने दो किलो सोना खरीदा है। उन्हें लगता है कि सोनो में किया गया निवेश अच्छा है।

सात करोड़ की संपत्ति, फिर भी गरीब

फिक्स्ड डिपॉजिट व बीमा पॉलिसियों के साथ उनकी संपत्ति 7 करोड़ रुपये है। दो फ्लैटों की कीमत 4.5 करोड़ रुपये है। 1.5 करोड़ का सोना, 60 लाख का एफडी और 40 लाख रुपये शेयर और म्यूचुअल फंड में हैं। मुझे पता है कि उन्होंने अच्छा किया है,पर दुर्भाग्यवश, वह वास्तव में गरीब हैं। गरीब इसलिए क्योंकि वह अपना घर नहीं बेच सकते। एक फ्लैट में उनके माता-पिता हैं और दूसरा अभी भी उनके कब्जे में नहीं है। उनकी पत्नी का सोना बेचने या गिरवी रखने की भी संभावना नहीं है। इसलिए, मूल रूप से कुल संपत्ति का 85 फीसदी जरूरत पड़ने पर भी उपयोग नहीं किया जा सकता है। इसके अलावा, बेटी की शिक्षा और अगले 5-6 वर्षों में दोनों बच्चों की शादी भी करनी है।

नए साल से फोन-पे से मिल सकेगा पर्सनल लोनः रिपोर्ट

नई दिल्ली । जल्द ही डिजिटल पेमेंट कंपनी फोन-पे पर पर्सनल लोन मिल सकेगा। रिपोर्ट की मानें तो अगले साल जनवरी 2024 तक ही फोनपे अपने प्लेटफॉर्म पर कंज्यूमर लेंडिंग या कंज्यूमर लोन को लांच कर सकता है। इस बारे में मामले की जानकारी रखने वालों ने एक रिपोर्ट पेश की है। रिपोर्ट के अनुसार शुरुआत में वॉलमार्ट समर्थित कंपनी पर्सनल लोन के लिए एक डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में काम करेगी क्योंकि यह धीरे-धीरे क्रेडिट अंडरराइटिंग का भार बढ़ाती है। यह सुविधा शुरू करने के लिए कंपनी पांच लेंडर्स, बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्त कंपनियों के साथ एकीकरण की ओर है। रिपोर्ट के मुताबिक अगले छह से सात महीनों में फोन-पे के पास कई कंज्यूमर (क्रेडिट) उत्पाद होने की उम्मीद है। यह अंडरराइटिंग पर काम कर रहा है ताकि यह पता लगाया जा सके कि कौन से ग्राहक लेंडर्स के क्राइटेरिया पर फिट बैठेंगे और फिर धीरे-धीरे उपभोक्ताओं के लिए पेशकश खोलेंगे। फोन-पे के मंच पर रजिस्टर्ड यूजर्स की संख्या 500 मिलियन से अधिक हो गई है, जबकि 37 मिलियन मर्चेंट है। घोषणा के बाद फिनटेक कंपनी कई वरिष्ठ अधिकारियों के प्रमोशन की भी घोषणा की गई।

छोड़ने में असफल

संजय यदि एक घर बेचते हैं, तो उन्हें पूंजीगत लाभ पर कर देना होगा। संजय की समस्या जटिल हो गई है। उनकी पत्नी की योजना बेटी की शादी में आधा सोना देने की है। बैंक जमा पर भी 6-7 फीसदी ब्याज मिल रहा है, जो महंगाई की दर के बराबर ही है। इसका अर्थ है कि जहां उन्हें वास्तव में फायदा हो सकता था वह शेयर और म्यूचुअल फंड था, जो उनके कुल निवेश का केवल 6 फीसदी ही है।

करोड़ों की संपत्ति...खुशहाल जीवन की राह जटिल

इन स्थितियों के बाद संजय के पास ऐसी कोई संपत्ति नहीं है जिससे सेवानिवृत्ति के बाद जरूरत के लिए कोई आय हो सके। इसलिए, वह सेवानिवृत्त होने के लिए तैयार नहीं हैं। आराम से सेवानिवृत्त के लिए एक ऐसे फंड की जरूरत होती है जो काम आए। बैंक जमा, शेयर और म्यूचुअल फंड में मिले एक करोड़ रुपये से बेटी की शिक्षा और शादी का खर्च पूरा हो सकेगा। संजय अपनी जरूरत के लिए एक घर बेच सकते थे। वह पत्नी से कम सोना खरीदने को कह सकते थे, पर उन्हें यकीन था कि पत्नी इस पर सहमत नहीं होगी। इन स्थितियों का सबक यह है कि हमें कुल संपत्ति का कम से कम आधा हिस्सा बैंकों, म्यूचुअल फंड और शेयरों जैसे वित्तीय साधनों में निवेश करना चाहिए, न कि इसे सोने और रियल एस्टेट में। मैं लोगों को सेवानिवृत्त होने का सपना देखने से हतोत्साहित नहीं कर रहा हूँ। मैं यह चाहता हूं कि वे यह समझें कि सेवानिवृत्ति के बाद खुश और तनाव मुक्त रहने के लिए सही वित्तीय समर्थन होना चाहिए।

अगर आईपीओ मूल्यांकन पर खुलासे निरर्थक हैं तो इसपर गौर करेंगे बोर्ड बैठक में बोलीं सेबी प्रमुख

मुंबई ।
सेबी की बोर्ड बैठक शनिवार को पूरी होने के बाद संवाददाताओं से अध्यक्ष माधबी पुरी बुच रूबरू हुईं। इस दौरान कुछ आरंभिक सार्वजनिक पेशकशों के अत्यधिक मूल्यांकन पर कुछ हलकों में चिंताओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा है कि यदि मूल्यांकन पर खुलासे निरर्थक हैं तो नियामक निश्चित रूप से इस मामले पर गौर करेंगे। हाल ही में पूंजी बाजार में शेयर बिक्री में आई तेजी के बीच ये टिप्पणियां आई हैं। पिछले हफ्ते, टाटा टेक्नोलॉजीज सहित पांच कंपनियां अपने आईपीओ लेकर आईं, जिन्होंने आवेदन राशि में रिकॉर्ड 2.6 लाख करोड़ रुपये जुटाए। आईपीओ में कुछ शेयरों के लिए उच्च प्रीमियम के बारे में एक प्रश्न पर, बुच ने कहा, बेशक, हम इस पर पूरी तरह से आपके साथ हैं क्योंकि उच्च प्रीमियम के लिए दिए गए तर्क और कुछ नहीं बल्कि कुछ अर्थहीन अंग्रेजी शब्द हैं। उन्होंने कहा, हम निश्चित रूप से इस पर गौर करेंगे और मुद्दे का समाधान करेंगे।

आईपीओ की अधिक कीमतों पर कही ये बात

कुछ हलकों में इस चिंता के बारे में पूछे जाने पर कि कुछ आईपीओ की कीमत अत्यधिक है, सेबी प्रमुख ने कहा, अगर मूल्यांकन पर खुलासे निरर्थक हैं तो हम निश्चित रूप से इस पर गौर करेंगे। यह ध्यान दिया जा सकता है कि अल्पज्ञात कंपनियों के आईपीओ में निवेशकों की रुचि बढ़ाने के लिए, जारीकर्ता और उनके निवेश बैंकर कम अंकित मूल्य का हवाला देते हैं, लेकिन बहुत अधिक प्रीमियम का हवाला देते हुए इश्यू की कीमत अधिक रखी जाती है।

ग्रीन-शू विकल्प की अनुमति पर क्या है राय

यह पूछे जाने पर कि क्या सेबी ग्रीन-शू विकल्प की अनुमति देगा, जैसा कि अन्य बाजार गतिविधियों में अनुमति है, जिसमें जारीकर्ता को स्वतंत्रता है, उन्होंने कहा कि इसका उत्तर नहीं है क्योंकि इसे व्यावहारिक और वैचारिक दृष्टिकोण से संबोधित किया जाना चाहिए।

व्यावहारिक पक्ष से, यह संभव है, लेकिन वैचारिक दृष्टिकोण से, यह संभव नहीं है क्योंकि ऋण मुद्दे या किसी अन्य बाजार उपकरण के विपरीत, जिसमें कोई इक्विटी कमजोरीकरण नहीं होता है, एक आईपीओ वास्तव में एक इक्विटी मुद्दा है। इसलिए यदि हम ग्रीन शू विकल्प की अनुमति देते हैं तो इससे इक्विटी में अवांछित कमी आएगी जिसके और अन्य प्रभाव होंगे।

बेंगलुरु एयरपोर्ट पर सिक्योरिटी चेक आसान होगा

लैपटॉप जैसे डिवाइसेज बैग से नहीं निकालने होंगे, ऐसा करने वाला भारत का पहला एयरपोर्ट

नई दिल्ली ।
बेंगलुरु का केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट देश का पहला एयरपोर्ट बनने वाला है जहां सिक्योरिटी चेक में मोबाइल फोन और लैपटॉप जैसे पर्सनल इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज को निकालकर ट्रे में नहीं रखना होगा। इसकी शुरुआत टर्मिनल 2 से होगी। इससे सिक्योरिटी चेक में लगने वाले समय में कमी आएगी और यात्रियों का फ्लाइंग एक्सपीरियंस बेहतर होगा। मनी कंट्रोल की एक रिपोर्ट के अनुसार टी2 पर (कंप्यूटर टोमोग्राफी एक्स-रे) मशीन का ट्रायल रन अगले कुछ हफ्तों में शुरू हो जाएगा। शुरुआत के लिए, नई प्रणाली केवल घरेलू यात्रियों के लिए है, और दिसंबर 2023 में चालू होने की संभावना है। शुरुआत में, नया सिस्टम केवल घरेलू यात्रियों के लिए होगा। दिसंबर 2023 में इसके ऑपरेशनल होने की संभावना है। बेंगलुरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर सत्यकी रघुनाथ ने बताया कि टी2 पर मशीन का ट्रायल रन अगले कुछ हफ्तों में शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि मशीन को ऑटोमैटिक ट्रे रिट्रीवल सिस्टम और फुल-बॉडी स्कैनर के साथ इंटीग्रेट किया जाएगा। टी2 पर तीन फुल-बॉडी स्कैनर लगाए गए हैं। मशीन के लगने से 4 फायदे होंगे पैसेंजर्स को अपने बैग से लैपटॉप जैसी चीजें नहीं निकालनी होगी। स्क्रीनिंग के लिए 3डी इमेज क्वालिटी से सिक्योरिटी बेहतर होगी। सिक्योरिटी स्क्रीनिंग पर ट्रे की संख्या में कमी आएगी। समय की बचत होगी जिससे फ्लाइंग एक्सपीरियंस बेहतर होगा। नवंबर 2022 में डी2 का उद्घाटन हुआ था डी2 का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवंबर 2022 में किया था। इसकी कंस्ट्रक्शन कॉस्ट लगभग 5,000 करोड़ रुपए है।

म्यूचुअल फंड बन रहा घरेलू बचत का पसंदीदा साधन

नई दिल्ली ।
हाल के समय में बाजार की तेजी से घरेलू बचत का हिस्सा अब बैंकों के जमा के बजाय म्यूचुअल फंडों में जा रहा है। निवेशक अब इक्विटी फंड में पैसे लगा रहे हैं। इस पर उनको अच्छा रिटर्न मिल रहा है।

बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2021 में म्यूचुअल फंडों में कुल निवेश 64,000 करोड़ रुपये आया था। 2022 में यह बढ़कर 1.60 लाख करोड़ और 2023 में यह 1.79 लाख करोड़ रुपये हो गया। वित्तीय बचत में घरेलू बचत का हिस्सा भी इसी तरह से वित्त वर्ष 2021 में 7.6 फीसदी था। 2022 में यह बढ़कर 8.5 फीसदी और 2023 में यह 8.4 फीसदी पर रहा। चालू वित्त वर्ष के पहले सात महीने (अप्रैल से अक्तूबर) में म्यूचुअल फंड में निवेशकों के निवेश का मूल्य यानी एयूएम बढ़कर 46.72 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह इसलिए क्योंकि घरेलू बचत का हिस्सा अब म्यूचुअल फंड में आ रहा है।

इक्विटी योजनाओं में आ रहा है पैसा

अप्रैल से अक्तूबर के बीच इक्विटी और वृद्धि केंद्रित योजनाओं का म्यूचुअल फंड में सर्वाधिक हिस्सा रहा है। डेट स्कीम का मार्च, 2022 तक 34 प्रतिशत हिस्सा था जो अक्तूबर तक घटकर 29 प्रतिशत पर आ गया। इक्विटी और वृद्धि योजनाओं का हिस्सा 36.3 प्रतिशत बढ़कर 40.2 फीसदी पर पहुंच गया। इसका मतलब निवेशक इक्विटी फंड में तेजी से पैसा लगा रहे हैं। इस वित्त वर्ष में तीन नवंबर तक बैंक जमा की वृद्धि दर 8.5 फीसदी रही, जबकि म्यूचुअल फंड की वृद्धि दर 18.5 फीसदी रही। इसमें भी इक्विटी की वृद्धि दर 23.9 फीसदी रही है।

मल्टी एसेट फंड दे रहा बेहतर रिटर्न

मल्टी एसेट एलोकेशन फंड एक ऐसा साधन है जो 100 रुपये के निवेश को कई क्षेत्रों में फैलाता है। यानी यह लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप शेयरों में निवेश करने के साथ ही सोना और अन्य साधनों में भी निवेश करता है। इसका मकसद यह है कि एक साधन में घाटा है तो दूसरा उससे बचाता है। सोना एक सुरक्षित निवेश है वहीं डेट और एक्सचेंज ट्रेडेड कमोडिटी डेरिवेटिव्स/ गोल्ड ईटीएफ रिट और इनविट्स में भी निवेश किया जाता है। लंबी अवधि में रिटर्न उत्पन्न करने के प्रयास में इस फंड की निवेश रणनीति एक बेहतरीन रिटर्न देती है। यह फंड अपनी संपत्ति का कम से कम 10 फीसदी तीन या अधिक परिसंपत्ति वर्गों में निवेश करता है।

नीरज जोशी, संस्थापक, एमएचएल मल्टीप्लायर का कहना है कि म्यूचुअल फंड के मल्टी एसेट एलोकेशन में निवेशकों का आकर्षण तेजी से बढ़ा है। यह ऐसी स्कीम है जिसने बाजार के हर चक्र व अन्य परिसंपत्तियों में निवेश कर अच्छा रिटर्न दिया है।

छोटी कंपनियों पर नकेल, कॉरपोरेट गवर्नेंस और मजबूत हुआ

नई दिल्ली ।
छोटे और मझोले (एसएमई) प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध और वहां से मुख्य प्लेटफॉर्म पर आने वाली कंपनियों के लिए नियम और सख्त हो गए हैं। अब इनको ज्यादा कॉरपोरेट गवर्नेंस का पालन करना होगा। ताजा मामले में बीएसई ने कहा है कि मुख्य प्लेटफॉर्म पर वही कंपनियां आ पाएंगी, जो तीन साल तक एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध रहेंगी। नियम एक जनवरी, 2024 से लागू होगा।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) ने कहा, एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होने के लिए आवेदक के पास पिछले दो वित्त वर्षों में कम से कम 15 करोड़ रुपये की नेटवर्थ होनी चाहिए। बीएसई के मुख्य प्लेटफॉर्म पर आने से पहले कंपनी के पास 250 पब्लिक शेयरधारक होने चाहिए। यह नियम पहले भी था, पर अब यह अनिवार्य हो गया है। तीन वित्त वर्षों में किसी दो वर्ष में परिचालन लाभ होना चाहिए। मुख्य प्लेटफॉर्म पर आने से पहले के वर्ष में शुद्ध मुनाफे में कंपनी होनी चाहिए।

इसी तरह आवेदक की चुकता इक्विटी पूंजी 10 करोड़ रुपये से अधिक हो और बाजार पूंजीकरण 25 करोड़ रुपये हो। आवेदक कंपनी, उसके प्रमोटर और उसकी सहायक कंपनी पर सेबी का प्रतिबंध नहीं होना चाहिए। पिछले तीन वर्षों में किसी भी एक्सचेंज ने कंपनी और उसके प्रवर्तकों को निलंबित नहीं किया हो।

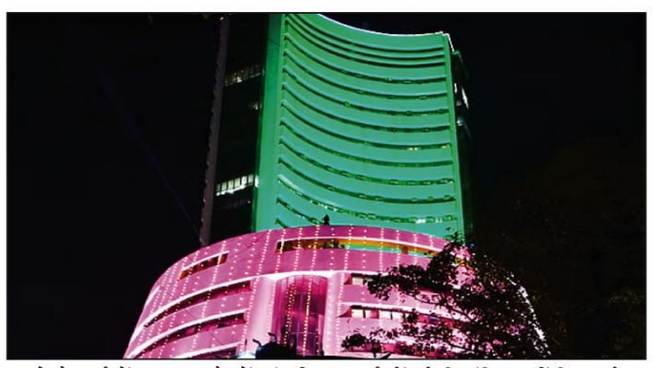

464 कंपनियां बीएसई पर हुईं सूचीबद्ध

अब तक 464 कंपनियां बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध हुई हैं। इसमें से 181 कंपनियां मुख्य प्लेटफॉर्म पर जा चुकी हैं। एनएसई और बीएसई ने मार्च, 2012 में छोटी कंपनियों को बाजारों में सूचीबद्ध करने के लिए इस प्लेटफॉर्म को शुरू किया था।

156 कंपनियों ने जुटाए 4,203 करोड़

इस साल एसएमई 156 कंपनियों ने 4,203 करोड़ जुटाए। पिछले साल 109 कंपनियों ने 1,980 करोड़ रुपये जुटाए थे। इस साल पैकेजिंग 730 गुना, मैत्रेय मेडिकेयर 446 गुना, मधुसूदन मसाला 444 गुना सब्सक्राइब हुए।

सात कंपनियों पर 5.42-5.42 लाख का जुर्माना

निदेशक मंडल में स्वतंत्र निदेशकों की संख्या पूरी नहीं होने पर बीएसई और एनएसई ने इंडियन ऑयल और गेल सहित सरकारी क्षेत्र की सात तेल व गैस कंपनियों पर लगातार दूसरी तिमाही में 5.42-5.42 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी), ऑयल इंडिया, गेल, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन और इंजीनियर्स इंडिया ने शेयर बाजार को अलग-अलग दी जानकारी में जुर्माने का विवरण दिया। इन कंपनियों का दावा किया कि निदेशकों की नियुक्ति सरकार के अधीन है और इसमें उनकी कोई भूमिका नहीं है।

जनवरी से आडी दो प्रतिशत बढ़ाएगी कारों की कीमत

मुंबई । जर्मनी की लक्जरी कार निर्माता कंपनी ऑडी ने कहा कि कच्चे माल की मांग और परिचालन लागत बढ़ने से वह अगले साल जनवरी से भारत में अपने वाहनों की कीमतें दो प्रतिशत तक बढ़ाएगी। ऑडी इंडिया की ओर से जारी एक बयान के अनुसार कीमतों में बढ़ोतरी एक जनवरी 2024 से प्रभावी हो जाएगी और सभी मॉडल रेंज में बढ़ोतरी होगी। ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा कि आपूर्ति-श्रृंखला-संबंधित कच्चे माल की बढ़ती मांग और परिचालन लागत के कारण हमने ब्रांड की प्रीमियम मूल्य स्थिति को बनाए रखते हुए अपने मॉडल रेंज में मूल्य सुधार किया है। उन्होंने कहा कि मूल्य सुधार का उददेश्य ऑडी इंडिया और हमारे डीलर भागीदारों की सतत वृद्धि सुनिश्चित करना है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि कीमत बढ़ने का प्रभाव ग्राहकों जितना हो सके कम से कम पड़े। ऑडी इंडिया ने क्यू3 एसयूवी से लेकर स्पोर्ट्स कार आरएसक्यू8 तक कई वाहन का विक्रय करती है, जिनकी कीमत 42.77 लाख रुपए से 2.22 करोड़ रुपए के बीच है।

फिल्म नेरू के लिए तैयारी कर रहे मोहनलाल

-फिल्म का लेटेस्ट पोस्टर हुआ रिलीज

तिरुवनंतपुरम (ईएमएस)। दक्षिण भारतीय सुपरस्टार मोहनलाल अपनी अगली फिल्म नेरू के लिए तैयारी कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म का लेटेस्ट पोस्टर रिलीज हुआ1पोस्टर में एक्टर अनुभवी वकील की पोशाक में नजर आ रहे हैं। फिल्म की रिलीजिंग डेट को लेकर कुछ लोगों का मानना था कि फिल्म 2024 से पहले रिलीज नहीं होगी। हालांकि, नवंबर की श-रूआत में, फिल्म की रिलीज की ता-रीख 21 दिसंबर होने की पुष्टि की गई थी। अपने पोस्टर का अनावरण करते हुए, मोहनलाल ने लिखाः नेरू का ऑफिशियल पोस्टर रिलीज हो चुका है। फिल्म 21 दिसंबर को दुनिया भर में रिलीज हो रही है। फिल्म का निर्देशन अनुभवी निर्देशक जीतू जोसेफ ने किया है, जिन्होंने मोहनलाल की फिल्में दृश्यम और दृश्यम 2 का भी निर्देशन किया था, जिन्हें बाद में हिंदी में भी बनाया गया और इसमें बॉलीवुड सुपरस्टार अजय देवगन ने अभिनय किया था। पोस्टर में मोहनलाल को आधिकारिक पोश-ाक में एक अनुभवी वकील के रूप में दिखाया गया है, जो वाइट शर्ट के ऊपर एक काला कोट पहने हुए हैं। मोहनलाल ने जीतू जोसेफ के साथ पहले भी कई फिल्मों जैसे आधी और 12 मैन में काम किया है। इसके अलावा, दोनों अपकमिंग एक्शन-थ्रिलर मलयालम फिल्म राम में भी साथ काम करेंगे, जो 2024 में रिलीज होगी। आखिरी बार जेलर में एक स्पेशल अपीयरेंस में नजर आए मेगास्टार जल्द ही अभिनेता-निमार्ता विष्णु मांचू की फिल्म कन्नप्पा में दिखाई देंगे। बता दें कि फिल्म की कहानी अभिनेता के इर्द-गिर्द घूमती है, जो न्याय देने की बागडोर खुद अपने हाथ में लेते हैं और उसी प्रणाली से लड़ते हैं जिसके तहत वह काम करते हैं।

बहुत उदार इंसान है सलमान खान : कैटरीना कैफ

-किसी भी बात को ज्यादा गंभीरता से नहीं लेते

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ से पूछा गया कि सलमान सेट पर सीरियस रहते हैं या मजाक-मस्ती करते हैं। इस पर एक्ट्रेस ने जवाब दिया, सलमान सेट पर शानदार हैं। आप जानते हैं कि सलमान के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि वह खुद को या किसी भी बात को ज्यादा गंभीरता से नहीं लेते हैं। वह बहुत उदार इंसान भी हैं। एक्ट्रेस कैटरीना कैफ ने टाइगर-3 के अपने पार्टनर सलमान खान की जमकर तारीफ की और कहा कि वह अपने काम के लिए जीते हैं और सेट पर शानदार हैं। एक्ट्रसे ने कहा कि मुझे लगता है कि उनका यह कॉम्बिनेशन आस-पास के सभी लोगों के लिए बहुत मनोरंजक है। कैटरीना और सलमान अक्सर एक साथ स्क्रीन शेयर करते रहे हैं। उन्होंने मैंने प्यार क्यों किया?, पार्टनर, हैलो, युवराज, टाइगर फ्रेंचाइजी और भारत जैसी फिल्मों में काम किया है। वह कहती हैं कि जब सलमान आसपास होते हैं तो सेट पर हर कोई मुस्कुरा रहा होता है। उन्होंने कहा, हमने एक साथ बहुत अच्छा समय बिताया, खासकर जब हम टाइगर की फिल्मों में थे। उन्होंने आगे कहा, हम एक-दूसरे को बहुत अच्छी तरह से जानते हैं। मुझे लगता है कि यह स्क्रीन पर दिखता है और इससे शानदार केमिस्ट्री बनती है। जब वह आसपास होते हैं तो क्रू टीम हमेशा मुस्कुराती रहती है और मुझे लगता है कि अब वह टाइगर के कैरेक्टर से बहुत अधिक जुड़ गए हैं, वह दुनिया को जानते हैं और सीन खुद क्रिएट करते है।

वध के सीक्वेल की हो रही तैयारी, नए साल में होगी शूटिंग

-एक्टर संजय मिश्रा और नीना गुप्ता थे प्रमुख भूमिका में

मुंबई (ईएमएस)। लव फिल्म्स के निमार्ता अंकुर गर्ग, निर्देशक जसपाल सिंह संधू और ने कन्फर्म किया कि वध 2 पर काम चल रहा है और अगले साल इसकी शूटिंग शुरू हो जाएगी। स्क्रीनिंग में दर्शकों से बात करते हुए, अंकुर गर्ग, निमार्ता और पार्टनर, लव फिल्म्स ने कहा, वध एक मध्यम बजट में बनाई गई फिल्म थी और इसकी रिलीज सीमित थी, लेकिन फिल्म का वर्ड ऑफ माउथ इतना मजबूत था कि समय के साथ बहुत से लोगों ने इसे देखा और पसंद किया। हमने कुछ बड़े अवॉर्ड्स और सम्मान जीतीं हैं और हमें लगता है कि ऑडियंस कहानी के किरदारों से जुड़ी है और एक सीक्वेल देखना चाहती है। तो हां हम फिल्म के सीक्वेल पर काम कर रहे हैं। मेकर्स ने अभी तक प्लॉट से जुड़ी किसी भी डिटेल्स को सामने नहीं लाया है, लेकिन फिल्म का सीक्वल आना तय है। अब यह देखना शानदार है कि कैसे वध जैसी एक साधारण फिल्म कुछ लोगों के लिए प्रासंगिक बन गई और कुछ अन्य लोगों के लिए न केवल भारत में, बल्कि दुनिया भर में चर्चा या बहस का मुद्दा बन गई। वध को जसपाल सिंह संधू और राजीव बरनवाल द्वारा लिखा और निर्देशित किया गया था, फिल्म लव फिल्म्स के लव रंजन और अंकुर गर्ग द्वारा प्रस्तुत की गई थी और जे स्टूडियो और नेक्स्ट लेवल प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित थी। बता दें कि संजय मिश्रा और नीना गुप्ता स्टारर वध ने अपनी बेहद आकर्षक कहानी के साथ लोगों पर गहरा प्रभाव छोड़ा है। फिल्म ने सिर्फ ऑडियंस से ही नहीं, बल्कि क्रिटिक्स और फिल्म इंडस्ट्री से भी तारीफें पाई और इसने अपनी कहानी, निर्देशन, अभिनय और संगीत के लिए प्रमुख पुरस्कार भी जीते। कई सम्मान अपने नाम करने के बाद, आज फिल्म को गोवा में 54वें इंटरनेशनल फिल्म फे-स्टिवल में इंडियन पैनोरमा सेक्शन में स्क्रीन किया गया। ऐसे में फिल्म की टीम को इस प्रतिष्ठित मंच पर फिर से एकजुट होते देखना वास्तव में एक अच्छा अनुभव था। इस मौके पर नीना गुप्ता और संजय मिश्रा, निमार्ता अंकुर गर्ग, निर्देशक जसपाल सिंह संधू और अभिनेता सौरभ सचदेव मौजूद थे।

सलमान के फटे जूते ने खींचा सबका ध्यान

हाल ही में सुपर स्टार सलमान खान एक इवेंट में फटे हुए जूते पहनकर पहुंचे। इवेंट में मौजूद कुछ लोगों का ध्यान सलमान के फटे जूते ने खींच लिया। सोशल मीडिया पर वायरल फोटो में सलमान ब्लैक फॉर्मल शर्ट और मैचिंग पैंट पहने हुए है, लेकिन सलमान के फैंस का ध्यान जिस चीज ने खींचा वो थे उनके फटे हुए काले जूते जूम की हुई उनकी जूतों की तस्वीर कुछ ही समय में सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। फैंस ने अपने रिएक्शन देना शुरू कर दिया, और लिखाः अमीर इतना बनो कि... जो तुम फटा हुआ पहनो तो लोग बुराई नहीं इसे सादगी कहें। दूसरे ने मजाकिया तौर पर कमेंट में कहा, इसकी कीमत 1.7 लाख है। एक अन्य ने कहा, रिलेक्स दोस्तों, यह एक नया फैशन लाने की कोशिश कर रहे हैं। सलमान की नवीनतम फिल्म टाइगर 3 वाईआरएफ के आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित और मनीष शर्मा द्वारा निर्देशित है। फिल्म फिलहाल ताबड़तोड़ कमायी कर रही है। फिल्म टाइगर 3 शाहरुख खान की जवान और पठान को टक्कर दे रही है।

अंशुल चौहान ने लिखा एक भावुक नोट

अपनी हालिया रिलीज फिल्म तेजस से दिल जीतने वाली अंशुल चौहान ने इंस्टाग्राम पर एनिमल निर्देशक, संदीप रेड्डी वांगा के साथ अपनी बातचीत का स्क्रीन कैप्चर साझा किया। पोस्ट में, अंशुल को अपनी एक तस्वीर साझा करते हुए देखा जा सकता है जिसमें उन्होंने दस बड़े सपने लिखे हैं जो अभी सच होने बाकी थे, जिसमें रणबीर कपूर का सह-अभिनेता होना उनमें से एक था। यह खूबसूरत अभिनेता अगली बार रणबीर कपूर-अभिनीत फिल्म एनिमल में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए दिखाई देंगे। अंशुल ने साझा किया, यह खूबसूरत रहा है। मैं हमेशा रणबीर कपूर के साथ अभिनय करना चाहता था ताकि मैं उनकी प्रतिभा को व्यक्तिगत रूप से देख सकूं। इस भूमिका के लिए मेरे बारे में विचार करने के लिए श्री संदीप रेड्डी वांगा का आभारी हूं। एनिमल को लाने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं। जाहिर है, सपने सच होते हैं यदि आप खुद पर विश्वास रखते हैं और प्रक्रिया पर भरोसा करते हैं। इसमें कुछ समय लग सकता है समय या शायद इससे भी अधिक, लेकिन हमारा काम अपनी गति से अपने सपने या लक्ष्य के लिए वह करते रहना है जो हमें करना चाहिए।

कावेरी कपूर के डेब्यू को लेकर अटकलें तेज

-शेखर कपूर और सुचित्रा कृष्णमूर्ति की बेटी है कावेरी

मुंबई (ईएमएस)। प्रसिद्ध फिल्म निमार्ता शेखर कपूर और सिंगर, एक्ट्रेस सुचित्रा कृष्णमूर्ति की प्रतिभाशाली बेटी कावेरी कपूर के बहुप्रतीक्षित डेब्यू को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं, जिससे बॉलीवुड के गलियारों में अफवाहें उड़ रही हैं। एक्टिंग और सिंगिंग दोनों में ट्रैन्ड, क-ावेरी इंडस्ट्री के अंदरूनी सूत्रों के बीच अत्यधिक रुचि का विषय रही है। आगामी प्रमुख बॉलीवुड प्रोडक्शन में एक प्रमुख भूमिका के लिए उनकी पेशकश की चर्चा चल रही है। उनकी योजनाओं से जुड़ी गोपनीयता के बीच, करीबी सूत्रों ने संकेत दिया है कि अभिलाषी कलाकार अपने पिता की सम्मानित विरासत को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हैं। एक गायिका-गीतकार और अग्रणी वैश्विक निमार्ताओं के साथ सहयोगी के रूप में कुशल, वह वर्तमान में बोस्टन में बर्कली स्कूल ऑफ म्यूज़िक में अपनी संगीत विशेषज्ञता को आगे बढ़ा रही हैं। इंडस्ट्री में उनकी स्थिति दुनिया भर में प्रशंसित निमार्ताओं के साथ लगातार सहयोग से उजागर होती है। एक प्रभावशाली पोर्टफोलियो के साथ, उन्होंने कथित तौर पर प्रमुख भारतीय प्रोडक्शन हाउस का ध्यान आकर्षित किया है, जो भारतीय सिनेमा की दुनिया में एक बड़े डेब्यू का संकेत देता है। कावेरी कपूर बॉलीवुड में अपने कदम को लेकर काफी सतर्क रही हैं। उद्योग के एक सूत्र ने खुलासा किया, वह एक महत्वपूर्ण भूमिका के लिए चर्चा में रही हैं जो हिंदी सिनेमा के अत्यधिक प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में उनके लॉन्चपैड के रूप में काम कर सकती है। कावेरी वर्कशॉप्स में भाग ले रही हैं और अपने किरदार के लिए जमकर तैयारी कर रही हैं। एक बड़ी फिल्म की घोषणा चल रही है। फैंस उत्सुकता से इस रोमांचक विकास के बारे में आधिकारिक पुष्टि और अधिक जानकारी का इंतजार कर रहे हैं, जहा कावेरी कपूर के बॉलीवुड डेब्यू को लेकर चर्चा हो रही है। बता दें कि इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (आईएफएफआई) में अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता के जूरी प्रमुख शेखर कपूर ने फेस्टिवल के ओपनिंग रेड कार्पेट के दौरान अपने फैंस को सुखद सरप्राइज दिया। रेड कार्पेट पर उनकी बेटी कावेरी कपूर उनके साथ थीं, जिसने प्रशंसकों को पूरी तरह से रोमांचित कर दिया। इस अप्रत्याशित उपस्थिति ने अटकलों की लहर को जन्म दे दिया है। कई लोग बॉलीवुड में उनके डेब्यू के बारे में संभावित घोषणा की उम्मीद कर रहे हैं।

एनिमल में खूंखार अवतार से रणबीर जीतेंगे दिल

-फिल्म के ट्रेलर पर फैंस लुटा रहे खूब प्यार

मुंबई (ईएमएस)। अपनी अपकमिंग फिल्म एनिमल में बॉलीवुड के रॉकस्टार रणबीर कपूर खूंखार अवतार से फैंस का दिल जीतेंगे। हाल ही में उनकी फिल्म का ट्रेलर भी सामने आया है, जिस पर फैंस खूब प्यार लुटा रहे हैं। इस दौरान रणबीर ने कई ऐसे सवालों के जवाब दिए कि वह सुर्खियों में छा गए हैं। रणबीर कपूर की आने वाली फिल्म एनिमल में उनके अलावा रश्मिका मंदाना और बॉबी देओल भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। हाल ही में रिलीज किए गए ट्रेलर में भी जिस तरह के एक्शन सीन, अलग-अलग हथियार दिखाए गए हैं उन्हें देखकर फैंस अंदाजा लगा रहे है कि फिल्म में जबरदस्त एक्शन सींस देखने को मिलेंगे। खासतौर पर रणबीर कपूर के फैंस उनका एंग्री यंगमैन वाला लुक काफी पसंद कर रहे हैं। सामने आए ट्रेलर ने दर्शकों की फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट पहले से भी ज्यादा बढ़ा दी है। हाल ही ट्रेलर लॉन्च पर रणबीर ने अपनी पत्नी आलिया को लेकर कुछ ऐसा कह दिया है कि वह चर्चा में आ गए हैं। ट्रेलर लॉन्च के मौके पर रणबीर ने फिल्म में अपने किरदार के बारे में कहा, यह एक एडल्ट रेटेड कभी खुशी कभी गम है रणबीर ने यह भी बताया कि वह जब इस तरह के इंटेंस किरदार निभाने के बाद जब अपने घर जाते हैं तो उन्हें बहुत सुकून मिलता है। इसके अलावा उन्होंने इस बात का भी खुलासा किया कि वअगर वह अपने इस किरदार की ही तरह अपने घर जाएंगे तो उनकी पत्नी आलिया भट्ट उन्हें बहुत मारेंगी।अपने बारे में उन्होंने कहा कि वह घर में बहुत अलग इंसान हैं। वह कभी भी अपने काम को अपने घर नहीं लेकर जाते हैं।अगर मैं घर जाकर भी अपने किरदार की तरह रिएक्ट करूं तो मेरी बीवी मेरी बहुत पिटाई करेंगी।ह्यअपनी बात आगे रखते हुए एक्टर ने कहा, इस कैरेक्टर को स्विच ऑन और स्विच ऑफ करना मेरे लिए बहुत अहम था, जब मैं इस फिल्म की शू-टिंग कर रहा था।तब तक मैं एक बेटी का पिता बन चुका था। मैं शूटिंग पर जाकर अपना काम पूरा करता था और उसके बाद घर जाता था फिरह्न घर जाकर अपनी बेटी को देखना मेरे लिए किसी सपने के जैसा होता था। हर एक्टर को अच्छा लगता है जब उसका काम आसानी से हो जाता है।इस फिल्म को पूरा करने के लिए हमें सिर्फ 100 दिनों तक शूट करना पड़ा था. बता दें कि रणबीर कपूर के फैंस उन्हें इस फिल्म में देखने के लिए काफी एक्साइटेड हैं। ट्रेलर देखकर तो उनके फैंस की एक्साइटमेंट पहले से भी ज्यादा बढ़ गई है।

सलमान ने ओरी को वाइल्डकार्ड कंटेस्टेंट के रूप में पेश किया

छोटे परदे का लेटेस्ट शो बिग बॉस 17 प्रोमो में सुपर स्टार सलमान खान ने ओरी को वाइल्डकार्ड कंटेस्टेंट के रूप में भी पेश किया। वीडियो में सलमान ने मजाक में कहा कि ओरी, बिग बॉस के घर के अंदर कितने सूटकेस ले जा रहे हो। उन्होंने ओरी से हिंदी में पूछा, आप एक वाइल्डकार्ड कंटेस्टेंट हैं, इतनी सारी चीजों का क्या करेंगे? ओरी ने भी बिग बॉस 17 के सेट से तस्वीरें साझा करते हुए खुद इस बात की पुष्टि की। ओरी ने इंस्टाग्राम पर सलमान के साथ बिग बॉस 17 के स्टेज पर एक साथ पोज देते हुए दो तस्वीरें शेयर कीं। पहली सेल्फी में सलमान के साथ पोज देते हुए ओरी का फनी एक्सप्रेशन था। दूसरी सेल्फी में ओरी और सलमान एक साथ पोज देते हुए मुस्कुरा रहे थे। कैप्शन में लिखा हैः बस इसे यहीं छोड़ रहा हूं।

आलिया में है एनिमल फिल्म देखने की बेकरारी

बालीवुड एक्ट्रेस आलिया भटट ने बताया कि वह अब तक 7000 बार एनिमल ट्रेलर को देख चुकी हैं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पोस्ट कर ट्रेलर पर अपना रिएक्शन दिया है। एनिमल का ट्रेलर 23 नवंबर को रिलीज हुआ। इसे देखने के बाद आलिया भट्ट का रिएक्शन भी सामने आया है। एक्ट्रेस ने पति के लिए एप्रिसिएशन पोस्ट लिखा। राहा कपूर की मम्मी आलिया ने एनिमल को लेकर कहा, मैं कैप्शन नहीं लिख पा रही हूं। मैं एनिमल के ट्रेलर को देखने में इतना बिजी हूं। अब तक मैं 7000 से भी ज्यादा बार इसे देख चुकी हूं। मेरा दिल दिमाग बिल्कुल हिल गया है। मुझे इतनी एक्साइटमेंट हो गई है कि ये फिल्म अभी देखनी है। सभी एनिमल का 1 दिसंबर से थिएटर्स में मजा उठा पाएंगे। रणबीर की मां नीतू कपूर ने पपाराजी को एनिमल के ट्रेलर पर रिएक्शन दिया और बताया कि रणबीर धमाल लग रहे हैं, फिल्म भी जबरदस्त होने वाली है।

राजकुमार कोहली के अंतिम संस्कार में सनी देओल के मुस्कुराने पर भड़के नेटिजन

दिग्गज फिल्म निमार्ता और निर्देशक राजकुमार कोहली का 24 नवंबर को मुंबई में निधन हो गया। उन्हें दिल का दौरा पड़ा और उनकी मौत हो गई। रविवार 26 नवंबर को उनके लिए शोक सभा रखी गई। एक्टर सनी देओल, राजकुमार कोहली को श्रद्धांजलि देने पहुंचे लेकिन उनका वीडियो देखने के बाद नेटिजन्स उन्हें ट्रोल कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में सनी देओल, बिंदू दारा सिंह और एक अन्य शख्स वहां एक-दूसरे से बात करते नजर आते हैं, फिर जोर-जोर से हंसते हैं। उनके बगल में दिवंगत राजकुमार कोहली के बेटे अरमान हैं और लोग उन्हें सांत्वना दे रहे हैं। तभी सनी वहां से आते है और अरमान से मिल कर आगे बढ़ जाते हैं। इस वीडियो को देखने के बाद नेटिजेंस ने गुस्सा जाहिर किया है। 'क्या यह कोई पार्टी है?' "बेशर्म, मृत व्यक्ति के बेटे के सामने हंसना, अंतिम संस्कार में हंसने का यह रवैया देखकर दुख हुआ, 'वे किसी की मौत पर इतना हंसते हैं', 'प्रार्थना सभा में हंसना कितना अपमानजनक और शर्मनाक है' जैसे कमेंट किए हैं।

सूडोकु नवताल- 6625

मध्यम

	9				4			
8	4			6		9		5
5		6	8	2		3		
	1	5	6	3			9	7
3	6			9	7	1	4	
		1		4	8	7		6
9		4		7			2	1
			2				8	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6624 का हल

8	5	4	7	3	2	6	1	9
6	7	1	9	5	4	3	2	8
2	9	3	8	6	1	7	5	4
4	3	9	2	1	7	8	6	5
5	6	2	3	8	9	4	7	1
7	1	8	6	4	5	9	3	2
3	2	6	5	9	8	1	4	7
9	4	7	1	2	6	5	8	3
1	8	5	4	7	3	2	9	6

शब्दजाल - 7372

प्र	क	ल	प्र	कृ	ति	र्ल	धी	प्र	ल	ज
र	जा	ल	दे	प्र	ता	प	इं	ति	ट	वा
त	स	ति	ल	र्म	छ	रा	रा	शो	ख	प्र
प्र	ज	ज	सु	पु	र	प्र	प	ध	ली	ति
म	ती	दो	ग	ल्ला	लं	णा	तू	गी	झ	कू
प्र	क	क्षा	प	ह	न	म	ना	ता	घ	ल
जा	अ	स	त	या	प	त	श	ज	ला	ट्रे
प	ता	दा	ई	ह	ब	सा	फ	रा	श	न
ति	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु
त्ता	पा	ला	ल	प्र	ख	र	र	शा	स्त्री	ता
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	प्र	का	श	त

शब्दजाल में 'प्र' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए. दिये गए शब्द उपर से नीचे व तिरछे भी हो सकते हैं.

प्रणाम,प्रकाश,प्रकृति,प्रजापति,प्रतीक्षा, प्रताप,प्रखर,प्रजाति,प्रतिकूल,प्रतिशोध

शब्दजाल - 7371 का हल

जी	न	त	अ	मा	न	र	तू	ग	झ	डि
ज	प्री	ल	म	आ	ज	या	भा	दु	ड़ी	प
अं	ती	नु	दि	ल	दा	ल	व	र	ला	ल
ज	जिं	का	जो	ल	ला	क	ही	रि	श	क
स	य	श	दे	रा	खी	स	दा	ग	वी	पा
री	रं	ल	चु	व	लि	र्त	र	ती	प	ड़ि
रा	गा	ल	के	गा	प	म	ह	कौ	या	या
नी	बा	रे	खो	त	क	छ	मा	ग	श	थ
मु	स	मि	न	व	न	ज	न	शा	जू	द
ख	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
जीं	ऐ	श्व	र्या	रा	य	य	या	दु	र	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6325

	4	5		7		
	28	1	36	2	30	4
2	3			6		
	33	2	34	3	29	6
4	5		7		2	
	33	7	37		33	
1			4	5	6	

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6324 का हल

7	4	5	2	3	6	1
5	38	3	32	1	27	7
4	3	7	5	6	1	2
3	30	2	40	7	32	6
6	1	4	7	2	5	3
2	24	1	36	4	30	5
1	3	6	7	5	2	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

एशिया की सर्वश्रेष्ठ युवा एथलीट चुनीं गई शीतल, एशिया पैरालंपिक समिति ने किया सम्मानित

नई दिल्ली ।
एशियाई पैरा खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर पूरी दुनिया को अपने जज्बे का कायल बनाने वाली बिना बाजुओं की तीरंदाज शीतल देवी को एशिया की सर्वश्रेष्ठ युवा एथलीट चुना गया है। एशियाई पैरालंपिक समिति ने रियाद (सउदी अरब) में उन्हें एशिया के इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया। शीतल ने तिरंगे को लपेटकर कोच अभिलाषा के साथ इस पुरस्कार को ग्रहण किया।

जन्म से नहीं हैं दोनों हाथ

वर्ल्ड आर्चरी (तीरंदाजी की सर्वोच्च अंतरराष्ट्रीय संस्था) के अनुसार बिना बाजुओं के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीरंदाजी करने वाली शीतल दुनिया की पहली महिला तीरंदाज हैं। शीतल पहली बार सुर्खियों में तब आईं जब उन्होंने इस वर्ष विश्व पैरा तीरंदाजी चैंपियनशिप में पदक जीता, लेकिन दुनिया की नजरों में वह हांगझोऊ पैरा एशियाई खेलों में दो स्वर्ण पदक जीतकर छाईं। उनका स्वर्ण पदक पर निशाना साधते हुए वीडियो जमकर वायरल हुआ। जन्म से हाथ नहीं होने के बावजूद शीतल पैर, कंधे और मुंह के सहारे धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाकर निशाना लगाती हैं।

एशियाई तीरंदाजी में दो स्वर्ण समेत जीते कुल 3 पदक

जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ क्षेत्र की रहने वाली वाली 16 शीतल को सेना की ओर से कटरा स्थित माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड तीरंदाजी अकादमी में लाया गया था। यहां आने के बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। एशियाई पैरा खेलों के बाद उन्होंने 23 नवंबर को बैंकॉक में समाप्त हुए एशियाई पैरा तीरंदाजी में स्वर्णिम प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीता। शीतल का कहना है कि वह यह अवार्ड जीतकर गौरवान्वित महसूस कर रही हैं और इसे देशवासियों को समर्पित करती हैं।

पैर से बोतल को उछालकर जमीन पर खड़ा किया

शीतल का एक और वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह पानी की बोतल को अपने पैर की अंगुलियों से उठाकर उसे उछाल रही हैं, जो वापस जमीन पर पहले की तरह स्थापित हो जाती है। वहीं, उनकी साथी हाथ से भी बोतल को उछालकर ऐसा नहीं कर पा रही हैं।

न्यूज ब्रीफ

मुकेश कुमार को अश्विन ने बताया जूनियर शमी

नई दिल्ली । टीम इंडिया के अनुभवी स्पिन गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन ने तेज गेंदबाज मुकेश कुमार की प्रशंसा करते हुए उन्हें जूनियर शमी बताया है। अश्विन ने अपने आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कहा कि जब वह पहली बार मोहम्मद सिराज से मिले थे तो उन्होंने सोचा था कि मोहम्मद शमी का जूनियर बनेगा। हालांकि मुकेश कुमार से मिलने के बाद अश्विन का मन बदल गया और अब उन्हें लगा कि आने वाले समय में मुकेश कुमार एकदिवसीय विश्व कप 2023 में सबसे अधिक टिकट लेने वालों में युवा संस्करण हो सकता है। अश्विन ने कहा कि मुकेश की बनावट, ऊंचाई और कलाई की स्थिति 33 वर्षीय मोहम्मद शमी के समान है। अश्विन आगे मुकेश की सराहना करते हैं और कहते हैं कि उनके पास कलाई की शानदार व्हिप और गेंद पर शानदार बैकस्पिन है। उन्होंने कहा, मैंने शुरू में सोचा था कि मोहम्मद सिराज जूनियर शमी बनेंगे, लेकिन अब मुझे लगता है कि यह मुकेश कुमार हो सकते हैं। अश्विन आगे कहते है कि मुकेश की भी कुछ ऐसी ही है बनावट, समान ऊंचाई, और उत्कृष्ट कलाई की स्थिति - उसके पास कलाई का शानदार व्हिप और गेंद पर शानदार बैकस्पिन है। उसके पास बहुत अच्छा सीधा और अच्छा संरेखण है।

टी20 विश्व कप में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हैं रिंकू सिंह

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह ने कहा है कि वे टी20 में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। गौरतलब है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहले टी20 मैच में सूर्यकुमार यादव का विकेट गिरते ही जब टीम इंडिया के लिए जीत मुश्किल लग रही थी तब रिंकू सिंह ने संयम का परिचय दिया और धीरे धीरे स्कोर आगे बढ़ाते हुए टीम को 2 विकेट से जीत दिला दी। रिंकू ने चार चौकों की मदद से 22 रन बनाए जिसके कारण वह काफी सराहे गए। फैंस ने कहा कि वह टीम इंडिया के नए फिनिशर हो सकते हैं। बता दें कि अलीगढ़ के रहने वाले रिंकू ने अभी तक 6 टी20 मुकाबलों में देश का प्रतिनिधित्व किया है और 97.00 की औसत और 194 की आश्चर्यजनक स्ट्राइक रेट से 97 रन बनाए हैं। उन्होंने भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया टी20 सीरीज के दौरान कहा कि मैं तैयार हूँ। मैं भविष्य के मैचों के बारे में नहीं सोचता। अगर मुझे मौका मिला तो मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा। चाहे खेल का कोई भी प्रारूप हो, मैं अपना सौ प्रतिशत दूंगा। रिंकू सिंह ने कहा कि वैश्विक टूर्नामेंट में खेलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात होगी।

15 साल के कैमार्डा सिरी ए में खेलने वाले सबसे युवा फुटबालर बने, विजडम एमी का रिकॉर्ड तोड़ा

मिलान । एसी मिलान के 15 वर्षीय फॉरवर्ड फ्रांसेस्को कैमार्डा इटली की फुटबॉल लीग सेरी ए में खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। कैमार्डा शनिवार को जब मिलान की फियोरेंटीना पर 1-0 की जीत के दौरान 83वें मिनट में मैदान पर उतरे तो उनकी उम्र 15 साल, दो महीने और 16 दिन थी। इटली की लीग में इससे पहले सबसे कम उम्र में पदार्पण करने का रिकॉर्ड विजडम एमी के नाम पर था, जो 2021 में बोलोग्ना के लिए पदार्पण करते समय 15 वर्ष, 274 दिन के थे। कैमार्डा का जन्म 2008 में हुआ था। उन्हें लुका जोविच की जगह मैदान में उतारा गया था। वह इटालियन फुटबाल के नए गोल्डन बॉय हो सकते हैं। उन्होंने यूथ स्तर पर 13 मैचों में सात गोल किए हैं। वह अकादमी में अपनी अवधि के दौरान फाइव ए साइड, सेवन ए साइड और ऐट ए साइड मैचों में लगभग 400 गोल कर चुके हैं। ब्राजील के पूर्व धुरंधर रोनाल्डो नजारियो उनके आदर्श रहे हैं। कैमार्डा ने साल की शुरुआत में कहा था कि रोनाल्डो के उनके पिता भी बड़े फैन थे और उन्होंने भी उनके काफी वीडियो देखे हैं।

शुभमन गिल गुजरात टाइटंस के कप्तान

टीम ने सोशल मीडिया पर दी जानकारी हार्दिक पंड्या मुंबई इंडियंस में शामिल

नई दिल्ली ।
इंडियन प्रीमियर लीग की टीम गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल होंगे। फ्रैंचाइजी ने सोमवार को इसका ऐलान किया। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के टीम छोड़ने की वजह से यह बदलाव हुआ है।

हार्दिक अगले सीजन में मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते नजर आएंगे। मुंबई इंडियंस ने भी इसकी आधिकारिक घोषणा सोशल मीडिया पर की। वहीं, मुंबई इंडियंस ने कैमरून ग्रीन को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से ट्रेड कर दिया है।

गिल ने 2018 में आईपीएल डेब्यू किया था

गिल आईपीएल 2023 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर थे। गिल ने 7 मैचों में 59.33 की औसत से 890 रन बनाए थे। 24 साल के गिल ने साल 2018 में आईपीएल डेब्यू किया था। उन्होंने अब तक कुल 91 मैचों में 2790 रन बनाए हैं।

हार्दिक ने पहले ही सीजन में गुजरात को चैंपियन बनाया था

गुजरात टाइटंस की टीम आईपीएल में पहली बार 2022 सीजन में उतरी। टीम ने हार्दिक की कप्तानी में पहले सीजन में ही चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। 2023 के सीजन में भी गुजरात टीम फाइनल में पहुंची, जहां उसे चेन्नई सुपर किंग्स से हार का सामना करना पड़ा था। इतनी कामयाबी के बावजूद गुजरात की टीम और पंड्या का साथ छूटना फैंस और क्रिकेट एक्सपर्ट्स को हैरान कर रहा है।

क्या हार्दिक को कप्तान बनाएगी मुंबई इंडियंस

हार्दिक ने आईपीएल के पिछले दो सीजन में अपनी कप्तानी क्षमता साबित कर दी है। साथ ही वे भारत की व्हाइट बॉल टीम के भी अगले रेगुलर कप्तान के तौर पर देखे जा रहे हैं। माना जा रहा है कि मुंबई इंडियंस हार्दिक

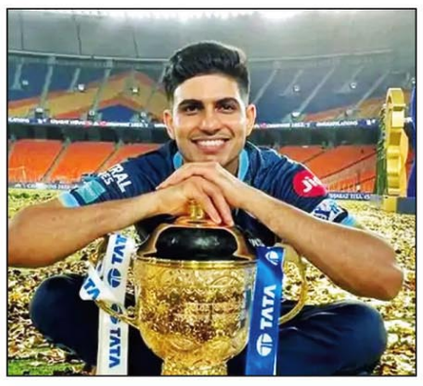

को टीम का कप्तान बना सकती है। हालांकि, रोहित शर्मा से कप्तानी छीनने का फैसला आसान नहीं होगा। रोहित ने मुंबई को पांच बार चैंपियन बनाया है हाल ही में खत्म हुए वनडे वर्ल्ड कप में भी उनकी कप्तानी की जमकर तारीफ हुई है।

हार्दिक की खोज मुंबई ने ही की थी

हार्दिक पंड्या ने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत 2015 में मुंबई इंडियंस के साथ की थी। उनकी मौजूदगी में मुंबई ने 4 आईपीएल खिताब जीते। हार्दिक 2021 तक मुंबई इंडियंस में रहे। इसके बाद चोटिल हुए और जब वापसी की तो गेंदबाजी नहीं कर रहे थे। मुंबई ने उन्हें 2022 में रिलीज कर दिया। तब से दो सीजन वे गुजरात टाइटंस के कप्तान रहे।

जो रूट टी20 लीग में नहीं खेलेंगे, राजस्थान रायल्स को दिया झटका

नई दिल्ली । आईपीएल 2024 में राजस्थान रॉयल्स को तब बड़ा झटका लगा है जब जो रूट ने टी20 लीग में नहीं खेलने का फैसला किया। बता दें कि इस समय टी20 लीग मैचों की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। सभी 10 टीमों को रीटेन और रिलीज किए गए खिलाड़ियों के नाम का ऐलान होना है। इससे पहले बड़ी खबर है कि इंग्लैंड के दिग्गज क्रिकेटर जो रूट ने आईपीएल 2024 से हटने का फैसला किया है। यह फ्रेंचाइजी और कप्तान संजू सैमसन के लिए भी बड़ा झटका है। बता दें कि रूट ने आईपीएल 2023 से टी20 लीग में डेब्यू किया था। वे 2019 में वनडे वर्ल्ड कप का खिताब जीतने वाली इंग्लैंड की टीम में शामिल थे। इससे पहले इंग्लैंड के ही दिग्गज ऑलराउंडर बेन स्टोक्स वर्कलोड और फिटनेस का हवाला देते हुए इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सीजन से हट चुके हैं। स्टोक्स डिफेंडिंग चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स में शामिल थे। राजस्थान रॉयल्स के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट कुमार संगकारा ने बताया, हमारी रिटेंशन बातचीत के दौरान जो रूट ने आईपीएल 2024 में हिस्सा नहीं लेने के अपने फैसले के बारे में हमें जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रूट जैसे अनुभवी खिलाड़ी फ्रेंचाइजी और खिलड़ियों में सकारात्मक प्रभाव डालने में सक्षम थे। हम उनके फैसले का सम्मान करते हैं। गौरतलब है कि पिछले सीजन में रॉयल्स ने रूट को 1 करोड़ रुपये में टीम में शामिल किया था। उन्हें 3 ही मैच में खेलने का मौका था और एक मैच में बल्लेबाजी की थी। उन्होंने 10 रन बनाए थे। 32 साल के जो रूट इंग्लैंड के अनुभवी खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने 32 टी20 इंटरनेशनल के मुकाबलो में 5 अर्धशतक के सहारे 893 रन बनाए हैं। नाबाद 90 रन बेस्ट प्रदर्शन है। बतौर ऑफ स्पिनर 6 विकेट भी लिए हैं। रूट के ओवरऑल टी20 करियर की बात करें, तो उन्होंने 87 पारियों में 32 की औसत से 2235 रन बनाए हैं।

केंद्रीय खेल मंत्री ने पहले पैरा गेम्स का शुभंकर-लोगो किया लांच, खिलाड़ियों को संदेश

नई दिल्ली ।
केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि आगामी खेलो इंडिया पैरा गेम्स खिलाड़ियों को एक मंच प्रदान करेगा जिससे उन्हें सरकार की टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) का हिस्सा बनने का मौका भी मिलेगा। पहली बार हो रहे खेलो इंडिया पैरा गेम्स का आयोजन यहां 10 से 17 दिसंबर तक होगा। इन खेलों के शुभंकर उज्ज्वला और लोगो को लांच करते हुए खेल मंत्री ने कहा कि खेलो इंडिया एक क्रांति बन चुकी है। आप चाहे खेलो इंडिया यूथ गेम्स को देखो या विंटर गेम्स को इनसे हमें काफी एथलीट मिले हैं। अब हम खेलो इंडिया पैरा गेम्स की शुरुआत कर रहे हैं ताकि पैरा एथलीटों को एक राष्ट्रीय स्तर का मंच मिल सके। जहां वे अपनी प्रतिभा दिखा सकें और टॉप्स का हिस्सा बन सकें। टूर्नामेंट में 300 एथलीट और सपोर्ट स्टाफ हिस्सा लेगा। उन्होंने कहा कि सरकार आम और पैरा एथलीटों में कोई अंतर नहीं करती। आम खिलाड़ियों को जो सुविधाएं उपलब्ध हैं, वहीं सुविधाएं पैरा एथलीटों को भी मिल रही हैं।

खेल मंत्री ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन है कि खेलो इंडिया को घर-घर में जाना जाता है। खेलो इंडिया अब योजना से एक आंदोलन में तब्दील हो चुका है। पिछले कई वर्षों से इसमें पैरा गेम्स की कमी महसूस हो रही है। वर्ष 2018 से अब तक 11 खेलो इंडिया गेम्स हो चुके हैं। इनमें पांच खेलो इंडिया गेम्स, तीन खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स और तीन खेलो इंडिया विंटर गेम्स शामिल हैं।

हमें इस बात की खुशी है कि इस साल पैरा गेम्स भी इसमें सम्मिलित हो गए। समारोह में भारत की पूर्व महिला हॉकी कप्तान रानी रामपाल, ओलंपिक पदक विजेता पहलवान योगेश्वर दत्त, , महिला रेसलर सरिता मोर, पूर्व मुक्केबाज अखिल कुमार भी उपस्थित थे। इसके अलावा पैरा एथलीटों में प्रमोद भगत, भाविना पटेल, अवनि लेखड़ा, सुमित अंतिल भी समारोह में शामिल थे।

सात्विक-चिराग की जोड़ी चाइना मास्टर्स के फाइनल में हारी

चौथा बीडब्लूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल खेल रही थी; वर्ल्ड नंबर-1 लियांग-वांग की चीनी जोड़ी चैंपियन बनी

नई दिल्ली ।
सात्विक साईराज और चिराग शेट्टी की भारतीय मेंस डबल्स पेयर को चाइना मास्टर्स 750 टूर्नामेंट के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। चीन के शेन्जेन शहर में रविवार, 26 नवंबर को खेले गए फाइनल में भारतीय जोड़ी को चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग की जोड़ी ने हराया।

सात्विक और चिराग की एशियन गेम्स की चैंपियन जोड़ी को एक घंटे 11 मिनट तक चले फाइनल में दुनिया की नंबर-1 जोड़ी से 19-21 21-18 19-21 से मात झेलनी पड़ी।

सात्विक-चिराग की जोड़ी इस साल बीडब्लूएफ वर्ल्ड टूर का चौथा फाइनल खेल रही थी। इस जोड़ी ने इस साल इंडोनेशिया सुपर 1000, कोरिया सुपर 500 और स्विस सुपर 300 के खिताब जीते हैं।

सेमीफाइनल में जी टिंग और रेन जियांग यू को हराया

भारतीय जोड़ी ने सेमीफाइनल मुकाबले में चीन के शेन्जेन शहर में हे जी टिंग और रेन जियांग यू के चीनी जोड़ी को सीधे गेम में 21-15, 22-20 से हराते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

क्यों जरूरी था चाइना मास्टर्स 700

बैडमिंटन में सालभर अलग-अलग देशों में टूर्नामेंट होते हैं, और इन टूर्नामेंट के पॉइंट्स पर्सनल रैंकिंग में एड होते है। चाइना मास्टर्स बीडब्लूएफ वर्ल्ड टूर का हिस्सा है और यह लेवल 3 का टूर्नामेंट है। इसमें जीतने वाले विनर को 11,000 पॉइंट्स मिलते हैं जो कि रैंकिंग में एड होता है।

केकेआर की टीम शार्दुल ठाकुर को करेगी रिलीज, शॉ की वापसी के कयास

नई दिल्ली ।
दो बार की पूर्व चैंपियन टीम कोलकाता नाइट राइडर्स अब इस सीजन के लिए ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को रिलीज कर सकती है। पिछले ही सीजन में शार्दुल केकेआर से जुड़े थे। हालांकि उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। वहीं दिल्ली कैपिटल्स की टीम ओपनर बैटर पृथ्वी शॉ को रीटेन कर सकती है। शॉ अभी चोट से उबर रहे हैं। पिछले सीजन में उनका प्रदर्शन औसत रहा था। बता दें कि आईपीएल 2024 के लिए रीटेन होने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट जारी होनी है। सभी 10 टीमों को बीसीसीआई को इस संबंध में जानकारी देनी है। मीडिया में आई खबर के अनुसार, शार्दुल ठाकुर से केकेआर नाता तोड़ सकती है। शार्दुल ठाकुर की बात करें, तो 2018 से 2021 तक वे चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा रहे। इसके बाद वे दिल्ली कैपिटल्स से जुड़े थे। 2023 में वे केकेआर का हिस्सा बने।

पिछले सीजन में शार्दुल ने 11 पारियों में 113 रन बनाए। बतौर तेज गेंदबाज शार्दुल केकेआर की ओर से सिर्फ 7 ही विकेट ले सके थे। टीम ने उन्हें 10.75 करोड़ रुपये में शामिल किया था। सीएसके की ओर से 2 बार खिताब जीत चुके शार्दुल केकेआर को कुछ खास सफलता नहीं

दिला सके। आईपीएल 2023 में केकेआर की टीम 14 में से सिर्फ 6 ही मैच जीत सकी थी।

हालांकि उस समय टीम पॉइंट टेबल में 7वें नंबर पर रही थी। केकेआर ने 2012 और 2014 में आईपीएल का खिताब जीता था। यानी 10 साल से टीम को टाइटल का इंतजार है। केकेआर के पूर्व कप्तान गौतम गंभीर एक बार फिर टीम से बतौर मेंटॉर जुड़ गए हैं। इससे पहले वे लखनऊ का हिस्सा थे। वहीं पृथ्वी शॉ की बात करें, तो वे अभी घुटने की चोट से उबर रहे हैं। काउंटी के दौरान उन्हें यह चोट लगी थी। पिछले सीजन में वे बल्ले से कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके थे। पृथ्वी ने 8 पारियों में 106 रन ही बना सके थे। एक ही अर्धशतक वे लगा सके थे। पृथ्वी शॉ चोट के चलते टी20 मुश्ताक अली ट्रॉफी और लिस्ट-ए टूर्नामेंट विजय हजारे ट्रॉफी में भी नहीं उतर सके।

इस हार के गम को कैसे भुला पाएगा जिंबाब्वे

युगांडा ने 5 विकेट से रौंदकर कर दिया बड़ा उलटफेर, क्रिकेट जगत में मचा हड़कंप

नई दिल्ली ।
टी-20 विश्व कप 2024 को लेकर तैयारियां शुरू हो चुकी है। अगले साल विश्व कप में कुल 20 टीमें हिस्सा लेने वाली है, जिसके लिए इस वक्त क्वालीफायर मुकाबले खेले जा रहे है।

इन मुकाबलों में से 20 टीमें तय होनी है, जो अगले साल टी-20 विश्व कप का हिस्सा होने वाली है। इस क्वालीफायर मैच में युगांड़ा ने जिम्बाब्वे को करारी शिकस्त दी और एक बड़ा उलटफेर कर दिया है। ये इतिहास का सबसे बड़ा उलटफेर रहा, जिसके बाद जिम्बाब्वे का टी-20 विश्व कप 2024 खेलने पर खतरा मंडरा रहा है।

युगांड़ा ने जिम्बाब्वे को दिया जोरदार झटका

दरअसल, टी-20 विश्व कप 2024

के लिए खेले जा रहे क्वालीफायर मुकाबलों में युगांड़ा और जिम्बाब्वे के बीच मुकाबला खेला जाएगा। इस मुकाबले युगांडा ने जिम्बाब्वे को 5 विकेट से पटखनी दी। इस हार के साथ ही जिम्बाब्वे पर खतरे के बादल मंडरा रहे है। जिम्बाब्वे का विश्व कप 2024 खेलना भी काफी मुश्किल हो गया है। बता दें कि इस क्वालीफायर की सिर्फ टॉप की दो टीमें ही अगले साल होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर सकेगी। ऐसे में युगांडा ने जिम्बाब्वे को बड़ा उलटफेर कर दिया। 7 टीमों के बीच खेले जा रहे इस क्वालीफायर मुकाबले में युगांड़ा ने जीत हासिल कर तीसरा स्थान हासिल कर लिया है। वहीं, टॉप पर नामीबिया और केन्या की टीम दूसरे पायदान पर हैं। चौथे स्थान पर जिम्बाब्वे पहुंच गया है।

ऐसा रहा मैच का हाल

इस मैच में युगांड़ा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बैटिंग करते हुए जिम्बाब्वे की टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 136 रन बनाए। टीम की तरफ से कप्तान सिकंदर रजा ने 48 रन की पारी खेली, जो कि सबसे ज्यादा रन की रही।

वहीं, इसके जवाब में युगांड़ा ने 19.1 ओवर में 5 विकेट खओकर लक्ष्य हासिल कर लिया। युगांड़ा की तरफ से अलपेश और रियाज शाह ने शानदार बल्लेबाजी की और इस जीत में अहम योगदान दिया।

नवंबर के अंत से शुरू होंगे दिल्ली राज्य स्कूल खेल, इस आयु वर्ग के खिलाड़ी दिखाएंगे हुनर

नई दिल्ली। राजधानी में प्रदूषण का स्तर कम होना स्कूल स्तरीय खिलाड़ियों के लिए अच्छी खबर लाया है। शिक्षा निदेशालय की खेल शाखा ने दिल्ली राज्य स्कूल खेल की नई तारीखों का आर्डर जारी कर दिया है। अंडर-14 से अंडर-19 आयु वर्ग के खिलाड़ी इनमें भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं। यह खेल सितंबर महीने के मध्य से शुरू होने थे, लेकिन राजधानी में बढ़ते प्रदूषण की मार को देखते हुए इनको स्थगित कर दिया गया था। उप-शिक्षा (खेल) निदेशक योगेश पाल सिंह ने बताया कि खेल प्रतिस्पर्धाएं विद्यार्थियों के जीवन में अनुशासन सिखाने, नई दिशा देने व उनके शारीरिक व मानसिक विकास में सहायक होती हैं। उन्होंने बताया कि फुटबाल का आयोजन पीतमपुरा स्थित सरकारी विद्यालय में 29 नवंबर से दो दिसंबर तक किया जाएगा। बास्केटबाल का आयोजन पीतमपुरा स्थित खेल परिसर में 24-25 नवंबर को होगा। योगेश पाल सिंह ने बताया कि इसी कड़ी में खो-खो, कुराश, ताइक्वांडो, साफ्टबाल, टेबल टेनिस, वालीबाल, योग, क्रिकेट, बेसबाल, नेटबाल, कबड्डी, थ्रोबाल व अन्य खेल प्रतिस्पर्धाएं विभिन्न खेल परिसरों में नवंबर अंत से दिसंबर मध्य तक आयोजित होंगी।

क्यों जाना है विदेश जब भारत में ही उठा सकते हैं

स्कॉटलैंड के मजे..

लोगों के दिमाग में अक्सर ये बात रहती है कि हनीमून या फिर किसी शानदार छुट्टी मनाने के लिए कोई विदेशी डेस्टीनेशन ही बेस्ट रहेगी, लेकिन किसी भी फॉरेन ट्रिप को प्लान करने से पहले हमें एक बार अपने देश की खूबसूरती पर भी नजर जरूर मार लेनी चाहिए. ये बात सभी जानते हैं कि स्कॉटलैंड एक शानदार टूरिस्ट डेस्टीनेशन है, लेकिन ये बात कम ही लोग जानते हैं कि भारत में भी एक ऐसी जगह है जिसे भारत के स्कॉटलैंड के नाम से जाना जाता है. आईए भारत के स्कॉटलैंड यानी कुर्ग को को जानते हैं थोड़ा करीब से...

कर्नाटक में स्थित कुर्ग नेचुरल ब्यूटी से भरा हुआ है. यहां सुंदर नजारों की कोई कमी नहीं है. कुर्ग मैसूर से करीब 120 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और इसे कोडागू भी कहा जाता है. कुर्ग में घूमने-फिरने, पिकनिक मनाने या फिर एडवेंचर की कोई कमी नहीं है. यहां एक नहीं बल्कि कई मुख्य पर्यटक स्थल मौजूद हैं.

निसारगधमा

नदी किनारे के हरे-भरे नजारे देखना अगर आपको पसंद है, तो कुर्ग में स्थित निसारगधमा आपको खूब पसंद आएगा. ये स्थल नदी के बीच स्थित है. टूरिस्ट यहां अपने करीबियों के साथ पिकनिक का भी लुत्फ उठा सकते हैं.

नागरहोल अभयारण्य

वहीं वाइल्ड लाइफ लवर्स के लिए भी कुर्ग में बहुत कुछ है. यहां नागरहोल अभयारण्य में घूमना आपको काफी एडवेंचरस फील देगा. नागरहोल में हाथियों की अच्छी आबादी मौजूद है. टाइगर देखने के लिए भी ये जगह देश के कुछ सबसे अच्छे अभयारण्यों में से एक है. इसके अलावा यहां तेंदुए, हिरण और गौर को भी करीब से देखने का अच्छा चांस मिलता है.

कॉफी के बागान

जब भी आप कुर्ग घूमने आएं तो यहां मौजूद कॉफी के बागानों की सैर करना न भूलें. ये बागान आपको नेचर के काफी करीब ले जाएंगे. साथ ही आपको यहां की फ्रेश ऐयर एकदम तरोताजा कर देगी.

सर्दियों में अखरोट खाने के ये फायदे नहीं जानते होंगे आप!

वैसे तो सर्दियों में ड्राई फ्रूट खाना फायदेमंद होता है लेकिन आज हम उस ड्राईफ्रुट के बारे में बात करेंगे जो नर्व्स के लिए, मेमोरी के लिए और साथ ही साथ डायबिटीज और हार्ट के लिए बहुत ही अच्छा है. ये डाईफ्रूट कोई और नहीं बल्कि अखरोट है. चलिए जानते हैं डॉ. शिखा शर्मा से अखरोट के फायदों के बारे में.

अखरोट की तासीर थोड़ी गर्म होती है इसलिए ये विंटर्स में खाया जाता है. अगर आप गर्मियों में ज्यादा अखरोट खाएंगे तो मुंह में छाले भी पड़ सकते हैं.सर्दियों में अखरोट खाने का बहुत फायदा है.

अखरोट में मौजूद विटामिंस और मिनरल्स हमारी नर्व्स सिस्टम और मेमोरी के साथ ही नर्व्स रिजनरेशन के लिए अच्छा होता है.इसी तरह से हार्ट के लिए भी अखरोट बहुत अच्छा है. अगर कॉलेस्ट्रॉल बढ़ा हुआ है तो तीन महीने तक रोजाना अखरोट खाएं.डायबिटिक पेशेंट अगर मीठा खाते हैं तो उनका इंसुलिन बढ़ जाता है. लेकिन ऐसे लोग अखरोट खाते हैं तो अखरोट की सेंसिविटी बेहतर होती है और इंसुलिन अचानक से घटता या बढ़ता नहीं है. साथ ही ब्लड शुगर भी कंट्रोल होता है.2 साल से छोटे बच्चों को अखरोट ना खिलाएं. बुजुर्गों को अखरोट खिला रहे हैं तो दूध के साथ दें वो भी बहुत कम मात्रा में.अखरोट और सेब की चाट बनाकर खाएं. इसके ऊपर हल्की सी दालचीनी का पाउडर मिलाएं. इससे एक तरह का फ्रुट सैलेड बन जाता है. इस चाट को आप रोजाना खा सकते हैं.

भूख बढ़ाने से लेकर निमोनिया तक ठीक कर सकती है ये छोटी सी तुलसी!

निमोनिया ऐसी बीमारी है जो किसी को भी किसी भी ऐज में हो सकती है. लेकिन ऐसा नहीं है कि इसका इलाज नहीं है. घरेलू नुस्खों से भी निमोनिया का इलाज किया जा सकता है. आज आचार्य बालकृष्ण जी बता रहे हैं कैसे तुलसी के उपयोग से कर सकते हैं निमोनिया का उपचार.

सांस की बीमारी में तुलसी का उपयोग-

अगर आपको बहुत ज्यादा सांस की दिक्कत है. अस्थमा की दिक्कत है तो इसमें तुलसी बहुत लाभकारी है. गुलबनफ्सा, मुलैठी और तुलसी को मिलाकर काढ़ा बनाइए और सुबह-शाम इसका सेवन कीजिए. इससे सांस की समस्याए कम होगी.

निमोनिया में तुलसी का उपयोग : निमोनिया से पीड़ित लोगों के लिए तुलसी का

उपसोग रामबाण है.

अगर पसलियां चल रही हैं तो भी 15 से 20 ग्राम तुलसी के रस को निकालिए. इस रस को गाय के घी या बादाम रोगन में धीमी आंच पर पकाएं. इसे पकाकर के इससे बच्चों की मालिश कीजिए. इससे बच्चों की मसल्स स्ट्रांग होंगी. इम्यून सिस्टम स्ट्रांग होगा और निमोनिया की समस्या भी दूर होगी. इससे बच्चों में सर्दी-गर्मी सहने की क्षमता भी बढ़ जाएगी.

भूख बढ़ाने में तुलसी का उपयोग: आपको या बच्चें को भूख कम लगती है तो भी तुलसी का उपयोग लाभाकारी है. भूख कम लगने पर काली मिर्च, अदरक, हरी मिर्च और तुलसी के पत्तों में नमक डालकर चटनी बना लें. आप चाहे तो हरी मिर्च भी इसमें डाल सकते हैं. खाने के साथ इस चटनी को खाएं और बच्चे को भी खिलाएं. इससे ना सिर्फ भूख बढ़ेगी बल्कि पेट की अन्य समस्या भी दूर होगी. तुलसी की पत्तियां बहुत ज्यादा ना ले.

सन ग्लासेज को लेकर कहीं आप धोखा ना खा जाएं!

क्या आप अक्सर इसलिए सन ग्लासेज खरीदते हैं क्योंकि इससे आपकी आंखें सेफ रहती हैं? तो आप गलत सोचते हैं. ऐसे कई और मिथ्स सन ग्लासेज को लेकर है. माई जिम इंडिया के प्रबंध निदेशक आई रहमतुल्लाह ने सन ग्लासेज से जुड़े इन मिथ्स के बारे में बताया है

सन ग्लासेज के साथ जुड़ा आम मिथ यह है कि इन्हें सिर्फ फैशनेबल नजर आने के लिए पहना जाता है. ये महज फैशन का सामान नहीं होते हैं. सन ग्लास आपको स्मार्ट लुक देने के साथ ही सूरज की हानिकारक किरणों से भी आपकी आंखों को सुरक्षित रखते हैं.

जो लोग सही से दिखाई देने के लिए चश्मा पहनते हैं, वे सोचते हैं कि सन ग्लास उनके चश्मे के नंबर में उपलब्ध नहीं होता है और यह सिर्फ धूप का चश्मा है, इसलिए ठीक से दिखाई नहीं देगा, यह गलत धारणा है. आजकल बाजार में नंबर के अनुसार, ऐसे धूप के चश्मे उपलब्ध है, जिससे आपको सही से दिखाई देगा और आपकी आखों की धूप से भी रक्षा होगी.

धूप के चश्मों के लेकर यह भी मिथक है कि सारे धूप के चश्मे पराबैंगनी किरणों से रक्षा करते हैं. हालांकि, चश्मे का ग्लास और पॉलीकार्बोनेट पराबैंगनी किरणों की कुछ मात्रा को अवशोषित कर लेते हैं, लेकिन पूरी तरह से सुरक्षा पाने के लिए लेंस पर कोटिंग करवाना जरूरी हैं.

धूप का चश्मा ऐसा खरीदें जो सामने और पीछे दोनों ओर से पराबैंगनी किरणों को 90-100 प्रतिशत तक ब्लॉक कर दे.कई लोग यह सोचकर धूप का चश्मा पहनते हैं कि इसे नहीं पहनने की बजाय इसे पहनने से कम से कम आंखों को कुछ तो सुरक्षा मिलेगी, इसलिए लोग किसी भी क्वालिटी का चश्मा खरीद लेते हैं, लेकिन सस्ता धूप का चश्मा पहनना अपकी आंखों को और नुकसान पहुंचा सकता है.

अगर उनसे आपकी आंखों पर सिर्फ छाया होती है और हानिकारक किरणों यूवीए व यूवीबी से सुरक्षा नहीं मिलती हैं तो फिर ऐसे चश्मों के जरिए हानिकारक किरणें सीधे आपकी आंखों पर पड़ती हैं, जो बेहद हानिकारक हैं, इसलिए हमेशा बढ़िया क्वालिटी का ही धूप का चश्मा इस्तेमाल करें.

फास्ट फूड छोड़कर अंकुरित अनाज खाएं

पैंतीस वर्षीया अनामिका एक प्राइवेट दफ्तर में प्रबंधक के पद पर कार्य करती हैं। वह दिल्ली में अकेली रहती हैं। उन्हें अक्सर रात देर तक दफ्तर में काम करना पड़ता है। रात को घर आने पर वह इतनी थकी हुई होती हैं कि खाना बनाकर खाने को भी मन नहीं करता इसलिए वह आते समय फास्ट फूड का पैकेट भी साथ लाती हैं, यही दिन भर काम करने के लिए उसका सहारा होता है। ऐसा केवल अनामिका ही नहीं और बहुत से लोग करते होंगे जिनके पास समय की कमी है।

आज के व्यस्त जीवन में समय की कमी के कारण फास्ट फूड हमारे जीवन में गहरी पैठ बना चुका है। कुछ लोग आधुनिकता के मोह के कारण भी इस ओर खिंचते हैं। बड़े शहरों में इनका प्रयोग ज्यादा होता है। आज की फास्टफूड संस्कृति में किसी को भी लिविंग फूड का ख्याल ही नहीं आता। परन्तु क्या आप जानते हैं कि इस प्रकार के भोजन में क्षारीय प्रोटीन तथा विटामिन युक्त तत्वों का अभाव होता है इन खाद्य पदार्थों में अम्लीय तथा देर से पचने वाले तत्वों की मात्रा ज्यादा होती है। देर से पचने वाले ये तत्व आंतों में चिपक जाते हैं और वहीं सड़ते रहते हैं, जिस कारण ज्यादातर रोग जन्म लेते हैं। इसका अर्थ है इस प्रकार के खाद्य पदार्थ भूख तो मिटाते हैं परन्तु इससे हमें कोई लाभ नहीं होता।

प्राकृतिक चिकित्सा के अनुसार, दोषपूर्ण खान-पान रहन-सहन तथा सोच-विचार की आदत के कारण ही ज्यादातर रोग जन्म लेते हैं। दोषपूर्ण खानपान के कारण पेट से संबंधित कई बीमारियां आज आम हो गई हैं। इसके कारण मोटापा, कब्ज, मधुमेह, बवासीर जैसी कई अन्य बीमारियां भी आम होती जा रही हैं। प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के अनुसार भोजन में सभी तत्वों का संतुलन बनाए रखने के लिए अंकुरित आहार का प्रयोग किया जा सकता है। आयुर्वेद में अंकुरित आहार को अमृताहार की संज्ञा दी गई है। वास्तव में अंकुरित आहार उच्च खाद्य माने जाने वाले पोषक तत्वों का मुख्य स्रोत है। अंकुरित आहार क्षारीय प्रकृति के होते हैं। शरीर को शुद्ध करना, स्वास्थ्य के सुधार और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में अंकुरित आहार विशेष रूप से सहायक होता है। दैनिक आहार में अंकुरित अनाज का समावेश किया जाना लाभकारी होता है क्योंकि इससे आहार का पोषण मूल्य बढ़ता है।

अच्छे स्वास्थ्य के लिए हमारे भोजन का अस्सी प्रतिशत भाग क्षारीय तथा बीस प्रतिशत भाग अम्लीय होना चाहिए। इस संतुलन को बनाए रखने के लिए भोजन में कच्चे आहार तथा अंकुरित आहार का प्रयोग सर्वोत्तम

माना गया है। हम सभी के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक ही है कि अंकुरित आहार में पोषण के तत्व कैसे पैदा होते हैं? दरअसल सभी बीज सामान्य रूप से निष्क्रिय अवस्था में पड़े रहते हैं। इन बीजों के अंदर संरक्षित जीवन की उत्पत्ति के कारक तत्व अनुकूल परिस्थितियां पाते ही सक्रिय हो जाते हैं। अमृताहार में बीजों तथा दालों के अंदर स्थित निष्क्रिय तत्वों को सक्रिय कर आहार के रूप में प्रयोग किया जाता है।

आधुनिक प्रयोगों से यह सिद्ध हो चुका है कि एक बीज के भीतर एक पूरा जीवन छिपा होता है। इसमें वे सभी तत्व संग्रहित होते हैं जो पौधे का जीवन चलाते हैं। यही तत्व हमारे शरीर के लिए भी आवश्यक होते हैं यही कारण है कि अंकुरित बीजों को लिविंग फूड भी कहा जाता है। विभिन्न अनाजों व दालों को पानी में भिगो देने पर उनके अंदर स्थित सभी तत्व सक्रिय हो जाते हैं। इससे बीज में अनेक रासायनिक परिवर्तन आते हैं। अंकुरण की अवस्था में बीजों में विटामिन सी, आयरन, विटामिन सी तथा फास्फोरस की मात्रा कई गुना बढ़ जाती है। इतना ही नहीं अंकुरण के बाद कुछ ऐसे तत्वों की मात्रा में कमी आती है जो शरीर के लिए हानिकारक होते हैं, इस प्रकार के तत्वों में ओलिगासैकराइड्स प्रमुख है।

अंकुरण के बाद विभिन्न दालों में पाया जाने वाला स्टार्च, ग्लूकोज में तथा फ्राक्टोज, माल्टोज में बदल जाता है। इससे इनका स्वाद तो बढ़ता ही है साथ ही वे सुपाच्य भी हो जाती हैं। इसी प्रकार की प्रक्रिया अनाज में भी होती है। परिवर्तन की यह प्रक्रिया अनाज में तीव्र तथा दालों में कुछ धीमी गति से होती है। अमृताहार बनाने के लिए चना, मूंग, राजमा, मेथी, सोंठ, लोबिया, सोयाबीन, सूर्यमुखी तथा गेहूं के बीजों को प्रयोग किया जाता है। इनके अतिरिक्त अन्य दालों को भी अंकुरित कर प्रयोग किया जा सकता है। अंकुरित करने के लिए बीजों को अच्छी तरह धोकर जार या किसी अन्य बर्तन में दस-बारह घंटों के लिए भिगो देना चाहिए। बीजों को भिगोने के लिए इतना पानी जरूर डालें कि उसमें बीज पूरी तरह डूब जाएं। अच्छी तरह भीगे हुए बीजों को पानी से दोबारा अच्छी तरह धोकर साफ सूती कपड़े की एक पोटली में टांग दें। इस तरह से भीगे हुए बीजों का अंकुरण लगभग 24 घंटे में हो जाता है। गर्मियों में यह ध्यान रखना जरूरी है कि लटकाई गई पोटली सूखे नहीं इसके लिए थोड़ी-थोड़ी देर में उस पर पानी का छिड़काव करते रहें जिससे पोटली में नमी बनी रहे।

अंकुरित बीजों को कच्चा ही खाना चाहिए क्योंकि पकाने से उनके पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं। इन बीजों का स्वाद कुछ कसैला होता है इसलिए उनमें नमक, टमाटर, खीरा, नींबू आदि डाला जा सकता है, इससे उनका स्वाद बढ़ जाता है। अंकुरित बीजों के प्रयोग से कमजोरी तथा कई प्रकार के रोग दूर होने के साथ-साथ शरीर को उचित पोषण भी मिलता है। इनसे हमारा इक्यून सिस्टम भी मजबूत होता है। नशाखोरी तथा मद्यपान की लत छुड़ाने में भी यह अमृताहार सहायक होता है।

तीन प्रकार के बीजों को प्रयोग मुख्यत: किया जाता है जिसमें से चयन रोग के आधार पर किया जाता है। मधुमेह के रोगियों के लिए चना व मेथी, हृदय रोगियों के लिए चना तथा मूंग और बढ़ते बच्चों व माताओं के लिए अंगूर, बादाम व खजूर। सामान्य व्यक्ति किसी भी प्रकार के अमृताहार का प्रयोग कर सकता है। नियमित सेवन से रक्त अल्पता, हड्डियों की बीमारियां, मानसिक तनाव, कब्ज, अनिद्रा, बवासीर, मोटापा तथा पेट के कई रोगों से छुटकारा मिल जाता है। अंकुरण के लिए ताजा तथा स्वस्थ बीजों का ही प्रयोग किया जाना चाहिए। साथ ही यह भी ध्यान रखें कि अंकुरण पुराना, दुर्गन्धयुक्त या बासी न हो।

नहाने के फौरन बाद ही लगाएं परफ्यूम

हमेशा ध्यान रखिए कि आप से पहले आपकी खुशबू पहुंचती है। कितना भी बेहतरीन आपका लुक हो, शानदार कपड़े आपने पहन रखे हों, लेकिन अगर आपके पास से गंध आ रही है तो सब बेकार है। इन टिप्स को अपनाइए और हमेशा महकते रहिए

■ परफ्यूम लगाने के बाद कभी भी अपनी कलाइयों को रगड़े नहीं। इससे सेंट जल्दी उड़ जाएगा।

■ जब बेहद हल्की खुशबू का साथ चाहिए हो तो हवा में स्प्रे करें और उसके नीचे से चलते हुए निकल जाएं।

■ परफ्यूम को कभी भी नमी वाली जगह पर यूज नहीं करना चाहिए। ह्यूमिडिटी और गर्मी की वजह से खुशबू बिगड़ जाती है और जल्दी गायब हो जाती है।

■ परफ्यूम की बॉटल में बची कुछ बूंदों का भी उपयोग कीजिए। बिना खुशबू वाले लोशन में इन्हें मिला लें। जबरदस्त फर्क महसूस करेंगे।

■ कलाई पर परफ्यूम लगाने से पहले थोड़ा वेसलिन लगा लें। ज्यादा देर तक महकते रहने के लिए यह आइडिया काफी काम का है।

■ नहाने के फौरन बाद ही परफ्यूम लगा लें। आपकी स्किन के अंदर का मॉइस्चर इसे अंदर लॉक कर लेगा। इसके अलावा कपड़ों पर परफ्यूम के दाग भी नहीं पड़ेंगे।

■ बालों में कंघा करने से कंघे पी भी परफ्यूम स्प्रे करें। खुशबू आपके बालों में भी समा जाएगी।

■ अलमारी में भी थोड़ा परफ्यूम स्प्रे कर दें। आपके कपड़ों में हमेशा महक बनी रहेगी।

पूजा घर में मृतकों की तस्वीर रखना अशुभ है क्योंकि

हिंदू धर्म में जीवन के विभिन्न मोड़ पर अलग-अलग रीति रिवाजों का पालन किया जाता है। पर्व के अलावा सामान्य जीवन में भी ये परंपराएं व रीतियां मानी जाती हैं।

आदर्श हिंदू जीवन शैली में प्रतिदिन पूजा पाठ करना अनिवार्य है, यही कारण है कि प्रत्येक हिंदू के घर में पूजा घर होता है।

एक बात आपने देखी होगी कि पूजा घर में आमतौर पर लोग किन्हीं मृतकों की तस्वीरें भी लगा दिया करते हैं। ये मृतक परिजनों के अलावा अन्य भी हो सकते हैं।

लेकिन वास्तु के अनुसार यह ठीक नहीं है। वास्तु को मानने वाले यह बात जानते हैं कि पूजा घर में पुरखों की तस्वीरें लगाना निषेध है।

यदि पूजा घर में मृत व्यक्ति की तस्वीर रखी जा रही है तो इसका अर्थ ये हुआ कि आप अनजाने में ही परेशानियों को आहूत कर रहे हैं। तमिल विचारधारा के अनुसार मृतक देवदूत बनकर स्वर्ग में गति पाते हैं।

इस लिहाज से वे मृतकों को भगवान का दर्जा दे देते हैं। हिंदू मान्यताओं के अनुसार मृत्यु के बाद आत्मा शरीर को त्यागकर दूसरे शरीर का वरण कर लेती है।

हिंदू धर्म में शरीर नश्वर है इसलिए उसका दाह संस्कार किया जाता है जबकि आत्मा पूजनीय है। इधर, वास्तु-शास्त्र कहता है कि देवों की तस्वीरों को उत्तर अथवा उत्तर पूर्व की दिशा में रखना चाहिए। पूजा घर की दिशा सदा उत्तर पूर्व होना चाहिए। मृत पूर्वजों की तस्वीरों को दक्षिण पश्चिम या दक्षिण, पश्चिम में लगाना चाहिए। यदि उक्त क्रम का पालन नहीं किया गया तो परिवार में क्लेश, मानसिक कष्ट, संकट और दुविधा की आशंका बनी रहती है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**